ਸ਼ੁਭ ਲਾਭ

खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आइए, समाज को तोड़ने वाली विघटनकारी आसुरी शक्तियों की साजिश को ..@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 16 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-258

सत्ता पाने की हताशा में किसी भी स्तर पर गिरने को आतुर राहुल गांधी

# देश के लिए खतरनाक है डोनाल्ड लू और राहुल की ईलू ईलू

राउल विंसी सत्ता में वापसी के लिए बेताब दिख रहे हैं। राहुल गांधी का असली नाम राउल विंसी ही है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को गिराने के लिए राहुल गांधी किसी भी तरह का और किसी से भी सहारा लेने से हिचक नहीं रहे हैं। पिछले कई महीनों से राउल विंसी यानी राहुल गांधी कई भारत विरोधी संस्थाओं और व्यक्तियों के साथ गुप्त बैठकें कर रहे हैं, जिनमें राजनेता, अधिकारी और यहां तक कि विभिन्न विदेशी खुफिया एजेंसियों के गुप्त अधिकारी भी शामिल हैं।

इनमें सबसे उल्लेखनीय बैठकों में से एक दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू

## शुभ-लाभ राष्ट्रहित चिंता

के साथ हुई राहुल गांधी की बैठक शामिल है। पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश समेत कई देशों में बाइडेन प्रशासन द्वारा किए शासन परिवर्तन के प्रयासों और कामयाबियों में डोनाल्ड लू अग्रणी रहे हैं। यह प्रवृत्ति तब स्पष्ट हुई जब इमरान खान को देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा पाकिस्तान में सत्ता से बेदखल कर दिया गया, जिससे पाकिस्तान इस्लामवादी और भ्रष्ट ताकतों के गठबंधन के लिए कमजोर हो गया। अगला लक्ष्य श्रीलंका बना और उसके बाद बांग्लादेश की बारी आई। बांग्लादेश में

अमेरिकी साजिश कामयाब हो गई और वहां अमेरिका का पिट्ठू शख्स सत्ता पर बिठा दिया गया। अमेरिकी डीप स्टेट, जो वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों, कानून के शासन और लोकतंत्र की रक्षा करने का दावा करता है, धीरे-धीरे एशिया और अफ्रीका में लक्षित देशों को अस्थिर करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। अंतिम लक्ष्य कठपुतली शासन स्थापित करना है, इन देशों को संयुक्त राज्य अमेरिका के जागीरदार राज्यों में बदलना है। ▶10पर

झारखंड में सोरेन सरकार पर पीएम मोदी का बड़ा हमला

# वोट के लिए घुसपैठियों को मिल रहा झामुमो का संरक्षण

***झामुमो के कारण झारखंड में पसर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या***

***भगवान बिरसा मुंडा के तप और त्याग की पवित्रता अक्षुण्ण रखें***

**रांची, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के जमशेदपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड की मौजूदा गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन हैं झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस। राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के निर्माण का बदला आज भी झारखंड से ले रहा है और कांग्रेस को तो झारखंड से नफरत है। ये झामुमो वाले, जिन्होंने आदिवासियों के वोट से अपनी राजनीति चमकाई, आज वो किसके साथ खड़े हैं? ये लोग आदिवासियों के जंगल जमीन पर कब्जा करने वालों के साथ हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी झामुमो को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं। इनके लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा के भीतर भी घुस गए हैं। जानते हैं ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया है। जब किसी पार्टी में कांग्रेस का भूत घुस जाता है, तो तुष्टिकरण ही उस दल का इकलौता एजेंडा बन जाता है। इसके लिए सबसे पहले ये लोग दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज के हितों की बलि चढ़ाते हैं। यही हाल झामुमो का भी हो रहा है।

तेज बारिश के बीच अपना भाषण जारी रखते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बारिश कितनी ही तेज क्यों न हो, रुकावटें कितनी ही ज्यादा क्यों न हो, लेकिन कोई भी बाधा मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती। मैं आपके दर्शन किए बिना वापस नहीं जा सकता था, इसलिए सड़क मार्ग से ही आप सबके दर्शन करने पहुंच गया। ▶10पर

## वंदे भारत के साथ 32000 लाभार्थियों को मिले पीएम आवास

***रांची, 15 सितंबर (एजेंसियां)।***

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 32,000 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए और घरों के निर्माण के लिए 32 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की। उन्होंने देशभर में पीएमएवाई-जी के 46,000 लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपी। केंद्र ने पीएमएवाई-जी योजना के तहत झारखंड में गरीबों के लिए 1,13,400 घरों को मंजूरी दी है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाईपास लाइन और हजारीबाग जिले में हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। पीएम झारखंड को 660 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की सौगात दी। ▶10पर

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल दो दिन बाद देंगे इस्तीफा

# नैतिक वजह होती तो गिरफ्तारी के वक्त ही दे देते इस्तीफा

## भाजपा नेताओं ने कहा, पत्नी को सीएम बनाने की नौटंकी है

**नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर आए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। वह भी दो दिन बाद। आम आदमी पार्टी (आपा) के दफ्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, मैं आज से दो दिन के बाद सीएम पद से इस्तीफा दूंगा। मैं तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल ईमानदार है। दिल्ली की जनता के आदेश के बाद ही मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। भाजपा ने केजरीवाल के 48 घंटे बाद इस्तीफा देने के ऐलान पर सवाल खड़ा किया है। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अंदर बनी विभाजक और विस्फोटक स्थिति को देखते हुए इस्तीफे का ऐलान किया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती, मैं सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। उन्होंने कहा कि मैं और मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाएंगे। दिल्ली विधानसभा भंग नहीं होगी। मेरी जगह कोई और सीएम होगा। अगला सीएम चुनने के लिए विधायक दल की बैठक होगी। इसमें सीएम पर फैसला लिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा, भाजपा ने एक और नया फार्मूला बनाया है। जहां-जहां ये चुनाव हारे वहां-वहां के मुख्यमंत्री पर फर्जी केस करके गिरफ्तार कर लो और उसकी सरकार गिरा दो। इन्होंने सिद्धारमैया, पिनाराई विजयन, ममता दीदी पर केस कर रखे हैं। ये एक विपक्ष के मुख्यमंत्री को नहीं छोड़ते सभी पर फर्जी केस करके जेल में डालते हैं और सरकार गिरा देते हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री के संभावित नामों में आतिशी मारलेना का नाम सबसे आगे है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी कालकाजी सीट से विधायक हैं। आतिशी दिल्ली सरकार में शिक्षा, उच्च शिक्षा, टीटीई, वित्त, योजना, पीडब्ल्यूडी, जल, बिजली, सेवाएं, सतर्कता, जनसंपर्क मंत्री हैं। आतिशी के साथ-साथ सौरभ भारद्वाज का नाम भी सामने आ रहा है। वे दिल्ली की ग्रेटर कैलाश सीट से विधायक हैं। सौरभ दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, शहरी विकास और पर्यटन मंत्री हैं। सौरभ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। ▶10पर

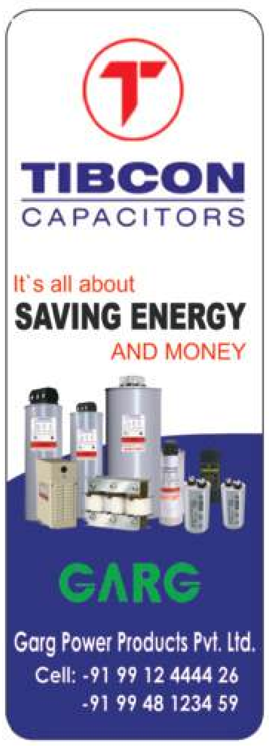


लोकसभा चुनाव के समय हुई थी भाजपा में सेंधमारी की साजिश

# विपक्ष के वरिष्ठ नेता ने गडकरी को दिया था पीएम का ऑफर

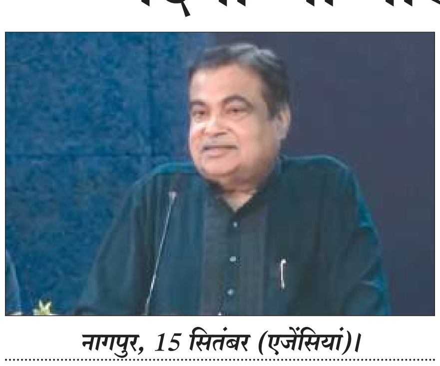

***नागपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।***

लोकसभा चुनाव के समय भाजपा में सेंधमारी की साजिश हुई थी। विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने भाजपा नेता नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद का प्रस्ताव दिया था। नितिन गडकरी ने खुद इसका

## नितिन गडकरी ने कहा, पर नेता का नाम नहीं बताया

खुलासा किया, लेकिन ऑफर देने वाले वरिष्ठ नेता का नाम नहीं बताया।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को विपक्षी दलों के कई नेताओं ने खेमा बदलने की सलाह दी थी। अब नितिन गडकरी की तरफ से एक और चौंकाने वाला दावा किया गया है। उन्होंने नागपुर में एक कार्यक्रम में बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले विपक्ष के वरिष्ठ नेता की तरफ से उन्हें प्रधानमंत्री पद ऑफर किया था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया ▶10पर

झूठे और धोखेबाज वकीलों पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

# दोषियों की सजा माफ कराने के लिए झूठ बोलते हैं वकील

**नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** दोषियों की सजा माफी और समय से पहले रिहाई कराने के लिए अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में झूठे बयान दे रहे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। इससे हमारा विश्वास हिल गया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि पिछले तीन हफ्तों में उसके सामने ऐसे कई मामले आए हैं जहां दलीलों में गलत बयान दिए गए।

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि अदालत में सजा में छूट न दिए जाने की शिकायत को लेकर बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर की जा रही हैं। पिछले तीन सप्ताह में यह छठा-सातवां मामला हमारे सामने आया है, जिसमें

## वकीलों के झूठ और धोखे से हमारा विश्वास हिल गया: सुप्रीम कोर्ट

दलीलों में गलत बयान दिए गए हैं। शीर्ष अदालत में पीठ के सामने रोज 60-80 मामले दर्ज होते हैं। जजों के लिए हर मामले के प्रत्येक पेज को पढ़ना संभव नहीं है। फिर भी हर मामले को करीब से देखा जाता है।

पीठ ने कहा कि हमारा सिस्टम विश्वास पर काम करता है। जब हम मामलों की सुनवाई करते हैं तो हम बार के सदस्यों पर भरोसा करते हैं। लेकिन जब हमारे सामने इस तरह के मामले आते हैं, तो हमारा विश्वास हिल जाता है। कोर्ट ने कहा कि एक मामले में छूट की मांग के लिए दायर रिट याचिका में न केवल गलत बयान दिए गए हैं, बल्कि अदालत के समक्ष एक गलत बयान दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के तत्कालीन एडवोकेट ने जेल अधिकारियों को संबोधित 15 जुलाई 2024 के ईमेल में झूठे बयान दोहराए। ▶10पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : $34^0$
न्यूनतम : $27^0$

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने की महत्वपूर्ण घोषणा

## नर्मदा किनारे धार्मिक स्थलों के आसपास मांस-मदिरा पर बैन

***भोपाल, 15 सितंबर (एजेंसियां)।***

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्मदा नदी के किनारे स्थित धार्मिक नगरों और स्थलों के आसपास मांस-मदिरा (शराब) के सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक में भी नर्मदा की सांस्कृतिक और धार्मिक अखंडता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया था। नर्मदा नदी अमरकंटक में अपने उद्गम से खंभात की खाड़ी तक 1,312 किलोमीटर तक फैली हुई है।

मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासन को आदेश दिया है कि वह सुनिश्चित करे कि नदी के पवित्र स्थलों के पास कोई भी बस्ती या व्यावसायिक गतिविधि मांस और शराब की बिक्री या खपत की अनुमति न दे। सीएम यादव ने कहा कि नर्मदा सिर्फ़ एक नदी नहीं है, बल्कि हमारे राज्य की सांस्कृतिक विरासत है। इसकी पवित्रता हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए। हम इसे सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाएंगे। सीएम ने कहा कि नर्मदा नदी राज्य के लोगों के लिए भक्ति, आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। ▶10पर

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा: आरबीआई

## भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 66 अरब डॉलर बढ़ा

***नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।***

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की आधिकारिक घोषणा के मुताबिक, भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) अब 604.144 अरब डॉलर के स्तर पर है। यह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके साथ ही, सोने के भंडार की कीमत वर्तमान में 61.988 अरब डॉलर है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रहा है। इस साल अब तक भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में 66 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है और अभी यह 689.235 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह विदेशी मुद्रा भंडार देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक आर्थिक संकटों से बचाने में अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी हालिया आंकड़ों के मुताबिक, भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) अब 604.144 अरब डॉलर के स्तर पर है। यह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके साथ ही, सोने के भंडार की कीमत वर्तमान में 61.988 अरब डॉलर है। ▶10पर

भारतीय उच्चायोग में ग्रेनेड फेंकने वाले की पहचान मिली

## सांसद अमृतपाल के बहनोई अमरजोत ने फेंका था बम

***नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।***

कनाडा के ओटावा में पिछले साल 23 मार्च 2023 को भारतीय उच्चायोग में ग्रेनेड फेंकने का मामला सामने आया था। अब इस केस की छानबीन के बाद बताया जा रहा है कि ग्रेनेड फेंकने वाला व्यक्ति जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह का जीजा अमरजोत था। अमरजोत ने न केवल खालिस्तान के समर्थन में प्रदर्शन किया था बल्कि उच्चायोग के परिसर में खालिस्तान का झंडा भी लगाया था। अमरजोत सिंह अमृतसर के गांव बुताला का रहने वाला है। ग्रेनेड फेंकने के मामले में उससे जुड़ी जानकारी तब बाहर आई जब एनआईए ने पिछले दिनों पंजाब के चार जिलों में एक साथ छापेमारी की। यह छापेमारी गुरदासपुर जिले में तीन स्थानों पर, अमृतसर जिले में दो, पटियाला और मोदा जिले में एक-एक घर में हुई ये सारे स्थान वो हैं जहां अमृतपाल के रिश्तेदार रहते हैं। बुतला में अमृतपाल के जीजा अमरजोत, गुरदासपुर जिले के हांव में उसके साले गुरमुख सिंह और अमृतसर के जल्लूखेड़ा में अमृतपाल सिंह के चाचा परगट सिंह रहते हैं। ▶10पर

# एक शाम बाबा रामदेव के नाम विशाल भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

रामदेव भक्त मंडल बेंगलूरु पश्चिम अग्रहारा दासरहल्ली की ओर से 14वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में एक शाम बाबा रामदेव के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन संत शीतल राजाराम के सानिध्य में अल्लामा प्रभु कल्याण मंडप में किया गया। मंडप में बाबा रामदेवजी का भव्य दरबार सजाया गया। जागरण का शुभारंभ मंडप में सजे बाबा रामदेव के दरबार के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। राजस्थान से आए भजन गायक गौ ऋषि संत प्रकाश दास ने गणेश वंदना के साथ बाबा के भजन घोड़लियों मंगवा मारी मां, पिछम धरा सू म्हारा बाबजी पदारिया, खम्मा खम्भा रूणिया रा धनिया सहित विभिन्न प्रकार के भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूमते रहे। महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया। इस दौरान बाबा की मनमोहक झांकी भी प्रस्तुत की गई। जागरण में वार्षिक चढावों की बोलियां लगाई गई, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में चढ़ावों के लाभार्थियों व अतिथियों का माला साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इससे पूर्व मंदिर के शिखर पर ध्वजा चढ़ाई गई। संरक्षक इन्दरलाल सोलंकी ने स्वागत किया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक कृष्णप्पा का ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया। इस मौके पर समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित बन्नूर, ढगलसिंह राजपुरोहित, गवरीदेवी, राजेन्द्र सिंह, पिंटुसिंह राजपुरोहित, ओमसिंह राजपुरोहित, मनीष चावत, बाबूलाल गुर्जर, प्रकाश सांखला, रतनलाल आगलेचा, सत्यनारायण बंसली का सम्मान किया गया। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से संत प्रकाश दास महाराज का राजस्थानी परंपरागत स्वागत हुआ। संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के सरंक्षक राजेश पारिक, सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेशचंद चावत एवं अध्यक्ष चेतन सीरवी, उपाध्यक्ष पर्वतसिंह राजपुरोहित, सचिव पकज शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश सीरवी एवं रामदेव भक्त मंडल के सम्मस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारी, महिला मंडल, ट्रस्टीगण आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन पंकज शर्मा, सुरेश पारिक ने किया।

# आचार्य जयमल स्थानकवासी परंपरा के महान संत रहे: डॉ. वरुणमुनि

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने आचार्य जयमल के 317 वें जन्मोत्सव पर कहा कि आचार्य जयमल स्थानकवासी परम्परा के बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न आचार्य थे, जिन्होंने जन-जीवन को नया विचार, नई वाणी और नया कर्म दिया। 22 वर्ष की उम्र में एक बार जिनवाणी का श्रवण कर संसार के सुखों को छोड़कर संयमी बने। दीक्षा लेने के पहले मात्र तीन घंटे में ही प्रतिक्रमण सूत्र को कंठस्थ किया। अपने गुरुदेव का साथ व हाथ जब तक अपने सर पर रहेगा तब तक एकांतरतप की प्रतिज्ञा ली। अपने गुरुदेव के देवलोक गमन होने पर उनके निर्जीव देह को देखकर कभी भी आडा आसन नहीं करने का संकल्प लिया। उनका कहना था सोता वह है जिसमें प्राण व जान नहीं हो उसके बाद वे लगभग 50 वर्षों तक लेटकर शयन नहीं किया। आचार्य जयमल

स्थानकवासी परंपरा के महान संत रहे हैं। गुणगान उन्हीं का होता है जिन्होंने कुछ त्याग व बलिदान किया हो। आचार्य जयमल ने अपना संपूर्ण जीवन जिनशासन को समर्पित कर दिया व जिनशासन की बगिया को महकाया व चमकाया। उन्होंने अनेक राजा व महाराजा को नैतिक शिक्षा दी, उनके जीवन में धर्म को प्रवेश कराया। आचार्य जयमल महाराज को एक भवावतारी, अखंड बाल ब्रह्मचारी, आशु कवि, युगप्रधान, चारित्र चुड़ामणि सरीखी उपाधियों से विभूषित किया गया। बच्चों की रविवारिय सामायिक आराधना की प्रभावना का लाभ वरदीचंद पितलिया ने लिया। प्रवचन प्रभावना का लाभ रोशनलाल नाहर ने लिया। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

# परमात्मा की भव्य रथयात्रा निकाली

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में रविवार को आदिनाथ दादा के दरबार से मुनिराज निर्मोहप्रभविजयजी एवं साध्वी अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में पर्युषण महापर्व की पुर्णाहुती पर परमात्मा की भव्य रथयात्रा निकाली गई। इस चातुर्मास में श्रीसंघ के सभी ट्रस्टियों की उपस्थिति रही।

श्रावकों एवं अर्हम ग्रुप के युवाओं ने पूजा के वस्त्रों में पूरी रथयात्रा में प्रभुजी का ऐतिहासिक रथ खींचा और रथ की व्यवस्था संभाली। सभी हर्षोल्लास से नृत्य भक्ति करते हुए और दादा आदिनाथ का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। चिकपेट के सुश्रावक नेमीकुमार गादिया ने रथ में लाभार्थी परिवार बनकर प्रभुजी को अलंकृत करके परिवार सहित विराजमान हुए।

श्री ऋषभ संस्कार वाटिका के टीचर्स, मैनेजमेंट टीम के साथ अनेक बालक बालिकाएं एवं महिला मंडल शामिल हुई। श्री लब्धिसूरि धार्मिक पाठशाला के गुरुजी एवं विद्यार्थी भी साथ में थे। लब्धि सूरी संगीत मंडल ने सम्पूर्ण मार्ग में परमात्मा की जय जयकार एवं भक्ति गीतों से समा बांधा। सर्वोत्तम आदिनाथ सेवा मंडल द्वारा व्यवस्था प्रदान की गई।

# सामूहिक क्षमापना सह स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ का सामूहिक क्षमापना सह स्नेह मिलन कार्यक्रम श्री संभवनाथ जैन भवन वीवी पुरम में आयोजित किया गया। मुनिराज मलयप्रभ सागर जी एवं गुरुवर्या श्री प्रिय स्वर्णजना श्रीजी ने सानिध्य प्रदान की। लाभार्थी परिवार के साथ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा, संघ के तेजराज मालाणी, तेजराज गुलेच्छा, विजयराज दोशी, रंजीत ललवाणी, कुशलराज गुलेच्छा, बाबूलाल भंसाली, पुखराज कवाड़, अरविंद कोठारी ने परमात्मा एवं दादागुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। मुनिराज मलयप्रभ सागर जी के मुखरबिंद से मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली ने गुरुवंदन करते हुए पधारे हुए सभी सदस्यों का स्वागत सहित अभिनंदन किया।

संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने संचालन करते हुए संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। साध्वी प्रिय स्वर्णजना श्रीजी ने

मिच्छामी दुक्कड़म की महत्वपूर्ण विषयों पर अपने भाव रखते हुए संघ को मिच्छामी दुक्कड़म किया। मुनि मलयप्रभ सागर जी द्वारा खामेमि सव्व जीवो पर संगीत की लहरियों के साथ आत्मा के शोभाव के विपरित कार्य करने जैसे विषयों पर अपने भाव प्रकट किए। कार्यक्रम के लाभार्थी चुन्नीलाल, तनसुखराज, जवेरीलाल, राजेन्द्र कुमार गुलेच्छा मोकलसर निवासी का संघ द्वारा सम्मान किया गया। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ की कार्य समिति को शपथ विधि गुरुवेद द्वारा दिलावाई गयी। आयोजन में स्टेज व्यवस्था संघ के उपाध्यक्ष राजेन्द्र भंसाली, प्रकाश पारख एवं प्रकाश बी भंसाली ने भोजन व्यवस्था संभाली।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद, महिला परिषद, श्री जिनदत्त कुशल सूरि जैन सेवा मंडल एवं संघ के प्रकाश फोफलिया, कल्पेश लुंकड़, नीलेश मेहता, प्रचार- प्रसार विक्रम गुलेच्छा ने प्रवेश द्वारा पर संघ का तिलक द्वारा बहुमान किया। संघ के कोषाध्यक्ष विकास पारख, दीपक छाजेड़, रविन्द्र बोहरा ने हाल व्यवस्था संभाली।

पंकज बाफना, अचल बाफना, सुनील गोलछा, वैयावच्च एवं अन्य कार्यों में संघ के उपाध्यक्ष भरत रांका, सहमंत्री वीरचंद चोपड़ा, गौतम कोठारी एवं अनिल कांकरिया, अनिल भाड़कतिया, भरत पालरेचा, जितेंद्र कवाड़, कैलाश छाजेड़, नवरत्न गुलेच्छा आदि ने अपना सहयोग दिया। संघ के उपाध्यक्ष राजेन्द्र भंसाली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

# मधुमेह जांच शिविर का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

आचार्य श्री भिक्षु के 222वें चरमोत्सव के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एंड डेंटल केयर श्रीरामपुरम के अंतर्गत रविवार को रियायती दर पर मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। मधुमेह जांच शिविर के अंतर्गत चार विभिन्न प्रकार की जांचे की गई। कुल 28 सदस्यों ने अपनी जांच करवाई। शिविर के आयोजन में प्रायोजक के रूप में चांदमल, हेमन्त कुमार, दिनेश कुमार, सुनील कुमार गादिया, सारंग वास ने अपनी स्वीकृति प्रदान की थी।

तेयुप द्वारा उपस्थित सदस्यों को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाएं, डॉक्टर की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत करवाया गया। स्थानीय लोगों ने एटीडीसी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया एवं राजेश देरासरिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की। एटीडीसी स्टाफ स्मिता, श्यामला एवं दीपाश्री का विशेष श्रम नियोजित हुआ।

# तप अनुमोदनार्थ वरघोड़ा निकाला

**गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य में रविवार को भव्य वरघोड़ा स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर से निकाला गया। वरघोड़े को लेकर सुबह से ही जैन समाज के लोग पारम्परिक वेश भूषा में सजधज कर आयोजन स्थल पर पहुंचे। वरघोड़े पर सवार जिनशासन की ध्वजा लिए जैन समाज के सदस्य बैंड बाजे के साथ शामिल हुए। वरघोड़ा महावीर सोसायटी स्थित वासुपूज्य मंदिर, पार्श्व कुशल धाम, चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर होते हुए पुनः पार्श्वनाथ मंदिर पहुंचा। फिर वहां पर स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य निर्मल पारेख, महेंद्र बंदा, हरीश शाह, सचिन जैन, विनोद फोलामुथा, धीरज बाफना, मदनलाल ओसवाल, राजेश श्रीश्रीमाल, बाबूलाल खिवेंसरा, राजेंद्र कोठारी के अलावा संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, निर्भयलाल हुंडिया, दलिचंद कवाड़, जवाहरलाल बंदा समेत बड़ी संख्या में संघ के सदस्य उपस्थित थे।

### कर्नाटक में लोकतंत्र कहां है?

# नागमंगला में हिंदुओं के लिए एक राह, मुसलमानों के लिए दूसरी नीति: रविकुमार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार ने कहा कि नागमंगला में हिंदुओं के लिए एक राह और मुसलमानों के लिए दूसरी नीति है। इसलिए कर्नाटक राज्य में लोकतंत्र कहां है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के हिस्से के रूप में बीदर से चामराजनगर तक मानव

श्रृंखला बना रही है। कांग्रेसी एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, संविधान लागू करने वाली सरकार होने का दावा करते हैं। लेकिन राज्य में लोकतंत्र कहां है। भाजपा विधायक मुनिरत्ना को अत्याचार मामले में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन, एक महीने से भी ज्यादा पहले कांग्रेस विधायक चन्नारेड्डी पर भी ऐसा ही अत्याचार का मामला हुआ था, उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है, जो राजा की तरह सभी कार्यक्रमों में हिस्सा लेता है। क्या यही है आपका लोकतंत्र? उन्होंने सवाल किया कि क्या यही आपकी धर्मनिरपेक्षता है और यही सिद्धरामैया का संविधान है।

नागमंगला में गणपति उत्सव मना रहे और जुलूस निकाल रहे हिंदू युवाओं पर सैकड़ों पत्थर फेंके गए और उन्होंने गणपति की मूर्ति पर चप्पलें भी फेंकीं। हिंदुओं पर लाठियां बरसाई जाती हैं, पत्थरबाजी की जाती है। दर्जनों हिंदू दुकानें जला दी गईं। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि हिंदुओं को मुख्य आरोपी बनाकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जिन लोगों ने दुकानें जलाईं, जूते फेंके और पत्थर फेंके, उन्हें केस में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने पूछा कि क्या यही है राज्य का लोकतंत्र है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि हिंदुओं के लिए एक रास्ता, मुसलमानों के लिए दूसरी नीति - यह संविधान और लोकतंत्र का अपमान है। उन्होंने कहा कि विधानसौधा में सदन के सत्र के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। रामेश्वरम कैफे में विस्फोट हुआ। एनआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आरोपियों ने भाजपा दफ्तर को निशाना बनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार ने कर्नाटक राज्य में गृह विभाग पूरी तरह से अल्पसंख्यकों के हाथों में दे दिया है।

# निर्णय का आधार गुणवत्ता पर निर्भर

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि महापुरुषों के नाम का स्मरण हमारे हृदय को पवित्र बनाता है। जैसे तेज बुखार में बर्फ की पट्टी काम आती है, उसी प्रकार समान शीतलता देने वाला प्रभु का स्मरण होता है।

वीरों के नाम लेने से वीरता जागती है। कायरों के नाम लेने से कायरता आती है। मन एक स्वच्छ कैमरा है, जिस वस्तु या व्यक्ति की तरफ अभिमुख होगा, वैसी आकृति लेगा। महान आत्माओं के स्मरण से नाम और महा मंगल दिव्य रूप आकार हमारे सामने आयेगा ही।

तीर्थकरों के नाम स्मरण कीर्तन संबल है। हमें अपने आदर्श में सात्विकता को देख कर ही अनुसरण करना है। निर्णय का आधार गुणवत्ता पर निर्भर है। गुणवत्ता को आदर्श बनायेंगे तो धोखा नहीं होगा।

*__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ कॉटनपेट स्थित पूर्वी प्लाजा में शनिवार को भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना के साथ गणेशोत्सव शुरू हुआ। स्थापना मंगल आरती में करीब 350 भक्तों ने भाग लिया। आरती में लड्डू का प्रसाद वितरित कर अन्नदान किया गया। इस अवसर पर पूर्वी प्लाजा के अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी एवं गणेश मित्र मंडल के पुष्पकांत शर्मा, नितिन जैन, विकाश जैन, रणजीत राजपुरोहित, निखिल जैन, निर्मल जैन, धनराज धनाणी, महेंद्र राजपुरोहित, दीपक जैन, रविकांत शर्मा सहित तमाम भक्त गण उपस्थित रहे।*

## ऐतिहासिक मानव श्रृंखला आंदोलन का उद्घाटन

# आइए, समाज को तोड़ने वाली विघटनकारी आसुरी शक्तियों की साजिश को करें परास्त: सीएम

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने लोकतंत्रवादियों से खड़े होने और समाज को बांटने वाली और एकता की आड़ में लोगों को बांटने वाली विघटनकारी बुरी ताकतों को नष्ट करने का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के हिस्से के रूप में विधानसौधा की भव्य सीढ़ियों पर ऐतिहासिक मानव श्रृंखला आंदोलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा आइए हम उस बहुलवाद का जश्न मनाएं जिसे हमारा संविधान हमारे जीवन में कायम रखता है। आइये उससे समाज को तोड़ने की बुराई की साजिश को परास्त करें। उन्होंने कहा आइए लोकतंत्र को मजबूत करें। बुद्ध और बसवन्ना जैसे आध्यात्मिक संतों के समय में हमारे पास लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली थी। उन्होंने कहा कि अनुभव मंडप, अल्लामा प्रभु का आध्यात्मिक और साहित्यिक महल, पहले लोकतंत्र का एक संस्थागत प्रतीक था। उन्होंने 25 नवंबर 1949 को बाबा साहेब के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि राजनीतिक आजादी तभी सार्थक होगी जब आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र सभी के लिए उपलब्ध हो। जब तक भारत में भेदभाव रहेगा तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता का कोई मतलब नहीं है। संविधान की प्रस्तावना में महान मानवीय मूल्य समाहित हैं। इसीलिए हमने इस प्रयास का नेतृत्व किया है कि भारत और कर्नाटक के हर स्कूल और कॉलेज में हमारा राष्ट्रगान पढ़ा जाए, समझा जाए और उसका पालन किया जाए और राष्ट्रगान हमारा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें बिना किसी भेदभाव के शांति का बगीचा बनना चाहिए। जब तक समाज में असमानता दूर नहीं होगी तब तक देश को मिली आजादी का कोई मतलब नहीं है। समानता प्राप्त करने की दिशा में हमारी सरकार ने सभी जातियों और धर्मों के गरीबों और मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने के लिए एक कार्यक्रम बनाया और लागू किया है। एकता की आड़ में समाज को बांटने वाली विघटनकारी ताकतों को नष्ट करने के लिए लोकतंत्रवादियों को खड़ा होना होगा। एकता को नष्ट करने वाली विघटनकारी आसुरी शक्तियां सामाजिक न्याय, समानता की विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि ये समाज के दुश्मन हैं, जब तक इन्हें रोका नहीं जाएगा तब तक महिलाओं, दलितों और पिछड़ों को अधिकार और अवसर नहीं मिल पाएंगे। यह भाजपा और उससे जुड़ी विघटनकारी ताकतें गरीब विरोधी, मध्यम वर्ग विरोधी हैं।

### 20 लाख से अधिक लोगों की मानव श्रृंखला बनाई

वे गरीब-समर्थक कार्यक्रमों को लागू नहीं होने देते। इसलिए हमें उन्हें हराना चाहिए, बुरी आत्माओं को चेतावनी देने और मानव समाज को एकजुट करने के लिए 20 लाख से अधिक लोगों की मानव श्रृंखला बनाई गई है। उद्घाटन के दौरान लोकतंत्र दिवस के राजदूत हरेकला हजप्पा, नागरिक श्रमिक माताएं नागलक्ष्मी, मंजुला और तृतीय लिंग प्रियंका तथा विशेष उत्साही छात्रों ने लोकतंत्र दिवस को सार्थक बनाया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष बसवराज होराट्टी, उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी, मंत्री एचसी महादेवप्पा, प्रियांक खड़गे, केजे जॉर्ज, दिनेश गुंडूराव, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, विधानसभा सदस्य सलीम अहमद, यूबी वेंकटेश और कई महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे।

# अवैध रेत खनन के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

जिले के पावूर उलिया के निवासियों ने रविवार को नेत्रावती नदी पर एक अनूठा विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें द्वीप पर अवैध रेत खनन के खिलाफ जिला प्रशासन की निष्क्रियता की निंदा की गई। प्रदर्शनकारियों ने अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए नदी में आंशिक रूप से खुद को डूबो दिया। फादर वैलेरियन डिसूजा, बंटवाल डीनरी के पादरी, कैथोलिक सभा के अध्यक्ष एल्विन डिसूजा, कैथोलिक सभा के पूर्व अध्यक्ष स्टेनी लोबो, आईसीवाईएम के पूर्व अध्यक्ष मिथेश डिसूजा और स्थानीय नेता गिल्बर्ट डिसूजा सहित प्रमुख सामुदायिक नेताओं के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने अपनी निराशा व्यक्त की। गिल्बर्ट डिसूजा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा दो महीने पहले, जिला प्रशासन ने हमें आश्वासन दिया था कि द्वीप पर खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। डीसी ने जांच के लिए एक आयोग भी बनाया था, लेकिन अवैध रेत माफिया ने फिर से काम शुरू कर दिया है। भूविज्ञान और खनन विभाग के अधिकारी उन्हीं अवैध उत्खननकर्ताओं के स्वामित्व वाली नावों पर सर्वेक्षण कर रहे हैं। बार-बार अनुरोध के बावजूद, जिला कलेक्टर ने द्वीप का दौरा नहीं किया है, जो प्रशासन के भीतर मिलीभगत का संकेत देता है। हमने डीसी और प्रशासन पर भरोसा खो दिया है। विरोध एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है। यदि हमारी मांगों को अनदेखा किया जाता है, तो हम आगे और अधिक तीव्र विरोध प्रदर्शन की योजना बनाएंगे। समुदाय अपने द्वीप की रक्षा के लिए दृढ़ है और अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

# भाजपा विधायक मुनिरत्ना दो दिन की पुलिस हिरासत में

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

आरआर नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक मुनिरत्ना, जिन्हें व्यालिकावल पुलिस ने जान से मारने की धमकी और जातिगत दुर्व्यवहार के मामले में गिरफ्तार किया था, को न्यायाधीश ने दो दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें पूर्व पार्षद वेलु नायकर द्वारा दायर मामले में गिरफ्तार किया गया है। जब उनके खिलाफ व्यालिकावल पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज किए गए, तो उन्होंने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया और लापता हो गए। पुलिस ने उनका पीछा करते हुए उनके मोबाइल लोकेशन के आधार पर कोलार जिले के मुलबागिलु तालुक के नंगाली गांव के पास उन्हें हिरासत में ले लिया। फिर उन्हें बेंगलूरु लाया गया और गिरफ्तार कर बॉरिंग हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी मेडिकल जांच की गई और फिर जज के सामने पेश किया गया। पुलिस ने न्यायाधीश से उन्हें एक सप्ताह के लिए पुलिस हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। जांच न्यायाधीश ने उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

बीबीएमपी के पूर्व सदस्य वेलु नायकर ने व्यालिकावल पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी कि उन्होंने जातिगत दुर्व्यवहार किया है। शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच की और उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ की। इस मामले में मुनिरत्ना समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायत के बाद पूर्व सांसद डीके सुरेश ने जातियों के बीच संघर्ष पैदा करने वाले, लड़कियों और जातिगत दुर्व्यवहार के बारे में अपमानजनक बातें करने वाले भाजपा विधायक मुनिरत्ना को तत्काल अयोग्य ठहराने और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की था। अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुनिरत्ना ने बहुत ही निम्न स्तर की भाषा का प्रयोग किया है। यहां तक कि जंगली और अशिक्षित लोग भी ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि 80 के दशक में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल होता था, लेकिन इस दौर में भी असभ्य तरीके से बोलना अक्षम्य अपराध है। ओक्कालिगा समुदाय के ठेकेदारों को अनकहे शब्दों में गाली दी। दलित समाज को अपमानित किया गया है। भाजपा के आर अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को इस पर जवाब देना चाहिए। क्या एनडीए नेता मुनिरत्ना की बातें नहीं सुन रहे हैं? एक तरफ उन्होंने ओक्कालिगा समुदाय का अपमान किया और दूसरी तरफ उन्होंने महिला समुदाय का अपमान किया। यह देखकर और सुनकर एनडीए नेता कैसे शांत हो सकते हैं। क्या मुनिरत्ना के शब्द भाजपा और आरएसएस संस्कृति के समान हैं? मेरे मुताबिक, केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को तुरंत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर उन्हें बताना चाहिए कि गठबंधन के एक विधायक ने बदतमीजी से बात की है। उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से चर्चा के बाद मुनिरत्ना को तुरंत अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। यह मामला शुक्रवार दोपहर सामने आया। अभी तक भाजपा-जेडीएस की ओर से किसी ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। आश्चर्य की बात है कि देश को झकझोर देने वाली भाषा सुनने के बाद भी उन्होंने चुप्पी साध ली। शायद मुनिरत्ना का बयान भाजपा के लिए सहनीय होगा।

### अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर

# कर्नाटक ने 2,500 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक ने रविवार को समानता, एकता, बंधुत्व और सहभागितापूर्ण शासन के प्रतीक के रूप में 2,500 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक मानव श्रृंखला बनाकर अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाया।

यह विशाल मानव श्रृंखला, जो कर्नाटक सरकार के अनुसार दुनिया की सबसे लंबी होगी, पूरे राज्य में बीदर से चामराजनगर तक बनाई जा रही है, जिसमें सभी 31 जिले शामिल हैं। राज्य सरकार ने नागरिक समाज के साथ मिलकर इस दिन को मनाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने का बीड़ा उठाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ विधान सौधा, राज्य विधानमंडल और सचिवालय के सामने आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मानव श्रृंखला में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर इसका नेतृत्व किया, जिसके बाद ट्रांसजेंडर और दिव्यांग लोगों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने मानव श्रृंखला बनाने के लिए हाथ पकड़े। राज्य के सभी जिलों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभिनव और विशाल कार्यक्रम के लिए लंदन से विश्व रिकॉर्ड सत्यापन करने वाली टीम आएगी।

मानव श्रृंखला लगभग 2,500 किलोमीटर लंबी होगी और इसे विश्व के इतिहास में सबसे लंबी कहा जा रहा है।

सरकार ने कहा है कि इसमें कुल 25 लाख लोगों के भाग लेने की उम्मीद है, जिसमें प्रत्येक किलोमीटर पर औसतन 1,000 से अधिक लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों द्वारा राज्य में 10 लाख पौधे लगाए जाने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, मानव श्रृंखला में भाग लेने वालों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। पिछले साल, सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में संविधान की प्रस्तावना पढ़ने का एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। 2007 से, 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जिसे विश्व स्तर पर मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा घोषित, यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र के सिद्धांतों को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

# यातायात उल्लंघन के लिए ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में पुलिस यातायात उल्लंघन के मामलों में वृद्धि के कारण ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई कर रही है। पिछले एक साल में 1,000 से अधिक लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। पुलिस के पास किसी भी यातायात उल्लंघन के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) को लाइसेंस निलंबन की सिफारिश करने का अधिकार है। सबसे आम अपराधों में शराब पीकर गाड़ी चलाना, दुर्घटना के परिणामस्वरूप मृत्यु, ओवरस्पीडिंग, लापरवाही से गाड़ी चलाना, एकतरफा सड़कों पर गलत दिशा में गाड़ी चलाना और यातायात नियमों का बार-बार उल्लंघन करना शामिल है। उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर निलंबन अवधि अलग-अलग होती है, न्यूनतम एक महीने और अधिकतम छह महीने। आरटीओ पुलिस की सिफारिश के आधार पर नोटिस जारी करता है और फिर लाइसेंस निलंबित कर देता है। 2023 में, मेंगलूरु पुलिस आयुक्तालय ने 1,400 ड्राइविंग लाइसेंसों के निलंबन की सिफारिश की, जबकि अगस्त 2024 तक 900 लाइसेंसों के निलंबन की सिफारिश की गई। दक्षिण कन्नड़ पुलिस के अधिकार क्षेत्र में, 2023 में 285 लाइसेंसों के निलंबन की सिफारिश की गई, जिसमें अगस्त 2024 तक 197 लाइसेंसों के निलंबन की सिफारिश की गई। उडुपी जिले में, पुलिस ने 2023 में 188 लाइसेंसों को निलंबित करने की सिफारिश की, जिनमें से सभी को निलंबित कर दिया गया। जून 2024 तक, 92 लाइसेंसों को निलंबित करने की सिफारिश की गई, जिनमें से 89 पहले ही निलंबित हो चुके हैं। मेंगलूरु आरटीओ सीमा के अंतर्गत, 2021-22 में 456 लाइसेंस, 2022-23 में 225 और 2023-24 में 90 लाइसेंस निलंबित किए गए। इनमें से 62 निलंबन शराब पीकर गाड़ी चलाने के लिए थे। निलंबन के लिए अभी भी 1,150 मामले लंबित हैं। पुत्तूर आरटीओ सीमा में, 2023-24 में 127 लाइसेंस निलंबित किए गए, और अगस्त 2024 तक 50 निलंबित किए गए, जबकि 110 और लंबित हैं। बंटवाल में, 2023-24 में 125 लाइसेंस निलंबित किए गए, और 2024-25 वित्तीय वर्ष में अब तक 53 लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं।

## लोहे की रॉड गिरने से घायल पुलिसकर्मी की मौत

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।**

शहर में कोर्ट सर्किल के पास चल रहे फ्लाईओवर के काम के दौरान सिर पर लोहे की रॉड गिरने के बाद केएमसीआरआई अस्पताल में इलाज करा रहे उपनगरीय पुलिस स्टेशन के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) नाभिराज दयानवर (59) की रविवार तड़के मौत हो गई। धारवाड़ के पास सत्तूर के राजाजीनगर निवासी एएसआई दयानवर 10 सितंबर को दोपहिया वाहन से ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी उनके सिर पर लोहे की रॉड गिर गई। रॉड उनके हेलमेट में घुसने और उनके मस्तिष्क को गंभीर रूप से घायल करने के बाद उनके मस्तिष्क में गंभीर चोट आई और वे बेहोश हो गए। केएमसीआरआई अस्पताल में उनके स्वास्थ्य की निगरानी के लिए पांच न्यूरोसर्जन की एक विशेष टीम बनाई गई थी। लेकिन, पांच दिन बाद उनकी मौत हो गई। उपनगरीय पुलिस स्टेशन में जंडू कंपनी के तीन निदेशकों सहित 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसे उक्त फ्लाईओवर के निर्माण का टेंडर दिया गया था। घटना के मद्देनजर जिला प्रशासन ने काम को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है।

### कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन को जेलर की चेतावनी

# सुविधाओं को लेकर अभिनेता ना करें किसी प्रकार का हंगामा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
बेल्लारी जेल के जेलर ने कन्नड़ अभिनेता दर्शन को चेतावनी दी है कि वह जेल के अंदर उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर कोई हंगामा न करें। जेलर ने कथित तौर पर अभिनेता से कहा अगर आप इस अहंकारी और जिद्दी रवैये को जारी रखेंगे तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। सूत्रों ने कहा कि दर्शन अक्सर जेल कर्मचारियों के साथ सुविधाओं को लेकर बहस करते हैं, क्योंकि जेलर ने उन्हें बताया कि वे केवल वही प्रदान कर सकते हैं जो जेल के अंदर उपलब्ध है और उन्हें सलाह दी कि अगर उन्हें अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता है तो वे अदालत में याचिका दायर करें। जेलर ने दर्शन को यह भी याद दिलाया कि अदालत हिरासत में उनके व्यवहार और जेल के नियमों के पालन पर बारीकी से नजर रख रही है। जेलर ने कथित तौर पर उनसे कहा कि जेल अधिकारियों के साथ सहयोग करने के बजाय दर्शन अनुशासनात्मक मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं। दर्शन को पारिवारिक बैठक के लिए लाए जाने पर मीडिया और अपने परिवार की ओर अनुचित इशारे करते हुए भी पाया गया। इसके अलावा, उन्होंने अपनी पसंद का टेलीविजन मांगा। उन्होंने कहा कि जेल में दर्शन की निराशा बढ़ती जा रही है, क्योंकि उसकी जमानत याचिका अभी तक अदालत में पेश नहीं की गई है।

आम तौर पर हत्या के आरोपियों को 90 दिन या चार्जशीट दाखिल होने के बाद जमानत दी जाती है। हालांकि, दर्शन के मामले में, चार्जशीट दाखिल करने के समय बेंगलूरु जेल के अंदर उन्हें आलीशान इलाज दिए जाने की तस्वीरें सामने आने के बाद, जमानत याचिका में देरी हुई। हाल ही में, उन्हें बेल्लारी जेल में मीडिया की ओर इशारा करते देखा गया। दर्शन की पार्टनर और फैन मर्डर केस की मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा ने हाईकोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली है। उनके वकील ने जोरदार तरीके से तर्क दिया था कि कोर्ट को जमानत देते समय उनकी महिला और सिंगल मदर होने की स्थिति पर विचार करना चाहिए। अदालत ने प्रशंसक हत्या मामले में दर्शन, उनकी साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 17 सितंबर तक बढ़ा दी है। बेंगलूरु पुलिस ने हाल ही में अपने प्रशंसक रेणुकास्वामी के अपहरण और हत्या के सिलसिले में दर्शन और अन्य आरोपियों के खिलाफ अदालत में 3,991 पन्नों का आरोप पत्र पेश किया है। दर्शन, पवित्रा गौड़ा और उनके साथी 8 जून को बेंगलूरु में दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी की जघन्य हत्या के लिए कठघरे में हैं। रेणुकास्वामी को उनके गृहनगर चित्रदुर्ग से अगवा कर बेंगलूरु लाया गया, एक शेड में रखा गया और उसे यातनाएं देकर मार डाला गया। उसकी मौत के बाद उसके शव को नहर में फेंक दिया गया। यह घटना तब प्रकाश में आई जब एक निजी अपार्टमेंट बिल्डिंग के सुरक्षाकर्मियों ने शव को कुत्तों के झुंड द्वारा घसीटते हुए देखा।

# बैरिकेड फांदकर विधानसौधा के मंच पर पहुंचा अजनबी, हंगामा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर एक अजनबी बैरिकेड फांदकर उस मंच में घुस गया, जहां मुख्यमंत्री समेत गणमान्य लोग मौजूद थे, जिससे बड़ी चिंता पैदा हो गई और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे।

कार्यक्रम के लिए विधान सौधा के पूर्वी प्रवेश द्वार पर सीढ़ियों पर एक विशाल मंच बनाया गया था। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा भाषण दे रहे थे। इसी समय आसमानी रंग की शर्ट और खाकी रंग की पतलून पहने, कन्नड़ शॉल ओढ़े एक आदमी अचानक सार्वजनिक दीर्घा से मंच पर दाखिल हुआ और ऊंचे मंच पर चढ़ने के लिए छलांग लगा दी। अंगरक्षक तुरंत जाग गए और शुरू में अज्ञात व्यक्ति को रोक दिया ताकि वह मंच पर मौजूद गणमान्य व्यक्तियों के पास न जा सके। इस दौरान उस शख्स ने अपने हाथ में मौजूद शॉल को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, विधानसभा अध्यक्ष बसवराज होराट्टी, विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी, मंत्री प्रियांक खड़गे, केजे जॉर्ज, दिनेश गुंडूराव की ओर फेंक दिया। इसे मंच पर मौजूद कुछ अधिकारियों ने रोक दिया।

अचानक एक अज्ञात व्यक्ति अंदर आया और एक पल के लिए चौंकाने वाला हंगामा खड़ा कर दिया। इस समय मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मंच पर कुछ कागज देख रहे थे। इसलिए उन्हें मंच पर आए व्यक्ति को पहचानने में समय लग गया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति को पकड़ लिया और घसीटते हुए ले गयी। पुलिस ने तुरंत उस अजनबी को हिरासत में ले लिया। अजनबी के हाथ में एक शॉल के अलावा और कोई चीज नहीं मिली। स्टाफ ने उस व्यक्ति का शॉल उतारकर सिद्धरामैया के सामने रख दिया। इसके बाद बंदूकधारियों ने इसे उठा लिया। घसीटते समय अज्ञात व्यक्ति ने जो शॉल ओढ़ा था वह भी गिर गया। इस घटना ने एक पल के लिए सभी को रहस्य में डाल दिया कि इस तरह की घटना विधान सौधा के सामने हुई, जो एक उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है। अजनबी की गिरफ्तारी के बाद कार्यक्रम जारी रहा और माहौल में कोई अशांति नहीं थी।

# तथ्यान्वेषी समिति आज नागमंगला का करेगी दौरा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री अश्वथ नारायण ने रविवार को कहा कि भाजपा की तथ्यान्वेषी समिति सोमवार को नागमंगला का दौरा करेगी। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने मेरे नेतृत्व में एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया है, जिसमें पूर्व मंत्री और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बैरती बसवराज, पूर्व मंत्री के.सी. नारायण गौड़ा, भाजपा राज्य सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी भास्कर राव शामिल हैं। नागमंगला में गणेशोत्सव के दौरान हुए दंगे में गृह विभाग पूरी तरह विफल रहा है। शुरुआत में तो उन्होंने ऐसा बयान दिया जैसे कुछ था ही नहीं। बाद में इंटेलिजेंस प्रमुख का तबादला कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया और कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफलता नागमंगला घटना के माध्यम से प्रकट हुई। उन्होंने बताया कि ऐसा संदेह है कि इसके पीछे केरल के लोग और एसडीपीआई हैं। विनायक का चतुर्थी कार्यक्रम, जो हमारी संस्कृति है, देश की ताकत को मजबूत करेगा। ऐसे में गृह विभाग रुकावट का समर्थन कर रहा है और अनावश्यक परेशानी पैदा कर रहा है। यह सरकार एक वर्ग और एक धर्म तक सीमित होकर काम कर रही है। कई जगहों पर गणेश जी की मूर्ति रखने की इजाजत नहीं है। जुलूस छोटा कर दिया गया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि गणेश मूर्ति को ही फ्रीडम पार्क में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने आलोचना की कि जिस दिन से कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में सत्ता में आई है, वह राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रही है। सैकड़ों घटनाएँ सामने आ रही हैं। उन्होंने उन पर तुष्टिकरण के प्रभाव, प्रशासन पर नियंत्रण और स्पष्टता की कमी के कारण समाज में भ्रम, भय और असंतोष का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया।

# मेंगलूरु और उडुपी में अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाया

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के तहत जिला प्रशासन ने दक्षिण कन्नड़ जिले में 130 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई। मानव श्रृंखला मुक्का से कन्नूर तक एमसीसी की सीमा में फैली हुई थी, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्रों और कई संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया। कादरी में आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुगिलन ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। प्रतिभागियों में सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, महापौर सुधीर शेट्टी कन्नूर, एमएलसी मंजूनाथ भंडारी, उप महापौर सुनीता और मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन के विपक्षी नेता प्रवीणचंद्र अल्वा सहित अन्य शामिल थे। इस बीच, उडुपी जिले ने अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 107 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला का सफल आयोजन करके इतिहास रच दिया। बिंदूर शिरूर टोल गेट से लेकर काउप हेजामाडी टोल गेट तक फैले इस कार्यक्रम में जिला और तालुक स्तर के अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों, छात्रों और विभिन्न संगठनों के सदस्यों सहित 1 लाख से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। जिला आयुक्त डॉ. विद्याकुमारी के नेतृत्व में संविधान की प्रस्तावना के पाठ ने लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों में रोटरी, लायंस, रेड क्रॉस और सहकारी समितियों जैसे संगठनों के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय सांस्कृतिक मंडलियाँ और शैक्षणिक संस्थान शामिल थे। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण 500 मीटर लंबा भारतीय और कर्नाटक ध्वज का प्रदर्शन था, जिसे मारवंथे, कुंदापुर और किन्निमुल्की जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फहराया गया और पूरे तमाशे को ड्रोन द्वारा कैप्चर किया गया।

### अब राज्यपाल ने भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे

# अधिकारियों के खिलाफ कांग्रेस सरकार द्वारा दी गई अभियोजन स्वीकृति का मांगा ब्यौरा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार और राजभवन के बीच चल रहे विवाद में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मई 2023 से भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे अधिकारियों के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दी गई अभियोजन स्वीकृति का ब्यौरा मांगकर राज्य सरकार पर एक और हमला बोला है। 5 सितंबर को मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को भेजे गए एक पत्र में राज्यपाल ने अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे लोकायुक्त के अनुरोध के आधार पर राज्य सरकार द्वारा दी गई अभियोजन स्वीकृति के बारे में जानना चाहा। उन्होंने मुख्य सचिव को 20 मई 2023 के बाद सरकार के समक्ष आए मामलों का ब्यौरा देने के लिए एक प्रारूप भी दिया है, जब कांग्रेस सरकार बनी थी। उन्होंने कैबिनेट की सिफारिश, प्रस्तुत करने की तिथि, कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय, स्वीकार किए जाने पर दंड की प्रकृति और अस्वीकार किए जाने पर अस्वीकृति के कारणों का ब्यौरा मांगा है। राज्यपाल के पत्र के आधार पर कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सतर्कता प्रकोष्ठ ने 10 सितंबर को सभी विभाग प्रमुखों से लोकायुक्त द्वारा अभियोजन की मंजूरी के लिए किए गए अनुरोध का ब्यौरा तत्काल प्रस्तुत करने को कहा है। विभागों को ब्यौरा प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है, जो इस सप्ताह समाप्त हो जाएगा। राज्यपाल के इस कदम को कांग्रेस सरकार को घेरने की एक और रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के नेताओं के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगी थी, जिसमें केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, पूर्व मंत्री और भाजपा नेता जी. जनार्दन रेड्डी, शशिकला जोले और मुरुगेश निरानी शामिल थे, जो राज्यपाल के समक्ष लंबित थे। कैबिनेट के निर्णय और बाद में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन से पहले राज्यपाल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी थी, जो मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में साइटों के वितरण में कथित अनियमितताओं के आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिसमें उनकी पत्नी पार्वती लाभार्थी हैं।

***मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कन्नड़ भुवनेश्वरी संघ, बन्नूर की ओर से अभियंता दिवस मनाते हुए सर विश्वेश्वरैया की 163 वीं जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्य अतिथि ने विश्वेश्वरैया के माध्यम से किए गए जनहित कार्यों का उल्लेख किया। इस मौके पर संघ अध्यक्ष हरीश गौड़ा, सचिव मुरली, कोषाध्यक्ष होनेश, सदस्य सुरेश, महेश, डॉ. शालिनी, डॉ. सिद्धरामू, राम स्वामी, नागराजू, मिठलेश सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यरो।** गोविंदराज नगर में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित श्री गौरी गणेश उत्सव कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक प्रिया कृष्णा एवं समाजसेवी महेंद्र मुणोत शामिल हुए।*

# भाजपा विधायक मुनिरत्ना की गिरफ्तारी पर राजनीति न करें: डीके सुरेश

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
विपक्ष से जातिगत दुर्व्यवहार और आपराधिक धमकी के आरोप में पूर्व मंत्री मुनिरत्ना की गिरफ्तारी के मुद्दे का राजनीतिकरण न करने का आग्रह करते हुए, पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने रविवार को इस बात से इनकार किया कि गिरफ्तारी नफरत की राजनीति का नतीजा है। हममें से किसी ने भी मुनिरत्ना को अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने और कमीशन मांगने के लिए नहीं सिखाया था। महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली भाषा को कोई भी बर्दाश्त नहीं कर सकता।

हम ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं कर सकते जो जातियों के बीच हिंसा को भड़काते हैं और समुदायों को नीचा दिखाते हैं। हालांकि यह घटना एक खुली किताब की तरह है, लेकिन कुछ विपक्षी नेता इस घटना को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष के नेता आर. अशोक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री को राजनीतिक बदला लेने के लिए गिरफ्तार किया गया है, सुरेश ने कहा राजनीति और नफरत के बीच क्या संबंध है? किसी ने उन्हें गाली देने के लिए नहीं कहा था। हमें शिकायत दर्ज होने के बाद ही घटना के बारे में पता चला। पुलिस ने अब मुनिरत्ना को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी विवरण जांच के बाद पता चलेगा। जब मुनिरत्न द्वारा लगाए गए इस आरोप पर कि सुरेश उनकी गिरफ्तारी के पीछे हैं, उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई तो बेंगलूरु ग्रामीण के पूर्व सांसद और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाई ने कहा जैसा कि आपने देखा है, मैं किसी भी चीज में हिस्सा नहीं ले रहा हूँ। मुझे इस मुद्दे के बारे में पता भी नहीं है और मैं जानना भी नहीं चाहता। मैंने लोगों (मतदाताओं) के फैसले का सम्मान किया है और मैं जो भी कर रहा हूँ, उसमें लोगों की मदद कर रहा हूँ।

### कुख्यात नक्सली विनोद मिश्रा के खिलाफ एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

# प्रतिबंधित संगठन को फिर से सक्रिय करने में लगा था

**नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन सीपीआई (माओवादी) को मगध क्षेत्र में फिर से खड़ा करने के मामले में कुख्यात नक्सली विनोद मिश्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने शनिवार को बताया कि विनोद मिश्रा नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और उत्तर क्षेत्र ब्यूरो प्रमुख प्रमोद मिश्रा उर्फ सोहन दा उर्फ बनवारी जी उर्फ बीबी जी उर्फ बाबा का करीबी और रिश्तेदार है।

विनोद कुमार मिश्रा को भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत पूरक आरोपपत्र में नामित किया गया है। एनआईए ने अपने एक बयान में कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि आरोपी विनोद मिश्रा ने मगध क्षेत्र (बिहार के गया और औरंगाबाद क्षेत्र) में प्रतिबंधित संगठन को पुनर्जीवित और मजबूत करने की कोशिश की। इसके अलावा, इसके लिए उसने अपनी नापाक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर पर कई बैठकें

भी आयोजित की थी। उसने नक्सल नेताओं और कैडरों को अपने घर में आश्रय दिया और उन्हें रसद आदि की सहायता भी प्रदान की थी। इसके अलावा, ये सभी भारत विरोधी विध्वंसक गतिविधियों में शामिल थे। विनोद मिश्रा गिरफ्तार प्रमोद मिश्रा का रिश्तेदार है।

एनआईए की जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी और अन्य संदिग्ध सीपीआई (माओवादी) की भारत विरोधी विचारधारा का प्रचार करने में लगे हुए थे और मगध क्षेत्र में संगठन को पुनर्जीवित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कैडर की भर्ती और लेवी एकत्र करने की प्रक्रिया में भी थे। इसका उद्देश्य भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करना था। दरअसल, यह मामला (आरसी-26/2023/एनआईए) केस में प्रतिबंधित संगठन के दो शीर्ष नक्सली नेताओं- प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव की गिरफ्तारी से शुरू हुआ था। बिहार पुलिस ने 10 अगस्त 2023 को विनोद मिश्रा के घर से ही प्रमोद मिश्रा को गिरफ्तार किया था। उस वक्त विनोद मिश्रा फरार हो गया था। इस मामले में तब पुलिस ने टेकारी थाना में मामला दर्ज किया था।

इन नक्सली नेताओं की गिरफ्तारी के समय उनके पास से विभिन्न नक्सली साहित्य, हस्तलिखित पत्र और सात मेमोरी कार्ड जब्त किए गए थे। जब्त किए गए मेमोरी कार्ड में नक्सली गतिविधियों से संबंधित विभिन्न तस्वीरें, पत्र, पत्राचार और साहित्य शामिल थे। इस मामले को एनआईए ने अक्टूबर 2023 में अपने हाथ में ली और प्रमोद मिश्रा समेत तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इन आरोपियों में प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव उर्फ अंकुश उर्फ लवकुश के साथ विनोद मिश्रा भी शामिल था। फरवरी 2024 में एजेंसी ने प्रमोद मिश्रा और सीपीआई (माओवादी) के सब-जोनल कमिटी सदस्य अनिल यादव के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अब तक गिरफ्तारी से बच रहे विनोद मिश्रा को 20 मार्च 2024 को झारखंड के धनबाद से गिरफ्तार किया गया था।

# हिमाचल में अवैध मस्जिद हटवाने के लिए हिंदू एकजुट

**शिमला, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** हिमाचल प्रदेश के संजौली मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। शिमला में हिंदुओं के प्रदर्शन के बाद अब इसी राज्य के कुल्लु में भी धरना दिया गया है। इस दौरान सड़क पर हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारी पूरी मस्जिद को ही अतिक्रमण बता कर इस पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इसी के साथ इस मस्जिद के खिलाफ सुन्नी, पांवटा साहिब, हमीरपुर और बिलासपुर में भी प्रदर्शन हुए हैं।

शनिवार की सुबह ही कुल्लू में हिंदू संगठन से जुड़े सदस्य सड़क पर उत्तर आए। उन्होंने शिमला में प्रदर्शनकारी हिंदुओं के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। प्रदर्शनकारी हिंदुओं का आरोप है कि संजौली की पूरी मस्जिद ही अतिक्रमण कर के बनाई गई है। उन्होंने मांग की है कि पूरी मस्जिद को ही हटाया जाए। धरने की सूचना पर फ़ौरन ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। इस बीच हिंदू संगठन के लोग हनुमान चा-लीसा का पाठ करने लगे। हालांकि अंत में धरना बिना किसी विवाद के शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता प्रशांत पटेल उमराव ने इस प्रदर्शन की एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने दावा है कि न सिर्फ शिमला और कुल्लू बल्कि सुन्नी, बिलासपुर, हमीरपुर और पांवटा साहिब में भी अवैध मस्जिदों के विरुद्ध हिंदू प्रदर्शन कर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश की अवैध इबादतगाहों के खिलाफ सामूहिक एकजुटता दिखाते हुए व्यापारी वर्ग ने भी इन प्रदर्शनकारियों के पक्ष में आवाज उठाई है। प्रदेश के कई हिस्सों में सांकेतिक रूप से बाजारों को 3 घंटों के लिए बंद रखा गया। इस बंद का सबसे ज्यादा असर सुन्नी कस्बे में देखने को मिला है। यहां बाजार पूरी तरह से बंद हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस और वहां के मुख्यमंत्री ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

### जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा

# तेजस्वी यादव राजनीति के अभिषेक बच्चन हैं

**पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव को राजनीति का अभिषेक बच्चन बताया। प्रशांत किशोर ने खुद को संघर्षों से निकल कर आगे बढ़ने वाला शाहरुख खान बताया। प्रशांत किशोर के इस बयान से बिहार की राजनीति में सरगर्मी मची है। प्रशांत ने कहा, तेजस्वी की पहचान सिर्फ यही है कि वे लालू जी के बेटे हैं। तेजस्वी को तो जीडीपी और जीडीपी विकास दर में भी फर्क नहीं पता और यह बिहार का दुर्भाग्य है।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर इस वक्त बिहार की राजनीति में एक नया चेहरा बनकर उभरे हैं। इस वक्त वो राज्य में पैदल यात्राएं और सभाएं भी कर रहे हैं। जिसमें वो कई तरह के वादे और दावे करते हुए नजर आते हैं। इसी बीच प्रशांत किशोर ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है तो वह एक घंटे के भीतर ही बिहार में शराबबंदी खत्म कर देंगे। पीके ने यह बातें मीडिया से बात करते हुए कहीं।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत

किशोर ने कहा कि शराबबंदी का फैसला नीतीश कुमार की तरफ से एक ढकोसला है। उन्होंने मौजूदा शराबबंदी की आलोचना की। साथ ही कहा कि यह अप्रभावी साबित हुई है। पीके ने कहा कि शराबबंदी की वजह से अवैध घरेलू शराब का वितरण बढ़ गया है। जिसकी वजह से बिहार को 20,000 करोड़ रुपए के संभावित उत्पाद शुल्क राजस्व से वंचित होना पड़ा है। किशोर ने राजनेताओं और नौकरशाहों पर भी अवैध शराब व्यापार से लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे काबिलियत की राजनीति पर भरोसा करते हैं। शराबबंदी पर बोलने से बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाएंगे।

इस दौरान प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर भी तंज कसा। पीके ने तेजस्वी की तुलना अभिषेक बच्चन और खुद को शाहरुख बताते हुए की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की भी पहचान सिर्फ यह है कि वह लालू जी के बेटे हैं। तेजस्वी को तो जीडीपी और जीडीपी विकास दर में भी फर्क नहीं पता और यह बिहार का दुर्भाग्य है। पीके ने कहा कि ज्ञान और बुद्ध की धरती पर हमने अनपढ़ और बदमाश लोगों को अपना नेता बना रखा है, लेकिन जिस तरह से शाहरुख खान ने बॉलीवुड में अपना रास्ता और अपनी पहचान खुद बनाई है, उसी तरह राजनीति में प्रशांत किशोर ने अपनी पहचान खुद बनाई है, इसलिए हमारा रास्ता सीधा नहीं है। जन सुराज के सूत्रधार ने कहा कि अब जनता को तय करना है कि उनको भरोसा उन पर करना है जिसने अपनी बुद्धि और मेहनत से अपने लिए रास्ता बनाया है या उन पर जो अपने बाबू जी (पिता) के नाम से आगे बढ़े हैं। अभी हाल ही में प्रशांत किशोर ने मंच से ऐलान किया था कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में कम से कम 40 मुसलमान उम्मीदवारों को टिकट देगी।

# शोभायात्रा पर जामा मस्जिद के अंदर से पत्थरबाजी

**भीलवाड़ा, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** राजस्थान के भीलवाड़ा में राम रेवाड़ी की शोभायात्रा पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा पथराव किया गया, जब शोभायात्रा मस्जिद के सामने से गुजर रही थी। भीलवाड़ा के जहाजपुर में राम रेवाड़ी की शोभायात्रा के दौरान जामा मस्जिद के बाहर अचानक पथराव होने से माहौल तनावपूर्ण हो गया।

भीलवाड़ा के जहाजपुर में शनिवार 14 सितंबर को यह घटना तब हुई, जब शोभायात्रा भगवान के बेवाण किले से आ रही थी। शोभा यात्रा जैसे ही जामा मस्जिद के पास पहुंची, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए।

घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया और प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए मौके पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान शहर के बाजार भी बंद हो गए। इस मामले में 10 पत्थरबाजों को गिरफ्तार किया गया है, जो मस्जिद के अंदर से पत्थरबाजी कर रहे थे।

घटना की जानकारी मिलने पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के साथ धरने पर बैठ गए। उन्होंने जामा मस्जिद को अवैध बताते हुए इसे बुलडोजर से तोड़ने की मांग की। इसके बाद नगर पालिका ने जामा मस्जिद को स्वामित्व

और निर्माण स्वीकृति संबंधी दस्तावेज पेश करने के लिए 24 घंटे का नोटिस जारी किया। देर रात तक ये धरना चला और प्रशासन से 3 दौर की वार्ता के बाद धरना समाप्त हुआ।

रात में नगर पालिका ने बस स्टैंड के पास मुस्लिमों की कुछ केबिनों को अतिक्रमण मानकर जेसीबी से हटवा दिया। इस दौरान बाईपास के पास दो केबिनों को कुछ युवाओं द्वारा आग के हवाले कर दिया गया। इससे माहौल और अधिक बिगड़ गया, लेकिन पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से स्थिति नियंत्रण में रही। शाहपुरा एसपी राजेश कांवट ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि कस्बे के हालात तनावपूर्ण जरूर हैं, लेकिन नियंत्रण में हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

रात में जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत, एसपी राजेश कांवट, और अजमेर के आईजी ओमप्रकाश भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया और निर्देश दिए कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जाए। विधायक गोपीचंद मीणा ने देर रात सोशल मीडिया पर धरना समाप्त करने की घोषणा की और बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मामले की जानकारी दे दी गई है। अब जिला प्रशासन सीएमओ के निर्देशन में कार्रवाई करेगा।

# एक्सप्रेस-वे के खराब रखरखाव पर इंजीनियरों पर कार्रवाई

### ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना

**नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार ने सड़कों की मरम्मत एवं रख-रखाव के मामले में लापरवाही बरतने वाले चार इंजीनियरों ऐक्शन लिया है और ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पिछले दिनों अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर और दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे की बदहाली की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने इसका संज्ञान लिया था।

पिछले दिनों अलवर में दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में एक्सप्रेस-वे पर चल रही एक

कार सड़क में खामियों के कारण हवा में उछलती हुई दिखाई दी थी। इसके अलावा, कई जगहों की तस्वीरें भी लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल की थी। इस मामले में एनएचएआई ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश पर इस मामले की जांच की गई। इसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। एनएचएआई ने कहा कि वक्त रहते खामियों को दूर न करने के मामले में ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

इसके अलावा, निर्माण कार्य की ठीक से देखभाल नहीं करने और अपने काम में लापरवाही के चलते एनएचएआई के इंजीनियर के टीम लीडर-कम-रेजिडेंट इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया गया है। इसके साथ ही संबंधित साइट इंजीनियर को भी बर्खास्त कर दिया गया है। संबंधित पीडी और मैनेजर (टेक) को भी इन खामियों के लिए कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

सुपर एक्सप्रेस-वे कहलाने वाले अलवर में दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियां 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती हैं। हालांकि, निर्धारित सीमा से भी अधिक रफ्तार से गाड़ियां दौड़ती हैं। लेकिन, यहां सड़कों की बैलेंसिंग सही नहीं है। कहीं उबड़-खाबड़ है तो कहीं गड्ढे बन गए हैं। कहीं गिट्टी फैली है तो कहीं कुछ। इसके कारण इस क्षेत्र में सड़क हादसे भी खूब होते हैं। इतना ही नहीं, इन एक्सप्रेस-वे के प्रभावित हिस्से की अस्थायी मरम्मत कराया गया है। इसके साथ ही आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञ प्रोफेसर केएस रेड्डी और आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर जीवी राव को एक्सप्रेस-वे को हुई इस क्षति का कारण पता करने के लिए कहा गया है। वहीं, दिल्ली का श्रीराम इंस्टीट्यूट इसके नमूने एकत्र करके उनकी जांच करेगा।

### मेरठ में तीन मंजिला मकान गिरा

# पांच बच्चों समेत दस की मौत

**मेरठ, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** कई दिनों से लगातार पड़ रही बारिश के दौरान शनिवार को मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। लगभग 50 साल पुराना तीन मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया।

एक ही परिवार के 15 लोग और दर्जनों मवेशी मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद एडीजी से लेकर जिले के तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। महिलाओं और पांच बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच को अस्पताल भेजा गया।

जाकिर कॉलोनी गली नंबर सात में नफ्फो उर्फ नफीसा का 300 गज में तीन मंजिला मकान है। बताया गया कि यह मकान लगभग 50 साल पुराना था। ग्राउंड फ्लोर पर नफ्फो के बेटे डेयरी चलाते थे। जबकि, ऊपर की दो मंजिलों पर नफ्फो के बेटे साजिद, उसकी पत्नी सायमा, नईम और उसकी पत्नी अलीशा, बेटी रिमशा, नदीम और उसकी पत्नी फरहाना, बेटा हमजा, शाकिर और उसकी पत्नी साहिबा समेत 15 लोग रहते थे।

क्षेत्रवासियों के मुताबिक शनिवार शाम करीब 4:30 बजे यह मकान अचानक भरभरा कर जमींदोज हो गया। तेज धमाके के साथ इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई और चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। जानकारी के बाद थाना पुलिस से लेकर एडीजी ध्रुवकांत ठाकुर, आईजी नचिकेता झा, कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे, डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताडा सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची।

पुलिस ने क्षेत्रवासियों की मदद से मलबे को हटाने का काम शुरू किया। संकरी गलियों के चलते जेसीबी और एंबुलेंस भी मौके पर नहीं पहुंच सकी। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को रविवार सुबह तक निकाला गया। जबकि उसके बाद करीब 30 मवेशियों को निकालने का काम शुरू किया गया। इस हादसे में पांच बच्चों समेत करीब दस लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों को अस्पताल भेजा गया।

हादसे में मरने वालों में 1. साजिद (40) पुत्र अलाउद्दीन, 2. सानिया (15) पुत्री साजिद, 3. सिमरा (डेढ़ साल) पुत्री शहजाद, 4. साकिब (11) पुत्र साजिद, 5. रीजा (7) पुत्री साकिब, 6. नफीसा उर्फ नफ्फो (63) पत्नी अलाउद्दीन, 7. फरहाना (20) पत्नी नदीम, 8. अलीशा (18) पत्नी नईम, 9. आलिया (6) पुत्री आबिद, 10. रिमसा (पांच माह) पुत्री नईम शामिल हैं। घायलों में 1. नईम (22) पुत्र अलाउद्दीन, 2. नदीम (26) पुत्र अलाउद्दीन, 3. साकिब (20) पुत्र अलाउद्दीन, 4. सायना (38) पत्नी साजिद और 5. सोफियान (6) के नाम आए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोख व्यक्ति किया और अधिकारियों को त्वरित राहत कार्य का निर्देश दिया।

### महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि

# भारत ने दिया है जियो और जीने दो का सच्चा लोकतंत्र: योगी

**भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही चल रहा लोकतंत्र: हरिवंश**

**गोरखपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में जब सभ्यता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति आग्रह नहीं था तब भारत मे सभ्यता, संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्य चरम पर थे। भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लेकर अर्वाचीन काल तक लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी का हरण करना या किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना सर्वे भवंतु सुखिनः की रही है। इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के संकल्प में दिखता है। हमारी ऋषि परंपरा जियो और जीने दो की रही है क्योंकि यही सच्चा लोकतंत्र है और इस मूल्यपरक लोकतंत्र को किसी और ने नहीं बल्कि भारत ने दिया है।

सीएम योगी रविवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन लोकतंत्र की जननी है भारत विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र को लेकर वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारतकालीन अनेक उद्धरण देखने को मिलते हैं। भारत के लोकतंत्र में प्राचीन समय से लेकर आज तक जनता की आवाज और जनता के हित को ही सर्वोपरि रखा गया है। भारतीय सभ्यता में हमेशा ही यह कहा गया है कि प्रजा का सुख ही राजा का दायित्व है। रामायण काल में भगवान श्रीराम ने भी अक्षरशः जनता की आवाज को महत्व दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी खुद को कभी राजा नहीं समझा। उनके समय में वरिष्ठ व्यक्ति के नेतृत्व में गणपरिषद शासन का कार्य देखती थी। द्वारिका में जब अंतर्द्वंद्व प्रारंभ हुआ तब इस परिषद के सदस्य आपस में लड़कर मर-मिट गए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने परिषद के सदस्यों की दुर्गति पर कहा था कि राज्य के नियम प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से लागू होते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है। जबकि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन समय से ही गहरी रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत तब गुलाम हुआ जब लोकतंत्र की विरासत को संजोने में चूक हुई। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में निरंकुश राजा को सत्ताच्युत करने का अधिकार जनता के प्रतिनिधित्व वाले परिषद के पास होता था। लोकतंत्र में यह स्पष्ट है कि जनता का हित ही सर्वोच्च है। प्राचीन काल में देखें तो वैशाली गणराज्य इसका एक उदाहरण है जहां पूरी व्यवस्था जनता के हितों के लिए समर्पित थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी भारतीयों को अपने लोकतंत्र पर और लोकतांत्रिक मूल्यों पर चलकर तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र तभी तक सुरक्षित है जब तक हमारा संविधान सुरक्षित है। संविधान को पवित्र भावना से, जाति, मत, मजहब, क्षेत्र से ऊपर उठकर इसे सुरक्षित-संरक्षित रखने का दायित्व सभी लोगों को उठाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए आगे बढ़ेंगे तो हमारा लोकतंत्र और मजबूत-पुष्ट होगा।

मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के संस्कार पांच हजार वर्ष पुराने भारतीय मूल्यों से गढ़े गए हैं। सही मायने में भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही लोकतंत्र चल रहा है। हरिवंश ने कहा कि खुलकर अपनी बात रखना ही लोकतंत्र का यथार्थ है और यह मूल्य भारत की हजारों वर्षों की परंपरा में निहित रहे। भारतीय लोकतंत्र में जनता को हर प्रकार की आजादी के साथ खामी को भी ठीक करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी मूल्यों से प्रभावित लोगों ने ही भारतीय लोकतंत्र को आयातित समझने की भूल की है। इस भूल का कारण यह रहा कि भारतीय लोकतंत्र को यूनान को नजर से देखने की आदत डाली गई। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी मिलने के बाद कई विदेशी विद्वानों ने कहा था कि भारत में लोकतंत्र टिकेगा नहीं और आज उसका जवाब यह है कि अगले साल हम संविधान लागू होने का अमृत वर्ष मनाने जा रहे हैं। श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत अपने को लोकतंत्र की जननी के वास्तविक नजरिए से दुनिया के सामने पेश कर रहा है। पहले इस विषय पर चर्चा नहीं होती थी। आज भारत ने जी-20 सम्मेलन का माध्यम से इस पर बात की। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी भारतीय लोकतंत्र को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श को ऐसे आयोजनों से आगे बढ़ा रहे हैं।

राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में वेद, पुराण, उपनिषद की और ऋषियों की परंपरा के मूल्य थे। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म मार्गदर्शक की भूमिका में था इसलिए हमारे यहां आततायी शासकों का वर्णन नहीं मिलता है। राजा, देवता, जनता सभी धर्म से बंधे थे। भारत मे त्याग और नैतिकता की परंपरा रही है। इसीलिए, राजा सर्वशक्तिमान होकर भी स्वेच्छाचारी नहीं था। चक्रवर्ती सम्राट को भी धर्मदंड से चेतावनी दी जाती थी। हरिवंश ने कहा कि अब्राहम लिंकन द्वारा लोकतंत्र की परिभाषा देने से 2700 वर्ष पूर्व कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कहा गया है कि प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। अशोक के धौली शिलालेख में लिखा है, सारी प्रजा मेरी संतान है। यह सब लोकतंत्र के मूल्य ही तो हैं। अथर्ववेद में भी लोकतांत्रिक प्रणाली का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश इतिहासकार थॉमसन ने कहा था कि लंदन के हाउस ऑफ कॉमंस के नियम भारत की पुरानी सभाओं से लिए गए लगते हैं। जार्ज बर्नाड शॉ ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा था कि ग्रीक और रोम की सभ्यता मिट गई लेकिन भारत की सभ्यता, संस्कृति कैसे बची रही, यह रहस्यमय है। वास्तव में इसका सीक्रेट यह है कि भारत की सभ्यता और संस्कृति वेदों, पुराणों की है, ऋषियों की है। भारत की सभ्यता, संस्कृति पुराने मूल्यों से बची रही।

हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी इसलिए कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल से गांव स्तर तक लोकतंत्र सम्मत आत्मशासन की व्यवस्था थी। जनजातीय क्षेत्रों में भी लोकतांत्रिक मूल्यों वाली स्थानीय परिषदें थीं। भारत के भक्ति आंदोलन ने भी लोकतंत्र की अलख जगाकर इसे समृद्ध किया। राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में आजादी के बाद अब जाकर देश के अगले सौ साल का रोडमैप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बना है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक लाख युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया है। जबकि चीन ने 1947-48 में ही अपने लिए सौ साल की कार्ययोजना बना ली थी। सत्तर के दशक में चूक हुई और चीन हमसे पांच गुना आगे बढ़ गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रामराज की संकल्पना साकार करने वाला बताते हुए हरिवंश ने कहा कि रामराज की स्पिरिट योगी जी में दिखती है। समान रूप से सबको न्याय, सुरक्षा के पुरातन भारतीय मूल्य योगी जी की कार्यपद्धति में नजर आते हैं। राज्यसभा के उपसभापति ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि अतीत के महापुरुषों को याद करना भविष्य के लिए प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में इन दोनों गोरक्षपीठाधीश्वरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का जीवन भारतीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा।

सम्मेलन में विषय प्रवर्तन करते हुए उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द गुप्त ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक शासन की परंपरा अति प्राचीन है। भारत में लोकतंत्र का सिद्धांत वेदों से निकला है। लोकतंत्र का वर्णन ऋग्वेद और अथर्ववेद में भी मिलता है। ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार गणतंत्र शब्द का उल्लेख है। विश्व मे सबसे पहले कहीं लोकतंत्र के भाव का प्रादुर्भाव हुआ तो वह भारत ही है।

सम्मेलन को सवाई, आगरा के ब्रह्मचारी दास लाल और सुग्रीव क़िलाधीश अयोध्या के स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, अयोध्या से आए महंत सुरेश दास, कटक से आए महंत शिवनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, मिथिलेशनाथ, राममिलन दास, कर्नाटक से आए भयंकरनाथ, अहमदाबाद से आए कमलनाथ, रविंद्रदास आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# कानपुर में गंगा किनारे बनेगा रिवर फ्रंट

**कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** कानपुर में पिछले माह शहर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद 11 साल से प्रस्ताव में फंसी गंगा रिवर फ्रंट योजना को धरातल पर लाने के लिए अधिकारी फिर से सक्रिय हो गए हैं। 11 साल पहले आईआईटी की ओर से किए गए सर्वे को दोबारा उसी संस्थान से अध्ययन कराया जाएगा।

तब और अब में हुए परिवर्तन को देखते हुए योजना को मूर्तरूप देने की तैयारी है। अब गंगा रिवर फ्रंट चार किलोमीटर बढ़ाकर बैराज से किशनपुर तक विकसित किया जाएगा। जगह-जगह फूड हब-पिकनिक स्पॉट विकसित किए जाएंगे। 2013 में गंगा रिवर फ्रंट विकसित करने की योजना बनाई गई थी।

आईआईटी के सिविल डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओमकार दीक्षित ने विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों के सहयोग से इसे तैयार किया था। पर्यावरण, ट्रांसपोर्ट, हाइड्रोलिक स्टडी भी हुई थी। हाइड्रोलिक स्टडी में नदी की स्थिति, कटान, दबाव, गहरान, भविष्य में नदी के स्वरूप आदि का अध्ययन हुआ था।

गंगा रिवर फ्रंट को गंगा के किनारे-किनारे बैराज से जाजमऊ तक 12 किलोमीटर में विकसित होना था। योजना की अनुमानित लागत 103 करोड़ रुपए थी। बैराज और जाजमऊ में नए घाट, भैरोघाट, परमट घाट, सरसैया घाट, मेस्कर घाट, सिद्धनाथ घाट आदि के जीर्णोद्धार, कुछ स्थानों में पिकनिक स्पॉट, फूड हब, ग्रीनरी, पाथवे आदि विकसित किए जाने थे।

2013 में ही विश्वबैंक के तत्कालीन अध्यक्ष यहां आए तो उनके सामने तत्कालीन मंडलायुक्त शालिनी प्रसाद, आईआईटी के सिविल डिपार्टमेंट के तत्कालीन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओमकार दीक्षित, केडीए की तत्कालीन उपाध्यक्ष जयश्री भोज, तब के नगर आयुक्त एनकेएस चौहान, उच्च स्तरीय समग्र विकास समिति के समन्वयक नीरज श्रीवास्तव आदि ने गंगा रिवर फ्रंट योजना का प्रस्तुतिकरण किया था।

समन्वयक ने बताया कि विश्वबैंक के अध्यक्ष इस अध्ययन से काफी प्रभावित हुए थे। विश्व बैंक से वित्त पोषण के लिए राष्ट्रीय गंगा बेसिन अथॉरिटी (एनजीआरबी) के माध्यम से प्रस्ताव भेजा जाना था, पर कुछ वजहों से कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाई। 14 दिसंबर 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीएसए में राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक हुई थी। इस बैठक में दो राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सहित पांच राज्यों के मंत्री शामिल हुए थे। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा रिवर फ्रंट योजना की जानकारी ली थी, पर कार्रवाई रुकी थी।

29 अगस्त को मुख्यमंत्री ने जीआईसी मैदान में जनसभा को संबोधित करते समय गंगा रिवर फ्रंट योजना को विकसित करने का एलान किया था। इसके बाद कमिश्नर, डीएम, केडीए वीसी, नगर आयुक्त आदि अधिकारी सक्रिय हुए। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के अनुसार गंगा रिवर फ्रंट का अध्ययन 11 साल पहले हुआ था, तब अटल घाट नहीं था। कुछ अन्य परिस्थितियां भी परिवर्तित हुई हैं। इसलिए 13 सितंबर को कमिश्नर अमित गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में योजना की समीक्षा कराने का फैसला लिया गया। आईआईटी दोबारा सर्वे का अध्ययन करेगा। देखा जाएगा कि 11 साल पहले बनी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट में परिस्थितियों, एनजीटी के निर्देशों, जरूरत के हिसाब से क्या-क्या सुधार या संशोधन किया जा सकता है। इसके बाद गंगा रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा।

# सचिवालय के 60 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी आते हैं लेट

## 30 फीसदी लगाते ही नहीं बायोमीट्रिक हाजिरी

**लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश सचिवालय के 60 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी दफ्तर देरी से पहुंचते हैं। ये बात बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम के आंकड़ों से साफ हो रही है। दफ्तर आने का समय सुबह 9:30 बजे तय है, जबकि ज्यादातर कर्मचारी 10 बजे के बाद ही पहुंचते हैं। इसमें वे कर्मचारी भी शामिल हैं, जो बायोमीट्रिक हाजिरी लगाते हैं।नियम के मुताबिक, कर्मचारियों को सुबह 9:30 बजे ऑफिस पहुंचना चाहिए। ग्रेस पीरियड के तौर पर उन्हें 20 मिनट अतिरिक्त दिए जाते हैं। ऐसे में अगर वे सुबह 9:50 बजे तक कार्यालय में उपस्थित हो जाते हैं तो देरी नहीं मानी जाती है।

अब देखते हैं कि बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम के आंकड़े क्या बता रहे हैं? आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को 62.3 फीसदी कर्मचारी 10 बजे के बाद कार्यालय पहुंचे। बाकी दिन भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति रहती है। योगी सरकार ने सभी कर्मचारियों को समय पर दफ्तर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। इसके उलट सचिवालय के ज्यादातर कर्मचारी निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। समय की पाबंदी ही नहीं बायोमीट्रिक अटेंडेंस लगाने में भी कर्मचारी लापरवाही बरत रहे हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक, रोजाना करीब 30 फीसदी कर्मचारी बायोमीट्रिक अटेंडेंस की सुविधा का उपयोग ही नहीं करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि 13 सितंबर को कुल कार्यरत सक्रिय 4191 में से 2673 ने ही इस सिस्टम पर हाजिरी लगाई।

सचिवाल प्रशासन के प्रमुख सचिव के रवींद्र नायक का कहना है कि सचिवालय के सभी कर्मियों के लिए बायोमीट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य है। अगर कोई कर्मचारी महीने में लगातार चार बार लेट होता है तो एक दिन की छुट्टी लगाने का नियम है। जानबूझकर बायोमीट्रिक अटेंडेंस मशीन खराब करने के मामले भी आए हैं। सभी संबंधित अपर मुख्य सचिवों व प्रमुख सचिवों से रिपोर्ट लेकर देर से आने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

# गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस पर इस्लामी कट्टरपंथियों का हमला

**महोबा, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** महोबा जिले में गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई। यह घटना तब हुई जब गणेश मूर्ति का जुलूस मुस्लिम बाहुल्य कसौराटोरी इलाके से गुजर रहा था। जुलूस के दौरान आतिशबाजी में एक जलता हुआ पटाखा गलती से एक कच्चे मकान में गिर गया, जिससे विवाद शुरू हो गया। इसके तुरंत बाद, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने जुलूस पर पानी की बाल्टियां फेंकनी शुरू कर दीं और फिर पथराव भी होने लगा। इस कारण जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और मौके पर कई थानों की फोर्स को तैनात कर दिया। पुलिस ने दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, इस घटना के बाद हिंदू संगठनों ने गुस्से में आकर कोतवाली का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। यह घटना महोबा के शहर कोतवाली क्षेत्र के कसौराटोरी मोहल्ले की है। गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए निकाले जा रहे जुलूस में शामिल भक्त डीजे की धुन पर उत्सव मना रहे थे। जैसे ही जुलूस कसौराटोरी इलाके से गुजरा, आतिशबाजी के दौरान एक जलता पटाखा कच्चे मकान के अंदर गिर गया, जिससे विवाद की शुरुआत हुई। इसके बाद जुलूस में शामिल भक्तों पर पानी की बाल्टियां फेंकी गईं, जिससे दोनों पक्षों में टकराव और पथराव शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा, लेकिन गुस्साए हिंदू संगठन के कार्यकर्ता कोतवाली पहुंच गए और गिरफ्तारी की मांग करने लगे। उन्होंने कोतवाली का घेराव करते हुए जोरदार नारेबाजी की। संगठन के पदाधिकारी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे और देर रात तक कोतवाली में डटे रहे। पुलिस ने स्थिति को शांत करने के लिए दोनों पक्षों से बातचीत की और तनाव को कम करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया और इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज शिवहरे ने बताया कि गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान भक्तों पर पथराव करने की घटना से लोग बेहद आक्रोशित हैं।

### कालिंदी एक्सप्रेस तोड़फोड़ की साजिश का मामला

# अब रेल पटरियों की निगरानी करेंगे ट्रैक मित्र

**कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को बेपटरी करने की साजिश का पर्दाफाश करने को पुलिस पूरी ताकत से जुटी है। जांच का दायरा बढ़ाते हुए पुलिस ने घटना के दौरान एक्टिव मोबाइल नंबरों को खंगालना शुरू कर दिया है। शिवराजपुर और उसके आसपास तीन मोबाइल टॉवरों से पुलिस ने एक घंटे का डाटा उठाया है, जिसमें 50 हजार नंबर पुलिस के पास आए हैं। पुलिस इनमें से एक-एक कर नंबर व धारकों का सत्यापन कर रही है।

सीसीटीवी कैमरे की फुटेज अब उत्तरीपुरा से उठाए जा रहे हैं। मुड़ेरी मोड़ के आसपास के गांवों से पुलिस ने एक बार फिर आठ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। हालांकि अभी तक पुलिस के हाथ अहम जानकारी हाथ नहीं है। डीसीपी पश्चिम राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल टॉवरों से मिले डाटा की छंटनी की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस को नेवादा टोल प्लाजा से शिवराजपुर की तरफ एक लिंक रोड के बारे में जानकारी मिली। पता चला है कि इसका इस्तेमाल आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर करते हैं।

टोल प्लाजा के 100 मीटर पहले दरिया नेवादा से होकर शिवराजपुर हाईवे की ओर जाने वाले इस रास्ते पर पुलिस टीमों ने शनिवार को दिन भर गश्त की। इस रास्ते पर पुलिस को तीन सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी पुलिस ने जांचना शुरू कर दिया है।

डीसीपी ने बताया कि मौके से मिले विस्फोटक (पाउडर ) को जांच के लिए आगरा फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा।

पेट्रोल वाली बोतल और सिलिंडर की फोटो लखनऊ फॉरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजी जाएगी। मौके पर मिले एक कागज के टुकड़े को भी जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा। इस कागज में विस्फोटक की महक आ रही है। यह सामग्री रविवार को यहां से डाकेट बनाकर भेज दी गई।

रेलवे पटरियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ ने अब ट्रैक मित्र बनाकर उनकी मदद लेनी शुरू कर दी है। शनिवार को कन्नौज के आरपीएफ इंस्पेक्टर ने चौबेपुर से लेकर शिवराजपुर तक पटरियों के पास के गांव के पांच-पांच संभ्रात लोगों को ट्रैक मित्र बनाकर यह जिम्मेदारी दी। आरपीएफ को उम्मीद है कि इससे उन्हें ट्रैक की निगरानी करने में मदद मिलेगी। मुड़ेरी क्रॉसिंग के पास कालिंदी एक्सप्रेस को बेपटरी करने की साजिश के बाद से आरपीएफ ट्रेन हादसा रोकने व पटरियों और रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा को लेकर फिक्रमंद है। इसी के चलते ट्रैक मित्र बनाने का फैसला लिया गया है। आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रैक मित्र रेलवे पटरियों के आसपास होने वाली हर छोटी-बड़ी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख सुरक्षा करेंगे और किसी भी आशंका पर तत्काल फोन पर सूचना देंगे। आरपीएफ ट्रैक मित्रों को आई कार्ड भी मुहैया कराएगी।

कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश में पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने छह नए संदिग्धों को रडार पर लिया है। इनकी फुटेज भी सीसीटीवी में कैद हुई है। अलग-अलग स्थान और वक्त पर यह संदिग्ध पुलिस और खुफिया एजेंसियों की नजर में आए हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिवराजपुर और उसके आसपास के गांव में पूछताछ पूरी होने के बाद अब जांच का दायरा आगे बढ़ाया गया है।

अधिकारियों का दावा है कि वर्तमान में कोई भी संदिग्ध उनकी हिरासत में नहीं है। जिस हिस्ट्रीशीटर से पूछताछ की गई थी उसके बताए तथ्यों को तस्दीक किया जा रहा है। डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस ने करीब 28 संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की है।

सभी से पूछताछ के बाद जो तथ्य सामने आए है उनकी तस्दीक की जा रही है।

संपादकीय

# जिद बड़ी या जिंदगी!

**कोलकाता** में डॉक्टर अब भी काम पर नहीं लौटे हैं। बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था। बहरहाल बंगाल सरकार ने उस संख्या को भी अनुमति दे दी। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार डॉक्टरों को समझाते रहे कि विरोध-प्रदर्शन का यह सिलसिला टूटना क्यों जरूरी है? बातचीत का सीधा प्रसारण संभव नहीं है। अलबत्ता संवाद की रिकॉर्डिंग जरूर कराई जाएगी, लेकिन आक्रोशित डॉक्टर लगातार यह सवाल करते रहे कि सीधे प्रसारण से सरकार डरती क्यों है? डॉक्टर 'नबन्ना' सचिवालय के गलियारे तक तो पहुंच गए, लेकिन उस कक्ष के भीतर नहीं गए, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2.10 घंटे से आंदोलनकारी डॉक्टरों की प्रतीक्षा कर रही थीं। नतीजतन संवाद का जो सेतु बनाया गया था, वह ढह गया। डॉक्टर लौट गए और धरना-स्थल पर जाकर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने इस्तीफे तक की पेशकश की और बंगाल की जनता से माफी मांगी कि वह डॉक्टरों को ड्यूटी पर वापस लाने में नाकाम रहीं। यह ममता बनर्जी की 'भावुक राजनीति' भी हो सकती है, ताकि अधिकतर लोग उनसे नाराज न हों और समर्थन समाप्त करने पर आमादा न हो जाएं! बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में विपक्षी दल आक्रामक होकर विरोध-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। डॉक्टर तो आंदोलित हैं ही, लेकिन उनके समर्थन में विभिन्न सामाजिक आंदोलन भी छिड़ गए हैं, लिहाजा राज्य में अराजकता की स्थिति है। सडक़ों पर भीड़ है, तो पुलिसकर्मी भी हैं। अदालतों में अलग केस चल रहे हैं। ममता की यह राजनीति आजमाई हुई है। बहरहाल डॉक्टरों का आंदोलन अब एक जिद का रूप धारण कर चुका है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें काम पर लौटने का समय दिया था, वह गुजर चुका है। शीर्ष अदालत डॉक्टरों के सरोकारों की लड़ाई लड़ रही है, लेकिन आंदोलनकारियों को भरोसा ही नहीं है। यह जिद ही नहीं, अवमानना भी है। डॉक्टर जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने लगे हैं, क्योंकि आरजी कर अस्पताल में इलाज न मिलने से अभी तक 27 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। यकीनन डॉक्टर बिटिया के प्रसंग पर पूरा देश गुस्से में रहा है, क्षुब्ध रहा है, असंख्य विरोध-प्रदर्शन भी किए गए हैं। डॉक्टरों के साथ सहानुभूति है, संवेदना है, क्योंकि बिटिया चिकित्सकों की सुरक्षा वाकई चिंतित सरोकार है, लेकिन काम छोड़ कर आंदोलन ही जारी रखना या जुलूस निकालना अथवा डॉक्टर होकर धरने पर खाली बैठे रहना, दरअसल अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता से मुंह मोडऩा है। डॉक्टर लोगों की बीमारियों के इलाज करते हुए भी विरोध जता सकते हैं। विरोध जताने के कई प्रतीक होते हैं। डॉक्टर बाजू पर काली पट्टी बांध कर भी, काम करते हुए, अपना विरोध जता सकते हैं। हालांकि सर्वोच्च अदालत आंदोलनकारी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति सरकार को दे चुकी है, लेकिन बंगाल सरकार अब भी विनम्र है, क्योंकि सरकार को कई तरह के विरोध बर्दाश्त भी करने पड़ते हैं। आंदोलन के 33 दिन बीत चुके हैं। सीबीआई ने कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां भी की हैं। जांच के निष्कर्षों तक भी पहुंच रही है। ऐसे इंसाफ चुटकी बजा कर नहीं दिए जा सकते। कानून और अदालत की अपनी प्रक्रिया है।

> बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था।

### उत्तरी अमरीका की सरकारें इन सभी भारत विरोधी शक्तियों को प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता देती हैं

# राहुल गांधी की सत्ता के लिए व्यग्रता और नेहरु

**कुलदीप चंद अग्निहोत्री**

> भारत में सत्ता प्राप्त नहीं करनी, लेकिन उन्हें भारत को कमजोर करना है ताकि वह विश्व राजनीति और सभ्यताओं के संघर्ष में झांकने की भी हिम्मत न करे। इसके लिए अमरीका व कनाडा सरकार पिछले कुछ दशकों से कार्यरत हैं। इन दोनों देशों में पंजाब के कुछ लोगों को भारत के खिलाफ संगठित किया जा रहा है। भारतीय दूतावासों पर हमले होते हैं। इंदिरा गान्धी के हत्यारों को महिमामंडित करते हुए सार्वजनिक झांकियां निकाली जाती हैं।

**इस** बार राहुल गान्धी भारत के प्रधानमंत्री बनना चाहते थे। इस वाक्य को एक दूसरे प्रकार से भी कहा जा सकता है कि इस बार कुछ देशी-विदेशी शक्तियां राहुल गान्धी को आगे करके, उनकी आड़ में अपनी व्यक्तिगत या अन्य प्रकार की स्वार्थ सिद्धि प्राप्त करना चाहती थीं। इसके लिए उन सब ने मिल कर पूरा जोर भी लगाया। लेकिन दुर्भाग्य से उनकी योजना या इच्छा पूरी नहीं हुई। वैसे केवल स्पष्टीकरण के लिए राहुल गान्धी को प्रधानमंत्री बनाने के पीछे देशी और विदेशी ताकतों का उद्देश्य अलग भी होता है। देशी शक्तियां या फिर वे लोग जो राहुल गान्धी को घेरे हुए हैं, उनका स्वार्थ तो ज्यादा से ज्यादा उतना ही होता है कि राहुल प्रधानमंत्री होंगे तो सत्ता में कुछ हिस्सा उनको भी नसीब होगा। इसलिए इसको व्यक्तिगत स्वार्थ ही कहा जा सकता है। लेकिन विदेशी शक्तियों का मामला दूसरा है। उन्होंने भारत में सत्ता प्राप्त नहीं करनी, लेकिन उन्हें भारत को कमजोर करना है ताकि वह विश्व राजनीति और सभ्यताओं के संघर्ष में झांकने की भी हिम्मत न करे। इसके लिए अमरीका व कनाडा सरकार पिछले कुछ दशकों से कार्यरत हैं। इन दोनों देशों में पंजाब के कुछ लोगों को भारत के खिलाफ संगठित किया जा रहा है। भारतीय दूतावासों पर हमले होते हैं। इंदिरा गान्धी के हत्यारों को महिमामंडित करते हुए सार्वजनिक झांकियां निकाली जाती हैं। भारत को तोडऩे के संकल्प लिए जाते हैं। उत्तरी अमरीका की सरकारें इन सभी भारत विरोधी शक्तियों को प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता देती हैं। उत्तरी अमरीका के इन देनों देशों की सांस्कृतिक, मज़हबी और राजनीतक पूंछ इंग्लैंड से जुड़ी रहती है, क्योंकि ब्रिटिश उपनिवेशों को संगठित करके ही इन देशों का गठन हुआ था।

अपने समय में इंग्लैंड सरकार भी, देश छोडऩे से पहले भारत को विभाजित करने वाली ताकतों को संगठित कर रही थी। इसके लिए मोहम्मद अली जिन्ना उसके मोहरे बने हुए थे। लेकिन ब्रिटिश सरकार जानती थी कि कांग्रेस को विश्वास में लिए बिना देश को विभाजित नहीं किया जा सकता। अन्ततः कांग्रेस इंग्लैंड के माऊंटबेटन और श्रीमती माऊंटबेटन के चंगुल में फंस ही गई और उसने बाकायदा दिल्ली में पार्टी की विशेष बैठक बुला कर 14 जून 1947 को भारत विभाजन का प्रस्ताव पारित किया। उस समय पंडित जवाहर लाल नेहरु की उम्र 57 साल के आसपास थी। बहुत से इतिहासकार आज भी इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं कि आखिर खान अब्दुल खान के सख्त विरोध के बावजूद नेहरु भारत विभाजन के पक्ष में कैसे खड़े हो गए? इसका उत्तर नेहरु ने स्वयं ही परोक्ष रूप से दिया है। उनका कहना था कि यदि हम भारत विभाजन के लिए सहमत न होते तो बीस-पच्चीस साल तक और संघर्ष करना पड़ता, जेलों में जाना पड़ता, लेकिन हमारी उम्र इतनी हो गई थी कि इतने लम्बे काल तक संघर्ष करना सम्भव नहीं था। यानी तब तक नेहरु की उम्र लगभग 90 साल की हो जाती। देश बंटने से भी बच जाता और आजाद भी हो जाता, लेकिन 90 साल की उम्र में देश के प्रधानमंत्री नेहरु न हो पाते, कोई दूसरा कांग्रेसी होता, यह नेहरु को स्वीकार नहीं था। इसलिए उन्होंने सत्ता की खातिर देश विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। बाबा साहिब अंबेडकर कांग्रेस की या नेहरु की इस मंशा को शुरू में ही समझ गए थे, इसलिए उन्होंने दशकों पहले कह दिया था कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं, बल्कि सत्ता के लिए लड़ रही है। लगता है इतिहास आज फिर अपने आपको दोहराता हुआ उसी मोड़ पर पहुंच गया है। 2004 के आम चुनाव में भाजपा की पराजय हुई और कांग्रेस ने डा. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाई। वे 2014 तक प्रधानमंत्री रहे। कहा जाता है, उनकी सरकार में सत्ता व नीति के सूत्र सोनिया माईनो गान्धी के पास रहते थे।

जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने, उस समय राहुल गान्धी की उम्र 32-33 साल के आसपास थी। तब इस राज परिवार को स्वयं ही लगा होगा कि इतनी कम उम्र में भारत जैसे विशाल देश का प्रधानमंत्री बनना राहुल गान्धी के लिए सम्भव नहीं होगा। इटली होता तो अलग बात थी। उसके बाद मौका 2009 में आया। उस समय राहुल भी 37 साल के हो गए, लेकिन यह उम्र भी कम ही थी। इसलिए मनमोहन सिंह को ही प्रधानमंत्री बनाए रखना श्रेयस्कर माना गया। उस समय मनमोहन सिंह ने कहा भी था कि फिलहाल राहुल गान्धी मंत्रीपद ले लें ताकि उन्हें प्रशासन का अनुभव भी हो जाए। लेकिन मंत्री बनना शायद इस परिवार को अपमानजनक लगा होगा। मनमोहन सिंह जी ने तो यहां तक भी कह दिया था कि जब मुझे कहा जाएगा, मैं राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री का पद छोड़ दूंगा। लेकिन मात्र 37 साल की उम्र आड़े आ रही थी। इस राज परिवार का दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि जब राज परिवार को लगा कि 2014 में राहुल गान्धी 44 साल के वयस्क हो जाएंगे और प्रधानमंत्री पद पर उनकी ताजपोशी कर दी जाएगी (उनके पिता 40 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे), तब भारत ने भाजपा को जिता ही नहीं दिया, कांग्रेस को 543 सीटों वाली लोकसभा में महज 44 सीटों पर पहुंचा दिया। लेकिन तभी से राज परिवार किसी भी तरह देश की सत्ता पर कब्जे के लिए व्यग्र हो गया।

वर्ष 2019 में राहुल गान्धी की उम्र पचास के आसपास पहुंच गई, लेकिन लोकसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 44 से बढ़ कर पचास-पचपन से ज्यादा नहीं बढ़ पाई। वर्ष 2024 तक आते-आते राज परिवार की सत्ता प्राप्ति के लिए व्याकुलता इतनी बढ़ी की मुस्लिम लीग तक से समझौता कर लिया। केजरीवाल तक को नमन किया। राहुल गान्धी की उम्र पचपन को छू गई, लेकिन कांग्रेस सांसदों की संख्या सौ को नहीं छू पाई। इतिहास 1947 के मोड़ पर ही पहुंच गया है। उस वक्त पंडित जवाहर लाल नेहरु की उम्र 57 साल की थी और उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के लिए लार्ड माऊंटबेटन और श्रीमती माऊंटबेटन के मोहरे बन कर देश विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था। अब उन्हीं के वंशज राहुल गान्धी उम्र के उसी मोड़ पर पहुंच गए हैं। वर्ष 2029 को जब अगले लोकसभा चुनाव होंगे, तो उनकी उम्र साठ साल के आसपास हो जाएगी। राज परिवार में भूकम्प आ रहा है। कांग्रेस के राजकुमार राहुल गान्धी अमरीका जाकर सिखों को बता रहे हैं कि भारत में उनकी पगड़ी, कड़ा और गुरुद्वारा संकट में हैं। भारत को तोडऩे वाली तमाम देशी-विदेशी ताकतों ने राहुल के इस कथन को उदाहरण बना लिया है।

दृष्टि कोण

# सिखों की सहानुभूति पाने के प्रयास में राहुल

**लगातार** तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने में अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे-छिपे तरीके से हिंदुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिंदू-मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट ध्रुवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथकतावादी संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाने और उनको बेखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं। उनकी लड़ाई इस बात से है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' की बात का समर्थन है। बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमरीका आए हैं। उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत विरोधी प्रचार करने वाली अमरीकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता है। वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती है और हर मंच पर भारत का विरोध करती है। राहुल गांधी अमरीकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खास तौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही है, जिसने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक नहीं है, भारत को कश्मीर छोडऩा ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमरीका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थी, जिसमें अमरीकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकिस्तान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले। इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही है।

कुछ अलग

# लो जी रिश्वत स्थगित!

**रिश्वत** बुरी बला है। लेनी और देनी नहीं चाहिए। यानी सार्वजनिक रूप से रिश्वत का आदान-प्रदान नहीं होना चाहिए। रोशनी में तो बिल्कुल नहीं होना चाहिए। इससे साख प्रभावित होती है। लेकिन सूर्य छिपने के बाद अंधेरे में अगर कोई ब्रीफकेस में नोट दे भी जाता है तो समझ लेना चाहिए कि लक्ष्मी खुद चलकर आई हैं। लक्ष्मी का निरादर नहीं होना चाहिए। लक्ष्मी जी दिन को बिजी होती हैं। रात को अपने वाहन पर सवार होकर निकलती हैं। उनका वाहन उल्लू रहता है। अब उल्लू के मूड पर डिपेंड करता है कि वह उन्हें कहां लेकर जाएगा। कई बार उल्लू भी भ्रमित हो जाता है और वह अपनी बातों में झांसे में लेकर लक्ष्मी जी को नेताओं, धन्नासेठों, तस्करों, माफियाओं की कोठी पर ले जाता है। यह सब कुछ अंधेरे में होता है, इसलिए दुनिया वालों को पता नहीं चलता। जैसे नेताओं के कारनामे कई बार पब्लिक को पता नहीं होते, लेकिन सीबीआई को पता चल जाते हैं। सीबीआई अंधेरे में भी तीर मार लेती है। इसलिए करनामे बेनकाब हो जाते हैं। सीबीआई और ईडी आजकल बहुत बिजी चल रही हैं। इसलिए न तो उन पर चर्चा करेंगे, न लक्ष्मी जी पर चर्चा करेंगे और न ही उल्लू पर चर्चा करेंगे। चर्चा सिर्फ रिश्वत पर होगी। और रिश्वत बुरी बला है। इससे साख दांव पर लग जाती है। साख यानी इमेज पर धब्बा नहीं लगना चाहिए, इसलिए नेताजी ने डिसाइड किया है कि 2 महीने तक रिश्वत स्थगित की जाएगी। कोई देने आएगा तो भी नहीं ली जाएगी। नेताजी ने इस बारे में बयान भी दे दिया है। बयान छप भी गया है और पब्लिक को पता भी चल गया है। पब्लिक में चर्चा शुरू हो गई है कि रिश्वत पर अब नकेल कसी जाएगी। लेकिन पब्लिक में कुछ नेगेटिव किस्म के लोग भी होते हैं। उनमें से एक कह रहा है कि रिश्वत पर लगाम नहीं लगी है, बल्कि दो महीने के लिए स्थगित की गई है। यानी 2 महीने बिल्कुल रिश्वत नहीं ली जाएगी और उसके बाद एक साथ ले ली जाएगी, ताकि रिश्वत की आत्मा को ठेस न पहुंचे। एक और नेगेटिव किस्म का व्यक्ति कह रहा है कि महंगाई और अपनी नाकामियों से पब्लिक का ध्यान हटाने के लिए नेताजी ने ऐसी घोषणा की है। रिश्वत का वजूद पहले भी था और बाद में भी रहेगा। क्योंकि खर्च पानी इसी से चलते हैं। इसी पैसे से चुनाव लड़े जाते हैं। इसी पैसे से बेनामी संपत्तियां बनाई जाती हैं। इसी पैसे से नेताओं की पत्नियां अपने शाही शौक पूरे करती हैं। विदेश यात्राएं करती हैं। महंगे महंगे होटलों में जाकर किटी पार्टियां करती हैं। रिश्वत तो परमोधर्मा है। यह अजर और अमर है। तीसरा नेगेटिव किस्म का व्यक्ति दलील दे रहा है कि अब नेताजी और भी कडक़ फैसले लेंगे। अपने विरोधियों को अंदर ठोक देंगे। कर्मचारियों के वेतन-भत्ते बंद कर देंगे। आर्थिक इमरजेंसी घोषित कर देंगे। हड़ताल, धरना, प्रदर्शन पर रोक लगा देंगे। यह तो अभी शुरुआत है। आगे आगे देखिए होता है क्या। इब्तदाय इश्क है रोता है क्या। उसकी बात काटते हुए एक कट्टर समर्थक कहता है, नेताजी के हर कडक़ फैसले को राजनीति के चश्मे से देखना बंद कीजिए। ऐसे फैसले हर कोई नेता नहीं ले सकता। हमारा नेता अलग ही मिट्टी का बना हुआ है। उस मिट्टी को हमें नमन करना चाहिए। नेताजी की लंबी आयु और लंबे शासन की कामना करनी चाहिए। अभी तो रिश्वत पर ही फैसला हुआ है। आने वाले दिनों में पब्लिक को भी कडक़ फैसलों के लिए और कुर्बानी देने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए कुर्बानी जरूरी है। यह कुर्बानी नेताजी को नहीं, बल्कि पब्लिक को देनी चाहिए। नेताजी तो लोकतंत्र के प्रहरी हैं। सिंहासन पर बैठकर लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं।

> 1912 में प्रख्यात आलोचक व निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह बात कही थी। उदारवाद का बिगुल फूंकते बहुतेरे टीवी चैनल आ गए। अखबार रंगीन और चिकने पन्ने वाले हुए और ग्लोबलिस्टों की नई-नई टुकडिय़ां उनके संपादकीय पन्नों पर कब्जा करने लगीं। खुले दरवाजे पर तोरण की मानिंद लटकते पिंजरों में बैठे तोतों की तरह वे सुबह से शाम तक यह बताने लगे कि इस देश को 21वीं सदी में ले जाने के लिए हिंदी असमर्थ है। यह कठिन और दुरुह है। हिंदी को बिना शोध के टेक्नोफ्रेंडली से दूर किया गया। नतीजतन, धड़ाधड़ हिंदी के स्थापित और प्रचलित शब्दों को, जो संप्रेष्य थे, अपदस्थ कर उनकी जगह अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग समाचारपत्रों में होने लगा। देशहित में हिंदी के विस्थापन को नए चिंतकों ने अनिवार्य मान लिया। अंग्रेजी के तीसरे दर्जे के कथित विद्वानों-लेखकों को हिंदी मीडिया में घर कर गई पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए जगह दी जाने लगी।

देश दुनिया से

# हिंदी पर बाजार का कब्जा

**भाषा** ही किसी जाति की सभ्यता को सबसे अलग झलकाती है, यही उसके हृदय के भीतरी कल-पुर्जे का पता देती है। किसी जाति को अशक्त करने का सबसे सहज उपाय उसकी भाषा को नष्ट करना है।' 1912 में प्रख्यात आलोचक व निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह बात कही थी। उदारवाद का बिगुल फूंकते बहुतेरे टीवी चैनल आ गए। अखबार रंगीन और चिकने पन्ने वाले हुए और ग्लोबलिस्टों की नई-नई टुकडियां उनके संपादकीय पन्नों पर कब्जा करने लगीं। खुले दरवाजे पर तोरण की मानिंद लटकते पिंजरों में बैठे तोतों की तरह वे सुबह से शाम तक यह बताने लगे कि इस देश को 21वीं सदी में ले जाने के लिए हिंदी असमर्थ है। यह कठिन और दुरुह है। हिंदी को बिना शोध के टेक्नोफ्रेंडली से दूर किया गया। नतीजतन, धड़ाधड़ हिंदी के स्थापित और प्रचलित शब्दों को, जो संप्रेष्य थे, अपदस्थ कर उनकी जगह अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग समाचारपत्रों में होने लगा। देशहित में हिंदी के विस्थापन को नए चिंतकों ने अनिवार्य मान लिया। अंग्रेजी के तीसरे दर्जे के कथित विद्वानों-लेखकों को हिंदी मीडिया में घर कर गई पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए जगह दी जाने लगी। विभिन्न संस्थानों के सीईओ, एमडी आदि पदधारियों से सौदेबाजी के लिए उनके लेख/इंटरव्यू छापे जाने लगे। अब यह होड़ हिंदी चैनलों में ही है। भाषा-संहार पर सभी मूक-बधिर बन गए। वस्तुतः किसी भी भाषा को खत्म करने के लिए पहले उसे कठिन बताओ, फिर उसका उपहास करो और अंत में उसे अनुपयोगी घोषित कर दो, ताकि वह अपने आप ही मर जाए। कोई भी भाषा केवल अपने साहित्य के दम पर जिंदा नहीं रह सकती। यह जरूरी है कि ये भाषाएं साहित्य-संस्कृति के साथ-साथ रोजगार की भी भाषाएं बनें। बाजार अपने राजनीतिक ताने-बाने के साथ अपना शब्द भंडार, शब्दावलियां और भाषिक प्रभुत्व भी बनाता है। इंग्लैंड में अंग्रेजी से पहले भी कई भाषाएं थीं और उनका साहित्य था। अंग्रेजी ने अन्य भाषाओं को दबा कर अपना प्रभुत्व इंग्लैंड में और कालांतर में उपनिवेशीकरण के जरिये दुनिया के दूसरे देशों को बढ़ाया। धीरे-धीरे अंग्रेजीकरण और ज्ञान प्रक्रिया का आधुनिकीकरण एक-दूसरे के पर्याप्त समझ लिए गए। विदित है कि हिंदी पहले बुद्धिवाद और समावेशी राष्ट्रवाद की वाहक मानी जाती थी, जो आज भी है, किन्तु बाजार ने इसे कहीं का नहीं रहने दिया। इसके सटीक उदाहरण आध्यात्मिक बाजार, मल्टी प्लेक्स और क्रिकेट के मैदान में दिख रहे हैं। क्या अंग्रेजी अपनाने से ही ज्ञान या सोच की प्रक्रिया आधुनिक हो जाएगी? उल्लेखनीय है कि एक उत्तर-औपनिवेशिक मामला भाषा, साहित्य और संस्कृति में अस्मिता की राजनीति का है। विडंबना है कि हम टेक्नोलोजी और आधुनिकीकरण के जितने शिखर पर चढ़ते जा रहे हैं, सामाजिक विविधता उतनी ही तेजी से सामाजिक भिन्नता में बदलती जा रही है। इसी कारण सांस्कृतिक हाहाकार मच रहा है। प्रतिरोध के दृश्य दिख रहे हैं। आज समाज को जो पीढियां नेतृत्व दे रही हैं, उनकी नैतिक गड़बडियों के मूल में कहीं भाषा के प्रति उनकी असावधानी और गैर जिम्मेदाराना सलूक तो नहीं है। कभी हिंदी का जन्म बाजार में हुआ था, बाजार में ही उसका विकास हुआ, पर आज बाजार ही उसे तहस-नहस कर रहा है। इसलिए, इसका विकास व भविष्य बाजार के हाथ में है। शिक्षा के बाजारीकरण ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी। अंग्रेजी ने तो आधुनिकता का अर्थ संकुचित कर दिया है, जबकि लंबे काल खंड से हिंदी आधुनिकता को व्यापकता प्रदान करते आया है। दुखद पहलू है कि विश्व-बोध के लिए ग्लोबल होना आवश्यक है, जिसमें बाधक राष्ट्र है। एक अफसर ने तो यह कह कर चौंका दिया कि भारतीय भाषाएं अवधारणात्मक चिंतन के लिए अंग्रेजी की तुलना में उतनी योग्य नहीं हैं। हिंदी केवल भाषा ही नहीं, यह भारत की स्वत्व, अस्मिता और संस्कृति की भी प्रतीक है। समाज में चेतना जागरण, देशभक्ति का भाव, अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों का ज्ञान भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है। आज भी हिंदी ही हम सबको एकता के सूत्र में बांध सकती है और समाज तथा राष्ट्र को समृद्धशाली बना सकती है। दुनिया में महाशक्ति का दर्जा पाने वाले देशों की अदालतों में मातृभाषा को अपनाया जाता है। फ्रांस ने 1539 में लैटिन को अपनी अदालतों से बेदखल किया था। जर्मनी ने 18वीं सदी में लैटिन से पिंड छुड़ा लिया। इंग्लैंड की अदालतों में एक समय जर्मन और फ्रेंच का बोलबाला था। रूस, चीन, जापान, वियतनाम, क्यूबा आदि में मातृभाषा का प्रयोग होता है। राष्ट्रीय अस्मिता, बाजार की मांग और पाठकों की पसंद को ही हिंदी पत्रकारिता की नियति मनाने वाले लोग इसको हिंदी की प्रगति के लिए सबसे बड़ा कदम मानते हैं।

आप का नजरिया

# ये बैरिकेड क्यों टूटे

**पौंग** गोविंद सागर और कोल डैम में डूबे अब एक मस्जिद के सामने अपनी संवेदना, अपना उबाल प्रकट करने लगे हैं। अब मामला अतिक्रमण से ऊपर कानून के मजहब से और भी ऊपर जा पहुंचा है और जहां एक अवांछित कुरुक्षेत्र संजौली की छाती पर छेद कर गया। यह नजारा किसके मनमाफिक रहा और किसे डरा गया। क्या चोट खाए अमन के लिए पुलिस कर्मियों का घायल होना सबूत नहीं कि कहीं आपसी वैमनस्य के पेड़ हरे हो रहे हैं या कसूर उस बैरिकेड का जो जनाक्रोश की आंधी से टूट गया और हारा तो वहां वो मुसाफिर भी, जो ईंट और पत्थरों के बीच फंसे गारे में पल भर के लिए धंस गया। हमने इस बहाने कुछ बीज बो दिए। कल ये उगेंगे और इस तरह नफरत के बीज फैलेंगे इस धरती पर इससे जो पहले कभी लाल न थी। मसले के कारण अनेक हो सकते हैं, शंकाओं के बादल अनेक हो सकते हैं, लेकिन इस दौर तक हम कैसे पहुंचे, यह देखना होगा। इन अवैध मंजिलों के वारिस वे भी हैं, जो व्यवस्था में रह कर व्यवस्था को कुतर रहे हैं। ये सारी दीवारें मौजूदा सरकार में नहीं चढ़ीं और न ही इसके विरोध में खड़े सभी लोग केवल धार्मिक संगठन थे, लेकिन दरारों पर पांव रखकर हम ऐसे मुद्दों के प्रति न्याय नहीं कर सकते। मस्जिद की फाइल पूर्व की कई सरकारों की शिकायत कर रही है, लेकिन अब बुधवार के घटनाक्रम ने बता दिया कि कब और किस मंजिल पर बैरिकेड टूट सकते हैं। विरोध, व्यवस्था, कानून और समाज के बीच खड़ी मस्जिद न तो यहां धर्म की प्रतीक बन कर लड़ाई का सबब बन सकती और न ही यह धार्मिक युद्ध क्षेत्र होना चाहिए। दरअसल मस्जिद का अवैध, अवांछित और गैर जरूरी विस्तार आंखों में धूल झौंकता रहा है, लेकिन मजहब की लाल आंखें हमारी परंपराओं से परे हैं। विरोध में समूह भी है और समुदाय भी। समूह यह देख रहा है कि कौन धोखा-कौन फरेब कर रहा है और समुदाय यह देख रहा है कि संप्रदाय क्या कर सकता है या कर चुका है। इन दोनों ही परिस्थितियों के बीच सरकार की भूमिका अहम हो जाती है। जाहिर है सियासत के अपने पैमाने हैं और ये बार-बार हिमाचल को उद्वेलित कर रहे हैं। बाबरी मस्जिद विध्वंस में हिमाचल की शांता कुमार सरकार को भले ही कुर्बान होना पड़ा था, लेकिन यहां के हिंदू बहुसंख्यक समाज ने धर्म के आधार पर इस हुकूमत की वापसी नहीं होने दी थी। बहरहाल अब सियासत का परिदृश्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही राष्ट्रीय उद्बोधन। देश में बहुसंख्यकवाद के अलख जिस माहौल को जागृत कर रहे हैं, वहां समुदायों के बीच संवाद की गुंजाइश कम होती जा रही है और इसकी गूंज सोशल मीडिया के हर दायरे में परवान चढ़ चुकी है। इसी परिप्रेक्ष्य में संजौली का सैलाब केवल एक दिन की घटना नहीं, बल्कि आने वाले घटनाक्रम को आहूत कर रहा है। कुछ धार्मिक पहचान के शूल आंखों में खटक रहे हैं, तो नए मुद्दों के समीकरण प्रदेश की व्यापारिक गतिविधियों में भी देखे जा रहे हैं। मस्जिद एक पूजास्थल से आगे बढ़ कर अगर किसी शक्ति को प्रमाणित कर रही है या हर मंजिल पर चढ़ता सरिया प्रायोजित हो रहा है, तो परिवेश की चिंताओं को सुलगाने में एक तीर ही काफी है।

# चुनावी दौर में ट्रंप की नई प्रेम कहानी चढ़ रही परवान,31 साल की सुंदरी के हुए दीवाने

**वाशिंगटन, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रेम संबंधों को लेकर पूरी दुनिया में फेमस हैं। अब चुनावी दौर में एक 31 साल की महिला के ट्रंप दीवाने हो गए हैं। इसको लेकर तमाम अटकले चल रही हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा है। ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव के बाद दोनों अलग भी हो सकते हैं। वजह है ट्रंप का उनकी रिपब्लिकन पार्टी की 31 साल की कार्यकर्ता लॉरा लूमर के साथ अफेयर के चर्चे। आपको बता दें कि मेलानिया को ट्रंप के साथ आखिरी बार जुलाई में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में देखा गया था। तब से ट्रंप के साथ वह किसी भी मौके पर दिखाई नहीं दीं। हाल ही में कमला हैरिस के साथ ट्रंप के डिबेट में भी वह नहीं दिखीं। ऐसी अफवाहें हैं कि डोनाल्ड ट्रंप वर्तमान में एक समय की रिपब्लिकन कांग्रेस उम्मीदवार, 31 साल की लॉरा लूमर को डेट कर रहे हैं। हाल ही में फिलाडेल्फिया में एबीसी द्वारा होस्ट की गई दूसरे प्रेसिडेंशियल डिबेट में ट्रंप के दल के हिस्से के साथ उनको देखा गया था। ट्रंप को अपने शादीशुदा जीवन में कुछ परेशानियां चल रहीं हैं या ऐसा लोगों को लगता हो क्योंकि जुलाई के बाद उनके चुनावी अभियान में उनका प्रदर्शन भी काफी कम हो गया है। जब से कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की और से ताल ठोक रहीं हैं। कमला की लोकप्रियता रेटिंग अभी भी बढ़ रही है।एक अमेरिकी अखबार के अनुसार, दूसरे प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान और समापन के बाद भी, लॉरा लूमर को मंच के पीछे और यहां तक कि ट्रंप के साथ स्पिन रूम में भी देखा गया। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि वे वास्तव में डेटिंग कर रहे हैं या नहीं। यह संभव हो सकता है कि वे रूढ़िवादी मतदाताओं को भड़काने के लिए चुनाव खत्म होने तक इस पर सस्पेंस बनाकर रखना चाह रहे हों। लूमर पहले से ही राइटविंग लॉबी और मागा समर्थकों के बीच काफी पॉपुलर हैं। वह होमोसेक्सुअलिटी, ट्रांसफोबिक और मुस्लिम-विरोधी रुख अपना कर चल रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### अमेरिका दौरे पर नेपाल के प्रधानमंत्री ओली का हार्वर्ड और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में विशेष संबोधन

**काठमांडू।** संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 79वीं महासभा में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय और बोस्टन में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विशेष संबोधन होगा। यह पहला मौका होगा जब नेपाल के किसी प्रधानमंत्री द्वारा अमेरिका के इन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में संबोधन होने जा रहा है। न्यूयॉर्क में नेपाल के स्थाई प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालयों में प्रधानमंत्री ओली के संबोधन के लिए समन्वय का काम पूरा कर लिया गया है। थापा के मुताबिक प्रधानमंत्री ओली द्वारा कोलंबिया विश्वविद्यालय में 23 सितंबर को और हार्वर्ड में 27 सितंबर को संबोधित करने का कार्यक्रम तय हो गया है। प्रधानमंत्री ओली 10 सितंबर से शुरू हुई संयुक्त राष्ट्र की 79वीं महासभा में शामिल होने के लिए 21 सितंबर को न्यूयॉर्क पहुंचने वाले हैं। उनका 26 सितंबर को संबोधन करने का कार्यक्रम है।

### एमपॉक्स वैक्सीन को मिली मंजूरी

**जिनेवा।** दुनिया भर में एमपॉक्स के बढ़ते मामलों के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने बवेरियन नॉर्डिक द्वारा विकसित की गई एमवीए-बीएन वैक्सीन को एमपॉक्स से बचाव के लिए मंजूरी दे दी है। यह वैक्सीन अब डब्ल्यूएचओ की प्री-क्वालिफिकेशन लिस्ट में शामिल कर ली गई है, जो इस बात का प्रमाण है कि यह वैक्सीन क्वालिटी, सेफ्टी और प्रभावशीलता के मानकों पर खरी उतरी है। इस मंजूरी के बाद, अब वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की उपलब्धता को बढ़ाने की दिशा में तेजी लाई जाएगी।रिपोर्ट के अनुसार, इस वैक्सीन का मूल्यांकन यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी द्वारा किया गया था, जिसके बाद इसे प्री-क्वालिफिकेशन लिस्ट में शामिल किया गया। इसका मतलब है कि इस वैक्सीन का उपयोग उन क्षेत्रों में तेजी से किया जा सकेगा, जहां एमपॉक्स का सबसे ज्यादा प्रकोप है।

### मां-बाप ने बेटे का नाम रखा पिये, कोर्ट ने किया मना, कोर्ट ने कहा, बच्चे को जीवन भर मजाक का पात्र बनना पड़ेगा

**ब्राजीलिया ।** ब्राजील के कोर्ट में अजीब वाक्या देखने को मिला। एक ब्लैक कपल अपने बच्चे का नाम मिस्र के 25वें महान अश्वेत किंग (नूबिया) के नाम पर पिये रखना चाहते थे। हालांकि कोर्ट ने यह कहते हुए नाम रखने से मना कर दिया कि इस नाम का उच्चारण पुर्तगाली शब्द प्लीए मिलता-जुलता है, जिसका मतलब होता है बैले डांस-स्टेप्स। कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके वजह से बच्चे को जीवन भर मजाक का पात्र बनना पड़ेगा। बताया जा रहा है कि ब्राजील के मिनास गेरैस के रहने वाले कैटरीना और डानिल्लो प्रीमोला अपने बच्चे का नाम मिस्र के 25वें अश्वेत राजा के नाम पर रखना चाह रहे थे। प्रिमोला ने बताया कि 2023 रियो डी जेनेरो कार्निवल की एक थीम सॉन्ग के दौरान हमें यह आइडिया आया था। हमने पिये की कहानी पढ़ी। वह एक नूबियन वॉरियर थे। उन्होंने मिस्र को जीत कर पहले अश्वेत फिरौन का दर्जा प्राप्त किया था। हमने अपने बेटे का नाम इनके नाम पर रखने का सोचा। हालांकि जज ने नाम की स्पेलिंग और उच्चारण को देखते हुए नाम रखने के फैसले को रोक दिया। प्रिमोला ने आगे बताया कि पिये अश्वेत लोगों के इतिहास के सबसे मजबूत योद्धा थे। हम अपने बेटे को यह नाम देकर एक उदाहरण पेश करना चाहते थे। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया। कोर्ट का कहना है कि नाम के उच्चारण के कारण बच्चे को जीवन भर उपहास का सामना करना पड़ सकता है। प्रिमोला ने कहा कि इससे बुलींग को नहीं रोका जा सकता है, बल्कि समाज की अज्ञानता को दूर करके रोका जा सकता है ।

# रूस-यूक्रेन के बीच यूएई ने कराया समझौता, एक-दूसरे के बंदी सैनिकों को छोड़ा

**मास्को, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच राहत की खबर आई है। संयुक्त अरब अमीरात की कोशिश से हुए समझौते के तहत दोनों देशों ने 206 युद्धबंदियों की अदला-बदली की है। इस सौदे में रूस ने 103 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा किया तो वहीं इतनी ही संख्या में यूक्रेन ने भी रूसी सैनिकों को छोड़ा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने बंदी बनाए 103 रूसी सैनिकों को छोड़ दिया है। हमारी तरफ से भी बंदी बनाए गए 103 यूक्रेनी सैनिकों को वापस उनकी सीमा में भेज दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुताबिक अधिकांश यूक्रेनी युद्धबंदियों के साथ रूस में हिरासत के दौरान दुर्व्यवहार हुआ है और उन्हें यातनाएं भी दी गईं। वहीं बंधी बनाए गए रूसी सैनिकों के साथ भी दुर्व्यवहार की भी अलग-अलग खबरें समाने आ रही हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वापस आए सैनिकों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारे लोग अपने घर आ गए। हम अपने 103 योद्धाओं को रूसी कैद से सफलतापूर्वक वापस ले आए। मैं यूक्रेन को ऐसी अच्छी खबर देने के लिए हमारी एक्सचेंज टीम का धन्यवाद देता हूं। इन तस्वीरों में यूक्रेनी झंडों में लिपटे सैनिक एक-दूसरे के गले मिलते और फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं। इस अदला-बदली की डील करवाने वाले संयुक्त अरब अमीरात की बहुत बड़ी भूमिका रही है। 2024 की शुरुआत के बाद से यह देश की आठवीं ऐसी मध्यस्थता थी। यूक्रेन के लोकपाल दिमित्रो लुबिनेट्स ने कहा हमनें अब तक 57 एक्सचेंजों में 3,672 यूक्रेनी सैनिको तो वापस पाया है, जबकि इतनी ही संख्या में रूसी सैनिकों को छोड़ा भी है। दोनों ही देशों ने पिछले महीने ही 100 से ज्यादा युद्ध बंधियों की अदला-बदली की थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यूक्रेनी सेना ने दो सप्ताह पहले रूस में अचानक हमला किया था, जिसमें 115 रूसी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र में पकड़ लिया था। मंत्रालय ने कहा था कि रिहा किए गए सैनिक फिलहाल बेलारूस में हैं। रूस और युक्रेन में चल रहे इस भीषण जंग को लेकर दुनियाभर के देश चिंतित हैं। पीएम मोदी ने भी दोनों देशों की यात्रा करके शांति की अपील की थी। पीएम मोदी इस महीने अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं, तो अगले महीने वह रूस की यात्रा पर जा रहे हैं।

## रूस और ईरान के बीच गुप्त समझौता अमेरिका-ब्रिटेन कोसताने लगा डर

**मास्को।** रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने पुतिन के खतरनाक इरादों पर चिंता जताई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस और ईरान के बीच गुप्त समझौता हुआ है जिसमें रूस ईरान को परमाणु संपन्न देश बनाने के लिए गुप्त सूचना और टेक्नोनॉजी देगा। बदले में ईरान रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में बैलिस्टिक मिसाइलें मुहैया कराएगा। कुछ दिन पहले यूक्रेन ने पश्चिम सहयोगियों से विनती की थी कि उसे कम दूरी की मिसाइलों की मदद दी जाए क्योंकि रूस को ईरान से फतह-360 समेत कई बैलिस्टिक मिसाइलें मिल रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट में मामले के जानकार अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रूस ने हाल में परमाणु हथियार प्राप्त करने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर ईरान के साथ सहयोग बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों ने इस बात पर चर्चा की। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे चिंताजनक बताया है।

व्हाइट हाउस प्रवक्ता के मुताबिक बाइडेन प्रशासन ईरान की परमाणु गतिविधियों से बहुत चिंतित है। बाइडेन ने यह साफ कर दिया है कि ईरान द्वारा किसी भी परमाणु वृद्धि को रोकने के लिए अमेरिका पूरी ताकत लगा देगा। उधर, रूस के विदेश मंत्रालय और वियना में ईरानी दूतावास ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि एंटनी ब्लिंकन और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी लंदन में बातचीत के दौरान इस बात पर सहमत हुए हैं कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कभी भी इतना उन्नत नहीं था। उधर, ईरान इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाने पर विचार नहीं कर रहा है, हालांकि चिंता जरूर जताई कि वह इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के जवाब में उनका निर्माण कर सकता है।

# सुनीता विलियम्स के हिंदू होने पर पति माइकल को नहीं है एतराज

**वाशिंगटन, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथ विल्मोर कई दिनों से आतंरिक्ष में फंसे हैं। सुनीता पहले अमेरिका नौसेना में ट्रेनिंग पायलट थीं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने नासा ज्वाइन की। उन्होंने 6 दिसंबर 2006 को अपने पहले अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत की, जो 22 जून 2007 को खत्म हुआ था। उनके नाम चार स्पेस वॉक करने का भी रिकॉर्ड है। सुनीता ने फेडरल मार्शल माइकल जे विलियम्स से शादी की है। माइकल के बारे में लोगों कम ही जानते हैं।

नासा में शामिल होने से पहले सुनीता विलियम्स सेना के लिए काम करती थीं और हेलीकॉप्टर उड़ाती थीं। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई। शुरू में दोनों दोस्त थे, लेकिन जल्द ही उनके बीच प्यार हो गया और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

**दोनों की दोस्ती प्यार में बदली और फिर कर ली शादी**

माइकल एक फेडरल मार्शल हैं। माइकल को कभी सुनीता के हिंदू होने से कोई समस्या नहीं हुई। सितंबर 2007 में विलियम्स ने साबरमती आश्रम और अपने पैतृक गांव झूलासन का दौरा किया था। इतना ही नहीं माइकल भी भगवत गीता के बारे में जानकारी रखते हैं। अंतरिक्ष के प्रति सुनीता के लगाव के बारे में माइकल ने का मानना है कि वह उसकी खुशी की जगह है।

बता दें सुनीता 5 जुलाई, 2024 को बुच विल्मोर के साथ आठ दिन के मिशन के लिए अंतरिक्ष में गईं। लेकिन तकनीकी खराबी के कारण, दोनों अभी तक अंतरिक्ष में ही फंसी हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों अंतरिक्ष यात्री आठ महीने और अंतरिक्ष में रहेंगे और फरवरी 2025 में उनके धरती पर वापस लौटने की संभावना है।

# गाजा पर इज़राइली हवाई हमलों में 21 फिलिस्तीनी की मौत

**गाजा, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी की मौत हो गई है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि एक इजरायली युद्धक विमान ने गाजा शहर के पूर्व में अल-तुफ्फाह इलाके में एक आवासीय घर पर मिसाइल से हमला किया। फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित 10 फिलिस्तीनी मारे गए।

एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में एक स्कूल के पास इजरायली हवाई हमले में कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए।

स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक तंबू पर इजरायली गोलाबारी में छह अन्य लोग मारे गए। हालांकि इजरायली सेना ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि हमास ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से अचानक हमला किया था जिसमें 1200 से ज्यादा लोग मारे गए थे और लगभग 250 नागरिकों को बंधक बना लिया था।

इसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए जो अभी तक जारी हैं। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 41,182 हो गई है।

# कब्र से महिलाओं का शव निकालकर करता था दुष्कर्म,पुलिस ने दबोचा

**कराची, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

**पुलिस ने एक 40 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर कोरंगी कब्रिस्तान में हाल ही में दफनाई गई महिला की कब्र खोदने और शव का यौन शोषण करने का संदेह है। पुलिस ने शख्स के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया है।**

शिकायतकर्ता ने एफआईआर में कहा, मैंने गुरुवार शाम को अपनी मां को कब्रिस्तान में दफनाया था। रात करीब 10: 30 बजे उसे पता चला कि संदिग्ध ने कब्र को नुकसान पहुंचाया और शव के साथ छेड़छाड़ की। हालांकि, इलाके के कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया।

उन्होंने उसकी पिटाई की और इसी बीच स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। बाद में, कोरंगी पुलिस ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध को बाग-ए-कोरंगी कब्रिस्तान में बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान, उसने पुलिस को बताया कि वह कब्रिस्तान में महिलाओं के दफ़न पर नज़र रखता था और रात के समय वह मृतकों के साथ जघन्य अपराध करने के लिए कब्र खोदता था। पुलिस के बयान में कहा गया कि उसने खुलासा किया कि उसने चार महिलाओं की लाशों के साथ यौन शोषण किया है।अवामी कॉलोनी पुलिस ने मृतक महिला के बेटे की शिकायत पर पकड़े गए संदिग्ध के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 297 (कब्रिस्तान में घुसना, आदि), 376 (बलात्कार के लिए सजा) और 354 (महिला की शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत केस रजिस्टर किया।

# जेल में बंद इमरान खान की पार्टी के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला,कहा-चुनाव में हुई धांधली

**इस्लामाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

**जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान चुनावी धांधलियों के लगातार आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने ने पहले ही दावा किया था कि 8 फरवरी के आम चुनाव में जमकर धांधली की गई। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों पीएमएल-एन और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) को जनादेश चोर कहा था।**

इस मामले में पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने शहबाज शरीफ सरकार और चुनाव आयोग की धांधली के खिलाफ बड़ा फैसला सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने 8 फरवरी को हुए चुनाव के बाद आयोग के कार्यों पर अंसतोष जताया और सुरक्षित सीट के संबंध में इमरान खान की पार्टी के हक में फैसले को लागू करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के प्रति नाराजगी जताई और कहा कि आयोग के इस कदम की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। अगर पाकिस्तान सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अक्षरश: पालन किया जाता है तो इमरान की पार्टी पीटीआई पाकिस्तान नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है।

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत का यह आदेश प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए करारा झटका साबित हुआ। इससे तहरीक-ए-इंसाफ(पीटीआई) संसद के दोनों सदनों में सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने 15 जुलाई को पीटीआई को सुरक्षित सीट आवंटित करने के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर की थी।

इससे पहले, शीर्ष अदालत की 13 सदस्यीय पीठ ने 12 जुलाई को आठ-पांच के बहुमत से फैसला सुनाया था कि पीटीआई नेशनल असेंबली और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट के लिए पात्र है। अदालत ने यह भी घोषित किया कि पीटीआई को संसदीय दल माना जाए। गौरतलब है कि पीटीआई चीफ और पूर्व पीएम 71 वर्षीय इमरान खान इस वक्त 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और उनमे से कई में उन्हें दोषी भी ठहराया जा चुका है। इस वक्त उन्हें रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद करके रखा गया है। चुनाव में, पीएमएल-एन और पीपीपी दोनों ने व्यक्तिगत रूप से इमरान खान की पीटीआई द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा जीती गई 92 से कम सीटें जीतीं। दोनों पार्टियों ने चुनाव के बाद गठबंधन किया और शहबाज की ताजपोशी हुई। समझौते के तहत पीएमएल-एन को प्रधानमंत्री पद और पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री पद मिला, जबकि पीपीपी को राष्ट्रपति पद और सिंध प्रांत में मुख्यमंत्री पद मिला।

# युवा भारतीय खिलाड़ी सरफराज खान और ध्रुव जुरेल ने रोहित शर्मा की कप्तानी को सराहा

**नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। पहला मैच 19 सितंबर से चेन्नई में, जबकि दूसरा मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। सीरीज की शुरुआत से पहले टीम के युवा खिलाड़ी सरफराज खान एवं ध्रुव जुरेल ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की है।

सरफराज ने कहा कि वह (रोहित शर्मा) बहुत अलग हैं, आपको सहज महसूस कराते हैं। हमारे लिए वह बड़े भाई जैसे हैं। उनके साथ खेलना में बहुत मजा आता है। मैंने उन्हें बाहर से पहली बार देखा था और आज मैं उनके साथ खेल रहा हूं। उनके साथ खलते हुए ऐसा नहीं लगता आप जूनियर हैं। वह हर किसी को बराबर समझते हैं। सरफराज ने आगे कहा कि मेरी फेवरेट मूवी लगान है। फिल्म में आमिर खान ने जिस तरह से अपनी टीम को बनाया, वैसे रोहित भाई मुझे उसकी याद दिलाते हैं। मेरे लिए, वे लगान के आमिर खान हैं। उनके साथ परिवार जैसा महसूस होता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी शैली को लेकर उनकी सराहना की। जुरेल ने कहा कि जब टीवी पर उनको खेलते देखते थे, लोग कहते थे कि उनके पास शॉट खेलने के लिए काफी समय होता है, लेकिन जब आप करीब से खेलते देखते हैं तो आपको पता चलता है कि जिस बॉल पर हम संघर्ष करते हैं बल्ला सही से नहीं आता, वो आराम से शॉट मार देते हैं। उनका पुल शॉट काफी प्रसिद्ध है। ऐसी चीजों को करीब से देखना काफी विशेष है। जब भी उनके साथ खेलता हूं, बहुत अच्छा महसूस कराते हैं। वह ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम हैं। इस साल की शुरुआत में सरफराज और ध्रुव जुरैल ने रोहित की कप्तानी में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। दोनों बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। सरफराज ने तीन मैचों में 200 रन बनाए थे जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। वहीं जुरेल ने 190 रन बनाए थे, जिसमें एक 90 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। सरफराज और जुरेल को अब बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह मिली है।

## न्यूज ब्रीफ

### हेड साल में अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

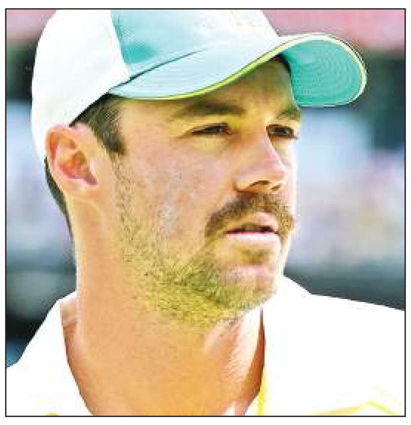

**कार्डिफ।** ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। हेड ने दूसरे टी20 में केवल 14 गेंदों में ही चार चौकों और दो छक्के लगाकर 31 रन बना दिये। इस प्रकार हेड अब एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बना गये हैं। इस प्रकार उन्होंने अपने ही देश के आरोन फिंच को पीछे छोड़ा। इस प्रकार हेड ने के इस साल टी20ई में कुल मिलाकर 33 छक्के हो गये हैं। ये एक कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा लगाये सबसे अधिक छक्के हैं। इससे पहले साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान फिंच ने 31 छक्के लगाए थे। इस साल हेड ने 15 टी20 में अब तक 38.50 की औसत और 178.47 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। हेड हालांकि अपनी आक्रामक पारी के बाद भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 6 विकेट पर 193 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इंग्लैंड ने 19 ओवरों में ही सात विकेट खोकर हासिल कर लिया।

### अनन्या और शुभमन विज्ञापन फिल्म में नजर आये, अफेयर की अटकलें भी हुईं तेज

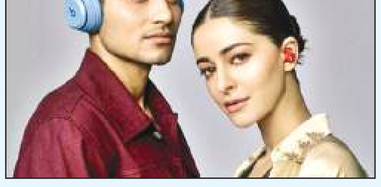

**मुम्बई ।** बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और क्रिकेटर शुभमन गिल के बीच अफेयर की अटकलें तेज हो गयी हैं। ये अटकलें शुभमन और अनन्या के एक विज्ञापन फिल्म में आने के बाद बढ़ी हैं। इसमें इन दोनो की केमेस्ट्री को लोगों ने काफी पसंद किया है। इसका वीडियो भी जमकर वाइरल हुआ है। वहीं अनन्या ने इन बातों पर ध्यान न देते हुए अपने पसंदीदा क्रिकेटर के तौर पर शुभमन का नाम बताया है। अनन्या ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की एक बढ़ी प्रशंसक हैं। लोगों ने शुभमन और अनन्या दोनों की जोड़ी को पसंद करते हुए अपनी ओर से कॉमेंट किए हैं। वीडियो में शुभमन अनन्या को गले लगाते हैं जिससे अफेयर की चर्चाओं को बल मिला है। एक यूजर ने कॉमेंट किया, अनन्या कितनी लकी हैं कि उन्हें शुभमन के साथ काम करने का मौका मिला।, इससे पहले अनन्या और हार्दिक पंड्या का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में डांस करते नजर आए थे।

### गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दें : अजय जडेजा

**नई दिल्ली ।** पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ आक्रामक रुख अपनायेगी। जडेजा के अनुसार कोच गंभीर का अपना अलग ही तरीका है और उन्हें किसी सुझाव की जरुरत नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष स्तर पर है। इसलिए ये सोचना कि बांग्लादेश ने पाक को हराया है, इसलिए हमको भी कड़ी टक्कर देगी कहना सही नहीं होगा। जडेजा के अनुसार 19 सितंबर से शुरु हो रही इस सीरीज का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी आक्रामक रुख अपनाकर हावी रहेगी। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। जडेजा ने कहा, 'गंभीर का रुख आक्रामक है। इसलिए एक बात निश्चित है कि उनकी मौजूदगी में कोई नीरस पल नहीं आएगा, वह हमेशा कुछ न कुछ करने का प्रयास करेंगे।उन्होंने कहा, 'गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दे। वह कुछ ऐसा करने की कोशिश करेंगे जो सबको हैरान करेगा। जिस प्रकार हमने सूर्यकुमार यादव को अचानक कप्तान बनते देखा था। उसी प्रकार मैं उस रोमांचक क्षण का इंतजार कर रहा हूं जो हम देखने जा रहे हैं।

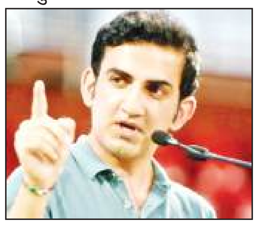

# भारत–बांग्लादेश कानपुर टेस्ट : ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड का नहीं होगा इस्तेमाल

**कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है। पहला मैच चेन्नई में, जबकि दूसरा मैच यहां कानपुर में खेला जाएगा। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितम्बर से दूसरा टेस्ट मैच होगा। इसकी तैयारियां इन दिनों जोरों पर है, पर लोगों की निगाहें यहां पर बने ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड पर है। अबकी बार इस स्कोर बोर्ड पर खिलाड़ियों के नाम और रन नहीं दिखाई देंगे। ग्रीन पार्क में इससे पहले विश्व क्रिकेट की सभी बड़ी टीमों के मैच का गवाह ग्रीनपार्क स्टेडियम में स्थापित स्कोर बोर्ड रहा है जिसकी प्रशंसा यहां पर खेल चुकी सभी देश की टीमों के कप्तान और उनका प्रबंधन कर चुका है। यही नहीं इस स्कोर बोर्ड की प्रशंसा आईसीसी के पूर्व सीईओ व पूर्व क्रिकेटर डेव रिचर्डसन ने भी की थी।

साल 2000 में टेस्ट टीम का दर्जा पायी बांग्लादेश की टीम नगर में पहली बार खेलने आ रही है। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आगामी 27 सितम्बर से एक अक्टूबर के बीच भारत और बांग्लादेश की टीम आमने–सामने होंगी। स्टेडियम में खेले जाने वाले 24वें अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच के लिए तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गईं हैं। ग्राउंड से लेकर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था व एंट्री का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है। फ्लड लाइट से लेकर ब्रॉडकास्टर के कैमरों के सेटअप की भी रिहर्सल हो चुकी है। हालांकि इस मैच में ग्रीन पार्क में जो अधूरा–अधूरा नजर आएगा, वह होगा ऐतिहासिक मैनुअल स्कोर बोर्ड का ना होना। ग्रीनपार्क में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में सिर्फ डिजिटल स्कोर बोर्ड का प्रयोग किया जाएगा, जबकि अभी तक के अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैचों में डिजिटल के साथ–साथ मैनुअल स्कोर बोर्ड का भी इस्तेमाल होता रहा है। मैच के दौरान यह स्कोर बोर्ड भी एक आकर्षण का केंद्र रहता था। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मैनुअल स्कोर बोर्ड माना जाता रहा है। इसे 1952 में एसएम बशीर व जगजीत सिंह ने बनाकर तैयार किया था, जबकि 1957 से अंतरराष्ट्रीय मैचों में इसका प्रयोग पहली बार किया गया था।

### 80 लोग करते थे संचालित

ग्रीन पार्क के स्कोर बोर्ड को ऐसे ही ऐतिहासिक स्कोर बोर्ड नहीं कहा जाता है। इस स्कोर बोर्ड में दोनों टीम के खिलाड़ियों के नाम के साथ–साथ अंपायर के नाम भी लिखे जाते थे। इसके अलावा रन रेट और लाइव स्कोरिंग की सुविधा भी मौजूद थी। इसे संचालित करने के लिए करीब 80 लोगों की आवश्यकता पड़ती थी। ग्रीन पार्क में क्रिकेट प्रेमियों को यह आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड के बीच हुए टी–20 मैच में देखने को मिला था। यह दुनिया का इकलौता व अनूठा मैनुअल स्कोर बोर्ड भी रहा। इसकी स्थापना वर्ष 1952 में हुई और पहली बार 12 से 17 दिसंबर 1957 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट मैच में इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व स्कोरर सौरभ चतुर्वेदी के मुताबिक कम्प्यूटर की तरह काम करने वाले एकमात्र बचे इस बोर्ड में मैच के दौरान जिस खिलाड़ी के पास बॉल जाती थी, उस खिलाड़ी के नाम के आगे वाली लाइट जल जाती थी। आज स्कोर बोर्ड मैदान के एक कोने में कबाड़ की तरह छोड़ दिया गया। इस स्कोर बोर्ड का अंतिम बार प्रयोग 2017 में इंग्लैण्ड के खिलाफ टी–20 मुकाबले में किया गया था।

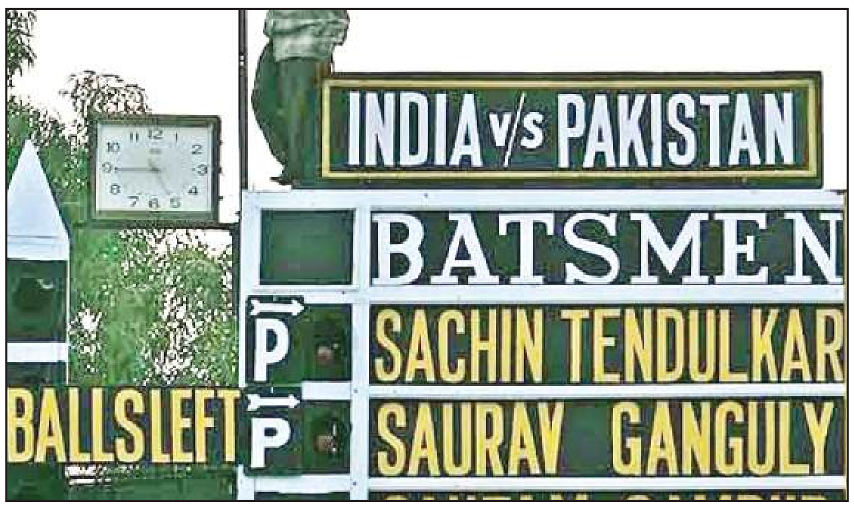


### क्या जहीर की कमी पूरी कर पायेंगे यश

**नई दिल्ली ।** युवा तेज गेंदबाज यश दयाल को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल ने पिछले कुछ समय में आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। माना जा रहा है कि यश के आने से पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की कमी पूरी होगी। जहीर के संन्यास के बाद बांए हाथ के गेंदबाज के तौर पर जयदेव उनादकट और टी नटराजन आये पर ये दोनो कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाये इसलिए टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। अब यश का चयन भारतीय टीम के गेंदबाजी आक्रमण में संभावित बदलाव का संकेत दे रहा है। दयाल का प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 24 मैचों में 28.89 की औसत से 76 विकेट हासिल किए हैं और हाल ही में दलीप ट्रॉफी में भी काफी अच्छी गेंदबाजी की। अब बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरु हो रहे पहले टेस्ट में यश को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। इसमें उन्हें जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने का अवसर मिलेगा। अब देखना है कि वह उम्मीदों पर कितने खरे उतरते हैं।

# मोर्कल ने भारतीय क्रिकेट टीम के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभाला

**चेन्नई, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

मोर्न मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले भारतीय टीम के साथ नये गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ गये हैं। भारतीय टीम को 17 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। मोर्कल को पारस म्हाम्ब्रे की जगह पर गेंदबाजी कोच बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मोर्कल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें भारतीय खाना भी पसंद है।

बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में मोर्कल ने भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति अपनी रुचि व्यक्ति करते हुए कहा, नाश्ते में मुझे थोड़ी सी पूड़ी पसंद है। डोसा और मुर्ग मलाई चिकन भी मेरे पसंदीदा व्यंजन हैं। एक कोच के रूप में यह दिखाना अहम है कि आप स्वस्थ खाना खाते हैं जिससे खिलाड़ी भी इस आदत को अपनाएं। मोर्कल ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर के साथ आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ काम किया है।

भारतीय टीम के साथ अपने नए कार्यकाल को लेकर मोर्कल ने कहा, मैं खिलाड़ियों को समझने की कोशिश कर रहा हूं, मेरा लक्ष्य उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानना और ठीक करना है। मैं इस श्रृंखला के लिए उनके लक्ष्य तय करने में सहायता करना चाहता हूं। हमें बांग्लादेश के खिलाफ जीत की उम्मीद है और मैं अपने अनुभव को खिलाड़ियों के साथ बांटूगा। मोर्कल ने कहा कि भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनकर वह बेहद खुश हैं और टीम को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहते हैं।

# अब करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं नीरज

**नई दिल्ली ।**

**स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक के बाद डायमंड लीग फाइनल में भी दूसरा स्थान हासिल किया। इससे उन्हें 10 लाख रुपए से ज्यादा की इनामी राशि मिली है। चार साल पहले टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही नीरज की नेट वर्थ तेजी से बढ़ी है।**

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार उन्हें 30 लाख रुपये का मासिक वेतन मिलता है और उनकी वार्षिक आय 4 करोड़ रुपये है। वहीं विज्ञापन से होने वाली आय मिलाकर अब उनकी कुल संपत्ति 40 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गयी है। नीरत कई कंपनियों के ब्रांड से जुड़े हैं। इसमें जेएसडब्लयू ग्रुप, नोइस आदि हैं।

साल 2020 में टोक्यों में स्वर्ण जीतने के बाद उन्हें हरियाणा सरकार ने 6 करोड़ रुपये जबकि पंजाब सरकार से 2 करोड़ रुपये का इनाम दिया था।

टोक्यो ओलंपिक में जीत के बाद नीरज चोपड़ा को आनंद महिंद्रा से महिंद्रा एसयूवी 700 मिली थी। टॉप वेरिएंट की इस कार की कीमत तकरीबन 30 लाख रुपये के करीब हैं। इसके अलावा उनके पास रेंज रोवर स्पोर्ट्स है, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये से अधिक है। उनके पास टोयोटा फॉर्च्यूनर, फोर्ड मस्टांग जीटी जैसी भी गाड़ियां है. जिसकी कीमत आसानी से 90 लाख रुपये के करीब है। इसके अलावा उनके पास 11 लाख से अधिक कीमत वाली हार्ले डेविडसन 1200 रोडस्टर बाइक भी है।

# एशियाई महिला चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए भारतीय टीम ने अभ्यास शुरु किया

**नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

11 से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर स्टेडियम में होने वाली एशियाई महिला चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए बेंगलुरु में भारतीय टीम का अभ्यास शिविर शुरु हो गया है। ये शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में 9अक्टूबर तक चलेगा। इस राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भारतीय टीम में शामिल 33 खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

हॉकी इंडिया ने गत दिवस ही इस राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इस शिविर को लेकर कहा, ''राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों को बेहतर करेगा।'' उन्होंने कहा, ''यह शिविर हमें उन क्षेत्रों पर काम करने का अवसर देगा जिनमें सुधार की जरुरत है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार राजगीर में आयोजित की जाएगी। ऐसे में हमारी टीम के लिए घरेलू धरती पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का एक अच्छा अवसर है।''

उन्होंने कहा, ''हम अपने कौशल, फिटनेस, 'टीम वर्क' को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।'' भारतीय महिला टीम ने पिछली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023–24 सत्र में हिस्सा लिया था जिसमें उसने अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन जैसी टीमों का सामना किया था।

# मेरठ मावरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को हराकर यूपी टी20 लीग जीती

### कप्तान माधव ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया

**नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।**

कप्तान माधव कौशिक की आक्रामक बल्लेबाजी से मेरठ मावरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को फाइनल में 5 विकेट से हराकर पहली बार यूपी टी20 ट्रॉफी जीती है। मेरठ को अंतिम ओवर में जीत के लिए 8 रन बनाने थे और कप्तान माधव ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

मेरठ मावरिक्स ने इस मैच में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से रखे गए 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर और चार गेंदों में ही 196 रन बना दिये। कप्तान माधव ने नाबाद 69 रन बनाये जबकि स्वास्तिक चिकारा ने 62 रनों की पारी खेली। दिव्यांश राजपूत ने 24 रन बनाए जबकि रितिक वत्स 20 रन बनाकर नाबाद रहे। कानपुर की ओर से तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।.

कानपुर सुपरस्टार्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान समीर रिज्वी के 57 और शौर्य सिंह के 56 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 190 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज शोएब सिद्दीकी ने 35 रन बनाये जबकि अंकुर मलिक 26 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं मेरठ मावरिक्स की ओर से यश गर्ग ने 4 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

### कोहली को चेतावनी दे स्टार्क ने कहा, मैं मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाता हूं

**नई दिल्ली ।** आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने विराट कोहली के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में खुलकर कहा है कि वह इस भारतीय बल्लेबाज के खिलाफ मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में यह दोनों क्रिकेटर एक बार फिर आमने–सामने आ रहे है। स्टार्क ने कहा कि मैं कोहली के साथ अपनी जंग का पूरा लुत्फ उठाता हूं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने एक–दूसरे के खिलाफ काफी क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि हम दोनों के बीच कुछ अच्छे मुकाबले हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में कोहली को केवल चार बार आउट किया है। जबकि भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज का तेज गेंदबाज के खिलाफ औसत 59 है, स्ट्राइक रेट 59.9 है। भारत ने अब ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। यह श्रृंखला नवंबर, दिसंबर और जनवरी में खेली जाएगी और यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का भी हिस्सा होगी।

# बीते सप्ताह ज्यादातर तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली में गिरावट

**नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार द्वारा बीते सप्ताह खाने के तेलों का आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने का कोई विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 300 रुपये बढ़कर 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 1,225 रुपये बढ़कर 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 125-125 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,135-2,235 रुपये और 2,135-2,250 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 180-135 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,900-4,950 रुपये प्रति क्विंटल और 4,675-4,810 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,235 रुपये, 1,525 रुपये बढ़कर क्रमशः 11,850 रुपये, 11,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल का भाव 250 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 225 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,750 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 475 रुपये की गिरावट के साथ 11,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,310-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### देश के लिए ...

2020 में जो बाइडेन के चुनाव के बाद से ही अमेरिकी डीप स्टेट भारत को अस्थिर करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश कर रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि मोदी के सत्ता में रहते हुए अमेरिका भारत में अपना आधिपत्य नहीं बढ़ा सकता। भारत में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, डोनाल्ड लू और उनकी टीम ने भारत का दौरा किया, लेकिन संदिग्ध रूप से नई दिल्ली के बजाय तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में उतरे। तमिलनाडु द्रविड़ राजनीति के गढ़ के रूप में जाना जाता है और वह एक ऐसा गढ़ है जहां भाजपा स्पष्ट रूप से कमजोर है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पार्टी के नेता वर्षों से द्रविड़-नाडु नाम से एक अलग राष्ट्र की विवादास्पद मांग उठा रहे हैं। तमिलनाडु की यात्रा के दौरान डोनाल्ड लू ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि उन्होंने चेन्नई का दौरा दक्षिण भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए किया था, जिससे डीएमके पार्टी नेताओं के अलगाववादी एजेंडे को बढ़ावा देने का इरादा जाहिर होता है।

भारत को अस्थिर करने की बाइडेन प्रशासन की साजिश के पीछे एक प्रमुख कारण यह है कि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था साल दर साल मजबूत होती जा रही है। साथ ही, देश वैश्विक भू-राजनीति में एक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। भारत की निरंतर प्रगति से पता चलता है कि अगले दशक के भीतर, यह वैश्विक दक्षिण के देशों में पश्चिमी हस्तक्षेप को सीमित करते हुए एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बन सकता है। 2023 में राउल विंसी (राहुल गांधी) ने व्हाइट हाउस में एक गुप्त बैठक की, जहां उन्होंने डोनाल्ड लू और बाइडेन प्रशासन के अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने भारत में लोकतंत्र बहाल करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप की मांग की और भारत के खिलाफ कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। राहुल ने कहा कि भारत में लोकतंत्र को बहाल करना वैश्विक समुदाय के लिए फायदेमंद होगा।

पिछले साल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मोदी उपनाम वाले लोगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा के पश्चिमी और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया कवरेज की धज्जियां उड़ाई थीं। भारत के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (3) के तहत संसद सदस्य के रूप में उनकी स्वतः अयोग्यता हो गई। मार्च 2023 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में एक भाषण के दौरान, राहुल गांधी ने खुद को भारत के आदर्श नेता के रूप में पेश करने का प्रयास किया और पश्चिमी शक्तियों से नरेंद्र मोदी के खिलाफ शासन परिवर्तन अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय राजनीति में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

डोनाल्ड लू, अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी खुफिया विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों से मिलने के अलावा, राहुल गांधी ने जॉर्ज सोरोस और उनके बेटे के साथ भी बैठक की। राहुल ने यह भी दावा किया कि भारत के एक कट्टरपंथी हिंदू देश बनने का खतरा है, जहां मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों को सुनियोजित उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है और पड़ेगा। अमेरिकी डीप-स्टेट और जॉर्ज सोरोस तथा अन्य लोगों की अकूत आर्थिक मदद से राहुल गांधी दिसंबर 2025 तक भारत में शासन परिवर्तन के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। इस साजिश के तहत, वह धीरे-धीरे जाति-जनगणना परियोजना का मसला तेज कर रहे हैं, जिसका इरादा और परिणाम अंततः भारत में 800 मिलियन से अधिक हिंदुओं के भीतर विभाजन पैदा करना है। इसके अलावा, अपनी अमेरिकी यात्रा के तुरंत बाद राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल, पंजाब और भारत के कुछ और राज्यों में कई समूहों के साथ बैठकों की श्रृंखला की योजना बना रहे हैं, जिसमें विभिन्न मांगों के तहत सरकार विरोधी उग्र प्रदर्शन शुरू करने का एजेंडा है।

इसी प्रसंग में उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से एमफिल की डिग्री प्राप्त करने का जो दावा किया है, वह आधिकारिक तौर पर फर्जी पाया गया है। इससे कैम्ब्रिज जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की डिग्री की विश्वसनीयता पर दुनियाभर में सवाल उठ रहे हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय फर्जी दाखिलों का केंद्र बन गया है। इसका उदाहरण अमेरिकी घोटालेबाज कैरोलीन कैलोवे का चौंकाने वाला मामला है। इस प्रकरण ने राहुल गांधी की एमफिल डिग्री को और संदेहास्पद बढ़ा दिया है।

अकादमिक धोखाधड़ी के अन्य हाई-प्रोफाइल मामलों के साथ परेशान करने वाली कई समानताएं क्रमशः उजागर हो रही हैं। अपनी गुप्त गतिविधियों पर बढ़ती और सख्त होती जांच को देखते हुए शीघ्र सत्ता हासिल करने की राहुल गांधी की छटपटाहट और हताशा देश के समक्ष गंभीर चिंता का माहौल पैदा कर रही है। यह सवाल उठ रहा है कि कि अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राहुल गांधी क्या किसी हद तक जा सकते हैं या गिर सकते हैं? अमेरिकी प्रशासन का खुराफाती अधिकारी डोनाल्ड लू इसी महीने भारत पहुंच रहा है। उसकी कई गोपनी बैठकें राहुल गांधी के साथ हो चुकी हैं। बांग्लादेश में भी इसी तरह डोनाल्ड लू ने अराजकता की स्थिति पैदा कर पूरे देश को हिंसा में झोंका और वहां सत्ता परिवर्तन कराया। इस तरह के विदेशी हस्तक्षेप और देश के नस्लदूषित नेताओं के साथ गुप्त गठबंधनों के संभावित परिणाम देश की संप्रभुता और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। आने वाले दिन यह निर्धारित करने के लिए अहम साबित होंगे कि क्या भारत की लोकतांत्रिक नींव इन बाहरी दबावों का सामना कर सकती है या वह भी बांग्लादेश की तरह साजिशों के आगे ढेर हो जाएगा।

### वोट के लिए...

क्रांति और बलिदानों की ये धरती, भगवान बिरसा मुंडा के तप, त्याग और आशीर्वाद की ये धरती है। मैं झारखंड की इस महान धरती को प्रणाम करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज करमा पूजा के उमंग के बीच यहां आने से पहले मुझे झारखंड को विकास की कई बड़ी सौगात देने का सौभाग्य भी मिला। मैं आप सबको करमा पर्व की बधाई देता हूं। आज झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर भी मिले हैं। इनमें से ज्यादातर घर मेरी माताओं-बहनों के नाम पर हैं। आज आपका ये भाई करमा पर्व के अवसर पर अपनी बहनों को अपने पक्के घर का उपहार देकर धन्य हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा, बीते लोकसभा चुनाव में सारा विपक्ष मोदी को हराने के लिए बेचैन था। पूरी जमात, बड़े-बड़े षड़यंत्र, बड़ी-बड़ी साजिशें, झूठ की इतनी बड़ी मशीनरी, देश को बांटने और तोड़ने वाली ताकतें जुटी थीं, लेकिन आपका आशीर्वाद उन सब पर भारी पड़ा। मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद के लिए भी आपका धन्यवाद करता हूं। आज देश के दलित-वंचित, गरीब-आदिवासी और महिलाओं का भरोसा मोदी पर है। आज युवाओं का भरोसा मोदी पर है, मध्यम वर्ग का भरोसा मोदी पर है। झारखंड और भाजपा का रिश्ता सिर्फ एक राजनीतिक रिश्ता नहीं है। ये रिश्ता दिल का है, यह रिश्ता अपनापन का है। झारखंड का सपना भाजपा का अपना सपना है।

पीएम मोदी ने कहा, आकांक्षी जिला योजना के जरिए झारखंड के पिछड़े जिलों के विकास की चिंता किसने की, भाजपा की सरकार ने की। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत किसने की, भाजपा की सरकार ने की। आज भी भाजपा केंद्र में रहकर झारखंड के विकास के लिए पूरे समर्पण और सेवाभाव से काम कर रही है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आप राज्य सरकार में भाजपा को मौका दीजिए, झारखंड के विकास के लिए भाजपा कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, झामुमो और कांग्रेस जैसे दलों को आपका वोट नहीं चाहिए। ये दल मजहब के नाम पर अपना वोटबैंक बनाना चाहते हैं। यही समय है, हमें इस खतरे को यहीं पर रोकना होगा। ये आदिवासी विरोधी हैं। क्या चंपई सोरेन आदिवासी नहीं थे? क्या वे गरीब परिवार से नहीं थे? जिस तरह से सीएम की कुर्सी छीनने के लिए उनका अपमान किया गया, उससे झारखंड का हर गरीब और आदिवासी आहत है। सीता सोरेन को अपमानित करके उनके ही परिवार से बेदखल कर दिया गया। झारखंड की जनता इसका जवाब देगी।

पीएम मोदी ने कहा, इस देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी एक ही है, वह है कांग्रेस पार्टी। इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार एक ही है, वह है कांग्रेस का परिवार। भ्रष्टाचार की सारी धाराएं वहीं से निकलती हैं। ये झामुमो वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं, कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन। झामुमो ने 5 साल में केवल एक ही काम किया है, झारखंड की लूट और चारों तरफ भ्रष्टाचार। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने जल, जंगल और जमीन सबमें भ्रष्टाचार किया है। मैं वादा करता हूं कि झारखंड में कुछ महीनों के बाद जब भाजपा की सरकार बनेगी, एनडीए की सरकार बनेगी तो इन सारे मामलों की जांच करवाई जाएगी। साथियो, वादे करना और उसे पूरा करना यह सिर्फ भाजपा ही करती है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने 70 साल और उससे अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को मुफ्त इलाज की गारंटी दी थी। कुछ दिन पहले ही हमारी सरकार ने उस फैसले पर मुहर लगा दी है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के रांची से 660 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की वर्चुअल (डिजिटल या ऑनलाइन) माध्यम से शुरुआत की। पीएम मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाइपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुरकुरा-कनारोन दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की। उन्होंने छह नई वंदे भारत ट्रेनों की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर छह वंदे भारत ट्रेनों को रवाना किया। इन ट्रेनों से संपर्क सुविधा, सुरक्षित यात्रा और यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी। इन नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के बाद इनकी संख्या 54 से बढ़कर अब 60 हो गई है। इस तरह वंदे भारत ट्रेनें रोज 120 फेरों के जरिए 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 280 से अधिक जिलों को कवर करेंगी।

नई ट्रेनें, जिन छह नए मार्गों को कवर करेंगी, वे टाटानगर-पटना, ब्रह्मपुर-टाटानगर, राउरकेला-हावड़ा, देवघर-वाराणसी, भागलपुर-हावड़ा और गया-हावड़ा हैं। यानी आज की छह वंदे भारत ट्रेनें बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के यात्रियों के सफर को आसान बनाएंगी। पहली वंदे भारत ट्रेन 15 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी। यह ट्रेनें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की क्षमता रखती हैं। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर 2024 तक 54 ट्रेनों (अन-डाउन मिलाकर 108 फेरे) के बेड़े के साथ वंदे भारत ने कुल मिलाकर लगभग 36,000 यात्राएं पूरी की हैं और 3.17 करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया है। मूल वंदे भारत ट्रेन सेट अब वंदे भारत 2.0 में बदल गया है, जिसमें तेज गति, कवच, एंटी-वायरस सिस्टम और वाईफाई जैसी और भी उन्नत सुविधाएं हैं।

### वंदे भारत के साथ...

उन्होंने कई अहम परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें कुरकुरा-कनारोअन दोहरीकरण परियोजना भी शामिल है। यह बंडामुंडा-रांची सिंगल लाइन खंड का हिस्सा है और रांची, मुरी एवं चंद्रपुरा स्टेशनों के रास्ते राउरकेला-गोमोह मार्ग को भी जोड़ती है।

पीएम मोदी ने संबोधन के दौरान अपने कान पर एक जावा लगा रखा था। इससे जुड़ा दिलचस्प किस्सा खुद उन्होंने लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि आज बहुत ही मंगल दिन है। इस समय झारखंड में प्रकृति पूजा के पर्व कर्मा की उमंग है। आज सुबह जब मैं रांची एयरपोर्ट पर पहुंचा तो एक बहन ने करमा पर्व के प्रतीक जावा से मेरा स्वागत किया। इस पर्व में बहनें नई फसलों की कोपलें भाई के कान में लगा कर अपने भाई की कुशलता की कामना करती हैं। मैं झारखंड के लोगों को करमा पर्व की बधाई देता हूं। आज इस शुभ दिन झारखंड को विकास का नया आशीर्वाद मिला है। छह नई वंदे भारत ट्रेनें, 650 करोड़ से ज्यादा की रेलवे परियोजनाएं, कनेक्टिविटी, यात्रा सुविधाओं में सुधार और इन सब के साथ-साथ झारखंड के हजारों लोगों को पीएम आवास योजा के तहत अपना पक्का घर, मैं झारखंड की जनता जर्नादन को इन सभी विकास कार्यों के लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि अब देश की प्राथमिकता देश का गरीब है। अब देश की प्राथमिकता देश का आदिवासी है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है। अब देश की प्राथमिकता महिलाएं हैं, युवा हैं, किसान हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इन ट्रेनों से कारोबारियों, छात्रों को बहुत लाभ होगा। इससे यहां आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी तेज होंगी। पीएम ने कहा कि देशभर के आदिवासी भाई-बहनों के लिए पीएम जनमन योजना चलाई जा रही है। इस योजना के माध्यम से उन जनजातियों तक पहुंचने की कोशिश हो रही है, जो बहुत पिछड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज झारखंड भी उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 50 से अधिक रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प किए जा रहे हैं।

### नैतिक वजह होती...

इनके अलावा दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय का नाम भी चर्चा में है। सीएम पद की रेस में कैलाश गहलोत भी नाम चल रहा है। आपा विधायक कुलदीप कुमार का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के नाम की अटकलें भी हैं। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि विधायकों की बैठक होगी और उसमें फैसला लिया जाएगा कि सीएम कौन होगा।भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे को नौटंकी बताया और कहा कि केजरीवाल अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नौटंकी कर रहे हैं। भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल राजनीतिक पैंतरेबाजी के उस्ताद हैं। केजरीवाल जब तिहाड़ जेल में थे तभी उन्हें अपना इस्तीफा दे देना चाहिए था। वह जानबूझकर इस्तीफे की बात कर रहे हैं क्योंकि सहानुभूति पाने का उनके पास यही एकमात्र तरीका है। भाजपा के सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देने के लिए दो दिन का समय मांगा है। इन दो दिनों में वह विधायकों को मनाएंगे कि उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाए। सिरसा ने कहा कि केजरीवाल का यह एक और राजनीतिक स्टंट है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान कहा कि अगर किसी को लगता है कि इस धोखे से समस्या का समाधान होगा, तो यह समाधान नहीं बल्कि समाधान का एक विकल्प है और उससे ज्यादा यह मुश्किलें पैदा करेगा। दो दिनों के भीतर केजरीवाल का इस्तीफे का ऐलान उनकी इच्छा है। अगर वे जेल में भी मुख्यमंत्री रह सकते हैं, तो बाहर भी रह सकते हैं। और भी मुद्दे हैं, जिन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि राजनीति में आने वाले समय में गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है।

अरविंद केजरीवाल को सिविल लाइंस स्थित उनके आवास से 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 10 दिन की पूछताछ के बाद एक अप्रैल को उनको तिहाड़ जेल भेज दिया गया। बाद में जेल में ही 26 जून को सीबीआई ने इसी मामले में पूछताछ के लिए गिरफ्तार कर लिया। करीब 51 दिन बाद 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिन के लिए अंतरिम जमानत दी थी। मकसद लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने का था। दो जून को केजरीवाल ने सरेंडर कर दिया था। ईडी की गिरफ्तारी के बाद से सीधे अगर शुक्रवार 13 सितंबर को केजरीवाल की रिहाई हो रही होती तो उनको 177 दिन में काटने पड़ते, लेकिन 21 दिन की रिहाई को कम करने से जेल में रहने वाले दिनों की संख्या 156 दिन बैठती है। केजरीवाल अपने तिहाड़ प्रवास के दौरान नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे सकते थे।

### विपक्ष के वरिष्ठ...

क्योंकि यह उनके विचारों के खिलाफ था।

नागपुर में पत्रकारिता से जुड़े अवार्ड कार्यक्रम में बोलते हुए नितिन गडकरी ने कहा, विपक्ष के एक सीनियर नेता ने प्रधानमंत्री पद के ऑफर के साथ मुझे अप्रोच किया। मुझे बताया गया कि अगर मैं सहमति दे दूंगा तो वे मुझे प्रधानमंत्री बनाने के लिए काम करेंगे। गडकरी ने कहा, मैंने तुरंत ही इस ऑफर को रिजेक्ट कर दिया। मैंने उस नेता से साफ कहा कि मैं विचारधारा में विश्वास रखने वाला व्यक्ति हूं। मैंने हमेशा सिद्धांतों पर काम किया है और उनके अनुसार ही जीवन जिया है।

गडकरी ने कहा, मैंने यह क्लियर कर दिया कि मैंने कभी देश का पीएम बनने की महत्वाकांक्षा नहीं रखी। इसलिए किसी भी ऑफर को स्वीकार करने का सवाल ही नहीं उठता। मेरी परवरिश ऐसे हुई है कि मैं कुछ सिद्धांतों और विश्वासों पर जीता हूं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि इस दौरान नितिन गडकरी ने किसी भी विपक्षी नेता का नाम नहीं लिया और न कोई संकेत किया। भाजपा में ही कई नेताओं के लिए उनकी तरफ से किया गया खुलासा शॉकिंग था। नितिन गडकरी की गिनती उन भाजपा नेताओं में होती है, जिनकी भले ही आरएसएस में गहरी जड़ें हों लेकिन देश में विपरीत विचारधारा वाला नेताओं से भी उनके मधुर संबंध हैं। महाराष्ट्र में नितिन गडकरी के उद्धव ठाकरे और शरद पवार से भी अच्छे संबंध हैं। गडकरी को कई बार विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शरद पवार के साथ मंच साझा करते देखा गया है।

### दोषियों की सजा...

वकील इस स्थिति से अवगत थे, लेकिन 19 जुलाई 2024 को एक गलत बयान दिया गया कि सभी याचिकाकर्ताओं सजा की अवधि समाप्त नहीं हुई है। पीठ ने कहा इस मामले में जुर्माना लगाया जाना चाहिए। लेकिन हम याचिकाकर्ताओं को उनके वकीलों द्वारा की गई गलतियों के लिए दंडित नहीं कर सकते।सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि चार याचिकाकर्ताओं ने एक मामले में 14 साल की सजा बिना छूट के काट ली है। जबकि मामले में दिल्ली सरकार ने हलफनामा दायर किया था कि चार में से दो कैदियों ने सजा में छूट पाने के लिए 14 साल की सजा पूरी नहीं की है। पीठ ने कहा कि याचिका में गलत बयान दिया गया कि सभी चार याचिकाकर्ताओं ने वास्तविक 14 साल की सजा काट ली है।पीठ ने दिल्ली सरकार को चार याचिकाकर्ताओं में से एक के मामले में छूट के लिए विचार करने का निर्देश दिया। जिसने लागू नीति के अनुसार 14 साल जेल में काटे हैं और दो अन्य को राहत देने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्होंने 14 साल पूरे नहीं किए। चौथे दोषी के मामले पर राज्य सरकार ने सजा माफी पर विचार किया था, लेकिन इन्कार कर दिया। पीठ ने भी चारों दोषियों की सजा माफी की याचिका खारिज कर दी।

इसके अलावा एक और मामले में पीठ ने पाया कि हत्या के आरोप में दोषी पाए गए पांच अपराधियों को लेकर भी कोर्ट में गलत बयान दिए गए। याचिका में कहा गया था कि पांचों दोषियों को हत्या के आरोप में दोषी पाया गया है। जबकि अदालत ने पाया कि उनमें से दो को अन्य अपराधों के लिए भी दोषी ठहराया गया। एक को शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था और दूसरे को फिरौती के लिए अपहरण और सबूत नष्ट करने के अपराध के लिए भी दोषी ठहराया गया था। पीठ ने कहा कि समयपूर्व रिहाई के लिए आदेश मांगने वाली याचिका में अपराध की प्रकृति बहुत ही महत्वपूर्ण विचार है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह छूट के लिए मामलों को देखे और इसके बाद आदेश पारित करे।

### नर्मदा किनारे धार्मिक ...

उपभोक्ता-संचालित जीवनशैली में प्रकृति और पर्यावरण को होने वाले नुकसान ने नदियों और अन्य जल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। जिससे उन्हें इन प्रभावों से बचाना आवश्यक हो गया है। नर्मदा नदी के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके किनारे कुल 21 जिले, 68 तहसील, 1138 गांव और 1126 घाट के साथ-साथ 430 प्राचीन शिव मंदिर और दो शक्ति पीठ हैं।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्मदा नदी में मशीनों से होने वाली खनन गतिविधियों को पूरी तरह प्रतिबंधित करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि नर्मदा दुनिया अकेली ऐसी नदी है, जिसकी भक्त परिक्रमा करते हैं। इसकी महत्ता को देखते हुए इसको प्रमुख धर्म और पर्यटन स्थल के रुप में विकसित किए जाने की जरुरत है। नर्मदा नदी पर मौजूद परिक्रमा स्थलों को चिह्नित करके स्थानीय पंचायतों और समिति के जरिए इसके बुनियादी ढांचों को विकसित करने का भी मुख्यमंत्री ने आदेश दिया। सीएम मोहन यादव ने स्थानीय युवकों और स्वयं सहायता समूहों के परिक्रमा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के खाने की व्यवस्था और होमस्टे जैसे इंतजाम करने के लिए प्रोत्साहित करने की जरुरत पर जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि नर्मदा नदी न सिर्फ मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के लोगों के लिए धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। यह मध्य प्रदेश के एक बहुत बड़े भू-भाग की प्यास बुझाती है और लाखों लोगों की आजीविका का साधन है। नर्मदा नदी की कुल लंबाई 1312 किलोमीटर है, जबकि इसका 1079 किलोमीटर यह सिर्फ मध्य प्रदेश में बहती है। मोहन सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अधिकारी नर्मदा परिक्रमा, जो नदी के चारों ओर एक आध्यात्मिक तीर्थस्थल है। उसको एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन आकर्षण के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

### भारत का विदेशी...

अनुमानों के मुताबिक, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब करीब एक वर्ष की अनुमानित आयात लागत को कवर करने के लिए पर्याप्त है। कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 58 अरब डॉलर की वृद्धि की थी। इसके विपरीत 2022 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कुल 71 अरब डॉलर की कमी आई थी। विदेशी मुद्रा भंडार को फॉरेक्स रिजर्व भी कहा जाता है। यह हर देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा रखी गईं संपत्तियां होती हैं। ये आमतौर रिजर्व मुद्राओं में रखी जाती हैं, जैसे अमेरिकी डॉलर, यूरो, जापानी येन, पाउंड आदि। आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजारों की निगरानी करता है और बाजार की स्थिति व्यवस्थित रखने के लिए दखल देता है। यह बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने की भी कोशिश करता है। आरबीआई आमतौर पर डॉलर की बिक्री के जरिए लिक्विडिटी प्रबंधन में भी हस्तक्षेप करता है, ताकि रुपए की भारी गिरावट को रोका जा सके। एक दशक पहले भारतीय रुपया एशिया की अस्थिर मुद्राओं में से था। लेकिन अब, यह सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक बन चुका है। यह बदलाव भारती बढ़ती आर्थिक ताकत और भारतीय रिजर्व बैंक के प्रभावी प्रबंध का प्रमाण है।

### सांसद अमृतपाल...

छापेमारी के दौरान घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और परिवार के मोबाइल फोन, लैपटॉप, डीवीआर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में ले लिया गया।गौरतलब है कि पिछले साल खालिस्तान समर्थक भीड़ ने ओटावा में भारतीय उच्चायोग पर दो ग्रेनेड फेंकते हुए हमला किया था। इसके बाद जांच एजेंसियों ने इस मामले में कुछ लोगों की शिनाख्त की। बाद में इस मामले में पाकिस्तान की संलिप्ता पर भी शंका हुई और मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ले ली। एनआईए के हवाले से पता चला कि अमरजोत सिंह ने खालिस्तान समर्थक भीड़ का नेतृत्व किया था। उसने ये तब किया था जब

# 853 साल पुराना माता का मंदिर

झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित माता कल्याणेश्वरी का मंदिर सदियों से श्रद्धा और आस्था का केंद्र रहा है। यह प्राचीन मंदिर 'सिद्धपीठ' के रूप में विख्यात है और देशभर से श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी कल्याणेश्वरी के दर्शन करने यहां पहुंचते हैं। यह मंदिर देवी कल्याणेश्वरी को समर्पित है और इसे भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान शिव अपनी पत्नी देवी सती के शव को लेकर शोक में घूम रहे थे, तब उनके शरीर के विभिन्न अंग पृथ्वी पर गिरे। माना जाता है कि इस स्थान पर देवी सती का बायां हाथ गिरा था और तभी से इस स्थान को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है।

माता कल्याणेश्वरी का मंदिर 12वीं शताब्दी का है। जिसे राजा चंद्रकेतु ने बनवाया था। यह प्राचीन मंदिर हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इस मंदिर की निर्माण शैली बंगाली वास्तुकला से प्रभावित है। मुख्य मंदिर में देवी कल्याणेश्वरी की मूर्ति स्थापित है, जिसमें उन्हें बैठी हुई मुद्रा में दर्शाया गया है। इस मूर्ति के चारों ओर देवी दुर्गा, भगवान शिव, गणेश, विष्णु और लक्ष्मी जैसे अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी स्थापित हैं। जो इस स्थान को और अधिक पवित्र बनाती हैं। मंदिर का गर्भगृह विशेष रूप से देवी कल्याणेश्वरी के पूजन के लिए है, जहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं।

इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यह पूरा मंदिर एक ही पत्थर से निर्मित है। मंदिर की दीवारों और छत के बीच कोई जोड़ नहीं दिखता है, जिसे देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं। इसे लेकर एक मान्यता यह भी है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने किया है। मंदिर के गर्भगृह, मंदिर तालाब और पूजा हॉल की संरचना अत्यंत मनोहारी है। दीवारों व छत पर की गई जटिल नक्काशी बंगाली वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। यहां आने वाले भक्त इन भव्य कलाकृतियों को देखकर मंदिर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना करते हैं।

मंदिर के साथ जुड़ी एक और प्राचीन परंपरा है जो इसे और खास बनाती है। मंदिर परिसर में स्थित एक नीम का पेड़ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि इस पेड़ के नीचे एक साधक ने साधना की थी और तभी से यह पेड़ भक्तों की मुरादें पूरी करने के लिए जाना जाता है। श्रद्धालु इस पेड़ पर पत्थर बांधते हैं और अपनी मनोकामनाएं माता के समक्ष प्रस्तुत करते हैं। जब उनकी मुराद पूरी हो जाती है, तो वे पुनः मंदिर में आकर देवी के दर्शन करते हैं। नीम के पेड़ से बंधे पत्थर को खोलकर पास की नदी में प्रवाहित कर देते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। आज भी यहां आने वाले भक्तों के बीच यह आस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी बनी हुई है।

## जहां पत्थर बांधने से मनोकामना होती है पूर्ण, जानें मान्यता

माता कल्याणेश्वरी के मंदिर का इतिहास लगभग 853 वर्ष पुराना है। मंदिर के इतिहास और निर्माण से जुड़ी कई लोक कथाएँ और मान्यताएँ प्रचलित हैं। कहा जाता है कि यह मंदिर स्वयं प्रकट हुआ था और इसके निर्माण में मानव का कोई हाथ नहीं था। इस अद्भुत मंदिर को लेकर यह मान्यता है कि यहां देवी स्वयं विराजमान हैं। जो भी सच्चे मन से यहां आकर पूजा करता है। उसकी सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर की दिव्यता और आध्यात्मिक शक्ति के कारण यहां न केवल स्थानीय लोग, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में आते हैं। इस मंदिर का उल्लेख प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है, जो इसके धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और भी बढ़ाता है।

माता कल्याणेश्वरी का मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है, जिससे इसका धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। शक्तिपीठों का विशेष स्थान हिंदू धर्म में है, और माता सती के अंग जहाँ-जहाँ गिरे थे, वे स्थल विशेष पूजा के केंद्र बने। माता कल्याणेश्वरी का मंदिर भी ऐसा ही एक पवित्र स्थान है, जहां देवी के बाएं हाथ का गिरना माना जाता है। यहां देवी की पूजा करने से व्यक्ति को विशेष रूप से आशीर्वाद प्राप्त होता है। जीवन के कष्टों का निवारण होता है। शक्तिपीठ होने के कारण यहां पर भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ लगी रहती है। विशेषकर नवरात्रि और अन्य त्यौहारों के अवसर पर।

माता कल्याणेश्वरी का मंदिर धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। यह न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यहां आने वाले लोगों को एक आध्यात्मिक शांति भी प्रदान करता है। इसके साथ ही, यह मंदिर वास्तुकला और इतिहास के दृष्टिकोण से भी एक महत्वपूर्ण धरोहर है। वर्षों से यहाँ आने वाले श्रद्धालु माता कल्याणेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति को अर्पित करते आ रहे हैं और यहाँ की धार्मिक परंपराएं आज भी उसी भव्यता और श्रद्धा के साथ निभाई जा रही हैं।

# बौरहा बाबा के रूप में यहां विराजमान हैं भगवान भोलेनाथ

## प्रभु श्रीराम भी कर चुके हैं प्रवास, भक्तों के लिए है बेहद खास

यूपी के आजमगढ़ में कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठा होती है । लोग दूर-दूर से अपनी श्रद्धा और आस्था की पूर्ति के लिए धार्मिक केन्द्रों पर आते हैं। इसी तरह आजमगढ़ के रेलवे स्टेशन के समीप बौरहा बाबा का आश्रम है, जो लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

यहां दूर- दराज के लोग पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। आश्रम परिसर में भगवान भोलेनाथ का मंदिर भी है। यहां विशाल शिवलिंग भी विराजमान है। मान्यता है कि मंदिर में प्राचीन समय से ही शिवलिंग स्थापित है।

**भगवान राम ने किया था प्रवास**

भगवान शिव ने इसी स्थान पर बौरहा रूप धारण किया था। यहीं शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ है। जब भगवान भोलेनाथ ने अपना विकराल रूप धारण किया था और विषपान के बाद बौरहा बाबा के रूप में इस स्थान पर तपस्या में लीन हुए थे। तभी से लेकर आज तक इस स्थान को बौरहा बाबा के स्थान के नाम से जाना जाता है। आस-पास के क्षेत्र से लोग प्रतिदिन यहां पर आकर शिवलिंग पर जल एवं दूध से अभिषेक करते हैं। इसके अलावा मंदिर में स्थित बौरहा बाबा की प्रतिमा के दर्शन-पूजन भी किए जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान राम जनकपुर जाते वक्त जब तमसा नदी के पास प्रवास किया था, उस वक्त भगवान राम इस स्थान से होकर गुजरे थे।

यह आश्रम सतयुग के समय का है। भगवान भोलेनाथ के बौरहा रूप का दर्शन करने के लिए भगवान राम ने इस स्थान पर जनकपुर जाते समय प्रवास किया था। उन्होंने बताया कि मंदिर के संरक्षण के लिए प्रशासन किसी भी तरीके की मदद नहीं करता है।

मंदिर का विकास जो भी हुआ है, वह यहां पर आने जाने वाले श्रद्धालुओं की मदद से संभव हो पाया है। रेलवे स्टेशन के समीप होने के कारण मंदिर क्षेत्र एवं मंदिर की जमीन पर पहले रेलवे का भी हस्तक्षेप हुआ करता था, लेकिन आस-पास के लोगों और श्रद्धालुओं के विरोध के बाद मंदिर परिसर की जगह को संरक्षित किया जाना संभव हो सका।

# यहां मां के दरबार में पत्थर से घर बनाने पर बन जाता है भक्तों का घर

## महाभारत काल से जुड़ा है इतिहास

भारतीय हिंदू परंपरा में ऐसे कई मंदिर मौजूद हैं, जिनसे जुड़ी अनेकों मान्यताएं हैं। नागौर और सीकर की अंतिम सीमा पर स्थित भारीजा गांव में एक ऐसा मंदिर है जिसका इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है। बताया जाता है कि इस मंदिर में पांडवों ने विश्राम किया था। यह मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। नवरात्रि के समय यहां भक्तों का हुजूम उमड़ता है। भारीजा माता का मंदिर धार्मिक तथा पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जय अम्बे विकास समिति भारीजा के सचिव बंजरग सिंह शेखावत ने बताया कि पहाड़ों वाली माता की पूजा लगभग 18वीं सदी में सर्वप्रथम कुमावत परिवार की एक महिला ने शुरू की थी। इस माता को अग्रवाल समाज की कुलदेवी भी कहा जाता है। इस माता को जात और जडुला के लिए भी दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय बुजुर्गों ने बताया कि 1970 तक यहां इस गुफा में शेर रहता था। पांडवों ने वनवास काल में कुछ समय यहां बिताए थे।

भारीजा माता का मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। माता के मंदिर तक पहुंचाने के लिए आम श्रद्धालुओं के लिए सीढ़ियां बनाई गई है। इसके अलावा चौपहिया वाहनों के लिए भी पहाड़ को काटकर सड़क बनाई गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहाड़ी पर चढ़ते समय पहाड़ी के छोटे-छोटे पत्थर से घर बनाए जाते हैं। इसको लेकर मान्यता है कि जो भक्त जितनी मंजिल का पत्थरों से घर बनाता है आगे चलकर उसका उतना बड़ा ही घर बनता है। नवरात्रि के समय भारिजा माता मंदिर में 9 दिन तक विशेष आयोजन होते हैं। आयोजन में दिल्ली और मुंबई से विभक्त माता के मंदिर में आते हैं। ग्रामीणों के द्वारा माता के मंदिर में 9 दिन तक अखंड ज्योत जलाई जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर की ज्योत की रक्षा माता के रक्षक करते हैं। आपको बता दे की कई धारावाहिक कार्यक्रमों की शूटिंग भी इस मंदिर में हो चुकी है।

# अनोखा मंदिर! यहां मामा की होती है पूजा

## 1 हजार साल पुरानी है यह परंपरा

बसामन मामा मंदिर मध्य प्रदेश के रीवा जिले के शांत परिदृश्य के बीच स्थित है। यह ऐतिहासिक भव्यता के साथ-साथ आध्यात्मिक भक्ति को भी दर्शाता है। यह मंदिर अपने रहस्यमय आकर्षण और स्थापत्य कला की भव्यता के कारण सदियों से निवासियों और पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी स्थापना 13वीं शताब्दी में हुई थी।

लोकदेवता बसामन मामा ने लगभग 8वीं शताब्दी से पहले इसी भूमि में पर्यावरण की रक्षा के लिए आत्म बलिदान दिया था। लोक मान्यता के अनुसार यहां पर पीपल के एक वृक्ष को अनाथ बालक ने अपना पिता और उसके नीचे स्थित चबूतरे को अपना आश्रय स्थल बना रखा था। इस वृक्ष की रक्षा के लिए हमेंशा तत्पर रहने वाले बसामन मामा इस अंचल में लोकप्रिय हुये। कहा जाता है कि उन्होंने साधना कर कुछ सिद्धियां प्राप्त की थी जिससे दूर दूर तक उनके प्रति लोक आस्था थी।

एक बार राजा के सैनिकों ने अपने पड़ाव में शामिल हाँथियों के खाने के लिए उस पीपल के वृक्ष को काटने की चेष्टा की जिसका प्रतिरोध बसामन मामा ने किया। तत्कालीन राजा ने इसे अपना अपमान समझ कर बसामन मामा को दण्डित करने का निश्चय लिया, जिसके लिए उन्होंने ने उस पीपल के वृक्ष को काटने की कुचेष्टा करके बसामन मामा को अपमानित किया। तब बसामन मामा ने अपनी सिद्धियों से उस पेड़ को बचाये रखने के लिए सैनिकों से मुकाबला किया। लेकिन राजा के एक

षड़यंत्र के तहत जब बसामन मामा विवाह करने के लिए अपने ससुराल गए उसी रात राजा ने पीपल के उस वृक्ष को जड़ मूल से नष्ट करवा दिया। अगली सुबह बसामन मामा जब दूल्हे के रूप में वापस लौटे तो कटे हुए पीपल के वृक्ष देख कर क्रोध अग्नि में जलने लगे और राजा को इस हत्या के लिए श्राप देते हुए अपनी ही कटार से आत्माहुति दे दी।

बसामन मामा के सिद्धियों के तेज से राजा का विनाश हो गया था। राजा की एक रानी मायके में थी और वंश नाश की सूचना पर महल लौट रही थी रोते हुए उसी समय उसकी मुलाकात बीच रास्ते में घायल बसामन से हुई। रानी के पांच वर्ष के बालक ने बसामन को मामा प्रणाम कह दिया। जिससे बसामन का कलेजा पसीज गया और आंसू भरे नेत्र से उस वालक को जीवन दान दिया। स्वंम मामा के नाम से अंतर्ध्यान हो गए।

इस घटना के बाद उन्हें बसामन से बसामन मामा की ख्याति मिली। इसी कटे पीपल के वृक्ष के नीचे उनकी समाधि है। जिसको स्थानीय लोग पूजते हैं। लोक मान्यता है कि इस सुरम्य वन अंचल के पर्यावरण संरक्षण में बसामन मामा की प्रेरणा और कृपा बनी हुई है।

# नवदुर्गा चामुंडा माताजी का 600 साल पुराना है इतिहास, जानें दिलचस्प कहानी

पोरबंदर जिला अपने प्राचीन शिवालयों और माताजी के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, जिनका एक समृद्ध इतिहास है। इसी क्रम में पोरबंदर से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित देगाम गांव में स्थित नवदुर्गा चामुंडा माताजी का मंदिर भी एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। पोरबंदर जिले में कई चामुंडा माताजी के मंदिर हैं, लेकिन देगाम में स्थित यह मंदिर अपने आप में अनूठा है। इस मंदिर के साथ-साथ मेहर समाज ने यहां एक भव्य समाज भवन का भी निर्माण किया है, जिसमें विवाह और अन्य कार्यक्रमों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं।

देगाम गांव का इतिहास लगभग 550 साल पुराना है, और यह मंदिर 600 वर्ष से भी अधिक पुराना माना जाता है। देगाम की कुल जनसंख्या लगभग 7,000 है, और इस गांव के हर समुदाय के लोग चामुंडा माताजी में गहरी आस्था रखते हैं। 2012 में इस मंदिर का पुनर्विकास कार्य शुरू हुआ था, और आज यह धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का प्रमुख केंद्र है।

इस मंदिर की कुल भूमि 25 बीघे में फैली हुई है, जहां ग्रामीण धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। मानदास बापू ने वर्षों तक इस मंदिर में पूजा-अर्चना की, और उनकी याद में यहां उनकी प्रतिमा भी स्थापित की गई है, जहां श्रद्धालु आकर उनके सामने सिर झुकाते हैं। इसके अलावा, मंदिर परिसर में एक प्राचीन शिव मंदिर और रामदेवपीर का मंदिर भी है, जो श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र है।

देगाम और आसपास के गांवों के लोग इस मंदिर के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। यहां हर माह बीजा का आयोजन श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस मंदिर में चामुंडा माताजी की प्रतिमा के साथ अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ भी स्थापित हैं, जिससे यह स्थल नवदुर्गा की पूजा के लिए भी प्रसिद्ध है।

यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि इसके आसपास के सदियों पुराने पेड़ और मंदिर की ऐतिहासिकता इसे और भी विशेष बनाते हैं। पोरबंदर के देगाम में स्थित यह नवदुर्गा चामुंडा माताजी का मंदिर श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां हर साल हजारों लोग अपनी श्रद्धा अर्पित करने आते हैं।

# यहां है भगवान वामन का प्राचीन मंदिर

## आस्था का है बड़ा केन्द्र, दर्शन मात्र से मुरादें होती हैं पूरी

आध्यात्मिक मान्यताओं और देवी-देवताओं की तपोस्थली के रूप में विंध्यक्षेत्र का नाम प्राचीनकाल से लिया जाता रहा है। इस क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक मंदिरों का उल्लेख विभिन्न पुराणों में मिलता है, जो इस स्थान की धार्मिक महत्ता को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में भगवान वामन महराज का मंदिर भी इसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्राचीन मंदिर भगवान विष्णु के पांचवें अवतार वामन देवता को समर्पित है। मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन मात्र से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। हालांकि, इस मंदिर के निर्माण का कोई सटीक ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है।

यह मंदिर अपनी धार्मिक मान्यताओं और वास्तु के लिए प्रसिद्ध है। भक्त यहां अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते हैं और मान्यता है कि भगवान वामन उनकी सभी इच्छाए पूरी करते हैं। मंदिर में भगवान की भव्य आरती प्रतिदिन सुबह और शाम को होती है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होते हैं। हर साल सितंबर में वामन द्वादशी के अवसर पर यहां एक विशेष महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में भक्त भाग लेते हैं। डॉ. शर्मा के अनुसार भगवान विष्णु ने राजा बलि के अहंकार को समाप्त करने के लिए वामन रूप धारण किया था। कथा के अनुसार वामन भगवान ने तीन पग भूमि मांगी थी, जिसमें उन्होंने दो पगों में धरती और आकाश को नाप लिया और तीसरे पग में राजा बलि ने अपना सिर अर्पित कर दिया। इस घटना के बाद राजा

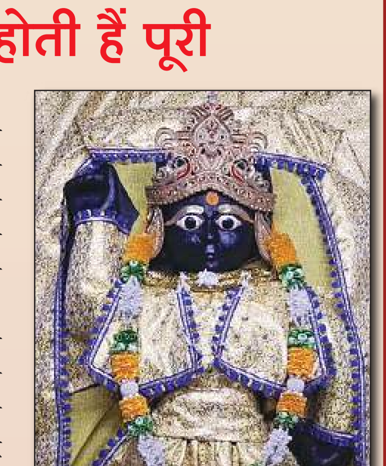

बलि पाताल लोक चले गए। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि रक्षाबंधन का पर्व भी वामन भगवान से जुड़ा हुआ है। राजा बलि ने भगवान विष्णु से वरदान मांगा था कि जब भी वह अपनी आंखें खोलें, सबसे पहले उन्हें विष्णु का दर्शन हो। इस वरदान के चलते विष्णु पाताल लोक में राजा बलि के साथ रहने लगे। भगवान विष्णु के पाताल जाने के बाद लक्ष्मी माता चिंतित हो गईं और उन्होंने राजा बलि को भाई बनाकर रक्षा बांधी। इसके बाद राजा बलि ने भगवान विष्णु को मुक्त कर दिया।

भगवान वामन का यह मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां आने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। संदीप कने बताया कि जब भी समय मिलता है यहां दर्शन के लिए आते हैं, क्योंकि यहा सच्चे मन से की गई प्रार्थनाएं हमेशा सफल होती है। भगवान वामन महराज का यह मंदिर ना केवल आध्यात्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी है, जो इस क्षेत्र को और भी विशिष्ट बनाता है।

# रजनीकांत की फिल्म कुली से श्रुति हासन का फर्स्ट लुक आउट

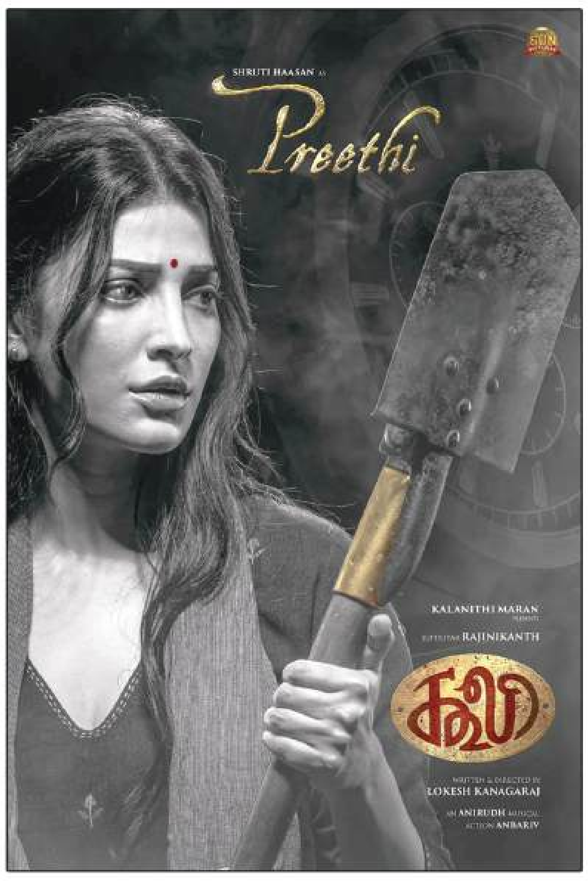


साउथ मेगास्टार रजनीकांत अपनी अगली फिल्म कुली की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। शूटिंग के बीच मेकर्स ने फिल्म से श्रुति हासन का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ ही, एक्ट्रेस के किरदार के बारे बताया है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से नागार्जुन का फर्स्ट लुक जारी किया था।कुली के मेकर्स ने फैंस को श्रुति हासन के किरदार से रूबरू कराया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का धांसू पोस्टर जारी किया है, जिसे श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। मेकर्स ने श्रुति का फर्स्ट लुक साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, कुली की दुनिया से प्रीति के रूप में श्रुति का परिचय। एक्ट्रेस का नया पोस्टर उनके एनर्जेटिक किरदार को दर्शाता है। साथ ही आधिकारिक तौर पर फिल्म में उनकी

## हटकर है साउथ की हसीना का किरदार

एंट्री को चिह्नित करता है।मेकर्स ने हाल ही में द्वारा आधिकारिक घोषणा से पहले, यह पुष्टि की थी कि श्रुति हासन फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक डिलीटेड स्टोरी में एक्ट्रेस ने कुली के सेट पर अपना पहला दिन साझा किया था।श्रुति हासन से पहले मेकर्स ने फिल्म से नागार्जुन अक्किनेनी और मंजुम्मेल बॉयज फेम सौबिन शाहिर को आधिकारिक तौर पर पेश किया था। नागार्जुन साइमन की भूमिका निभाते दिखेंगे, जबकि शाहिर ने दयाल नाम के किरदार नजर आएंगे।दिलचस्प बात यह है कि लोकेश कनगराज की निर्देशित फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान कैमियो करते दिख सकते हैं। हालांकि, अभी तक उनके बीच कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो यह 1995 की फिल्म आतंक ही आतंक के बाद रजनीकांत के साथ आमिर खान की दूसरी फिल्म होगी।रजनीकांत, श्रुति, नागार्जुन के अलावा , फिल्म में अमिताभ बच्चन, फहाद फासिल, राणा दग्गुबाती, जैसे कलाकारों की टोली मुख्य भूमिकाओं में है। यह फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# माचो स्टार गोपीचंद स्टारर विश्वम का बेहद मनोरंजक टीजर जारी

## 11 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक श्रीनु वैतला कमर्शियल एंटरटेनर बनाने में माहिर हैं। वे कॉमेडी को हैंडल करने में खास तौर पर माहिर हैं। निर्देशक फिलहाल स्टाइलिश एक्शन और पारिवारिक मनोरंजक फिल्म विश्वम बना रहे हैं, जिसमें माचो स्टार गोपीचंद मुख्य भूमिका में हैं। आज निर्माताओं ने प्रमोशन की शुरुआत करने के लिए फिल्म का टीजर जारी किया।टीजर की शुरुआत नरेश की आवाज से होती है, उसके बाद गोपीचंद और काव्या थापर के किरदारों का परिचय होता है। उनकी विपरीत भूमिकाएं कॉमेडी की चिंगारी का वादा करती हैं। इसके बाद टीजर में प्रमुख कलाकारों के साथ कॉमेडी के कई दृश्य दिखाए गए हैं, जो बाद के हिस्से में एक्शन और रोमांचकारी तत्वों में बदल जाते हैं।श्रीनु वैतला मनोरंजन और एक्शन के बीच संतुलन बनाते हुए अपने अंदाज में वापस आ गए हैं।

मजाकिया संवाद और कॉमेडी और एक्शन का मिश्रण इसे एक आशाजनक कमर्शियल आउटिंग बनाता है।गोपीचंद बेहद स्टाइलिश दिखाई देते हैं और अपनी भूमिका में चमकते हैं, जिसमें कॉमेडी के साथ उनकी हमेशा की तरह तीव्रता भी है। काव्या थापर ने अपने ग्लैमर से फिल्म की अपील को और बढ़ाया है, जबकि नरेश, वेनेला किशोर और अन्य ने हास्य और मनोरंजन में योगदान दिया है।केवी गुहान की सिनेमैटोग्राफी बेहतरीन है, और चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर कहानी में गहराई जोड़ता है। पीपल मीडिया फैक्ट्री और वेणु डोनेपुडी के चित्रालयम स्टूडियो के तहत टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित, प्रोडक्शन वैल्यू प्रभावशाली हैं।श्रीनु वैतला की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में एक अनुभवी सहयोगी गोपी मोहन ने पटकथा लिखी है। टीम में संपादक के रूप में अमर रेड्डी कुदुमुला और कला निर्देशक के रूप में किरण मन्ने भी शामिल हैं। विश्वम दशहरा के लिए 11 अक्टूबर को रिलीज़ होने वाली है, जो इसे त्यौहारी सीजऩ के दौरान एक पारिवारिक मनोरंजन के रूप में पूरी तरह से पेश करती है।

# कॉमेडी के सच्चे मास्टर हैं अभिनेता अक्षय कुमार : चित्रांगदा सिंह

देसी बॉयज और खेल खेल में के बाद एक बार फिर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी।हाउसफुल 5 की शूटिंग के लिए लंदन जा रहीं अभिनेत्री ने बताया, अक्षय बेहद ही प्रतिभाशाली कलाकार हैं, इसके साथ ही वह कॉमेडी के सच्चे मास्टर भी हैं। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं, और उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है।खेल खेल में अक्षय के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, फिल्म खेल खेल में हमारे कैमियो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली, और मैं हाउसफुल 5 में उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

फिल्म का पहला पार्ट 2010 में रिलीज हुआ था। इसमें अक्षय, रितेश देशमुख, अर्जुन रामपाल, लारा दत्ता, दीपिका पादुकोण और दिवंगत स्टार जिया खान ने भूमिका निभाई थी।वहीं दो साल बाद फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज किया गया। हाउसफुल का एक स्टैंडअलोन सीक्वल और 1998 की मलयालम फिल्म मट्टुपेटी मचान का रीमेक है।

इसमें ऋषि कपूर, रणधीर कपूर, मिथुन चक्रवर्ती, अक्षय कुमार, असिन, जॉन अब्राहम, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, जऱीन खान, चंकी पांडे, शाज़ान पद्मसी और बोमन ईरानी जैसे नाम शामिल थे। पहले दो भागों का निर्देशन साजिद खान ने किया था।तीसरी और चौथी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। वहीं पांचवीं फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है।

हाउसफुल 5 में फरदीन खान, पूजा हेगड़े और रितेश भी हैं।अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को पिछली बार 2023 में गैसलाइट में देखा गया था। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान भी हैं।

# द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 का ट्रेलर आउट

## आलिया,जूनियर एनटीआर समेत सामने आई मशहूर गेस्ट की झलक

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीजन का धमाकेदार अनाउंसमेंट कर दिया है जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। नेटफ्लिक्स इंडिया ने हाल ही में शो का प्रीमियर वीडियो रिलीज कर दिया है जिसमें कपिल शर्मा अपने मजेदार शो के साथ वापसी करने जा रहे हैं। प्रोमो में आलिया भट्ट, जाह्नवी कपूर, सैफ अली खान, करण जौहर, रोहित शर्मा जैसे सितारे गेस्ट के तौर पर आए हैं।कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर, कृष्णा अभिषेक और अर्चना पूरन सिंह अपने मजेदार कारनामों के साथ सीजन 2 में वापस आ गए हैं। नेटफ्लिक्स ने आज शो के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है जिससे शो के फैंस काफी एक्साइटेड हैं । द ग्रेट इंडियन कपिल शो का दूसरा सीजन 21 सितंबर से स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। जब शो शनिवार (शनिवार) से फनीवार (मजेदार शनिवार) में बदल जाएगा।दूसरे सीजन में कुछ बड़े कलाकार शामिल होंगे, दर्शकों को आलिया भट्ट, सैफ अली खान, जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और करण जौहर जैसे मशहूर हस्तियों को बिल्कुल नए अंदाज में जानने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। इस सीजन में, टी20 विश्व कप चैंपियन भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा भी नजर आएंगे। हमेशा की तरह कपिल अपनी पंच लाइन से सबका मनोरंजन करने को तैयार हैं।द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पहले सीजन में सुपरस्टार आमिर खान, रणबीर कपूर अपनी मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा साहनी के साथ, कार्तिक आर्यन, दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा समेत कई अन्य लोग पहले सीजन में शो में मेहमान बनकर आए थे। अब सीजन 2 में नए मेहमानों के साथ कपिल शर्मा की टीम दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि कपिल शर्मा शो के करोड़ों फैन हैं और इसीलिए उनके शो का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। अब ट्रेलर रिलीज होने के बाद से फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

# तुम्बाड ने री-रिलीज में भी ढाया बॉक्स ऑफिस पर कहर

## ओपनिंग डे पर द बकिंघम मर्डर्स को पछाड़ा

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड की री-रिलीज को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड थे। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो गई है। ऐसा लग रहा है कि तुम्बाड पहली बार की तरह अब री-रिलीज में भी कई रिकॉर्ड बनाने वाली है। री-रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स के ओपनिंग कलेक्शन को मात दे दी है।सैकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड ने री-रिलीज के पहले दिन भारत में कुल 1.50 करोड़ रुपए की शानदार ओपनिंग की है। जबकि करीना कपूर की मर्डर मिस्ट्री फिल्म द बकिंघम मर्डर्स ओपनिंग डे पर सिर्फ 1.25 करोड़ रुपए ही कमा पाई है। इस तरह तुम्बाड ने द बकिंघम मर्डर्स को शिकस्त दे दी है।सोहम शाह स्टारर तुम्बाड एक हॉरर-फैंटेसी फिल्म है जिसे राही अनिल बारवे ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की गई थी। ओटीटी पर तुम्बाड को खूब सराहना मिली थी। अब फिल्म को दोबारा पर्दे पर रिलीज किया गया है और इसी बीच सोहम शाह ने फिल्म का सीक्वल अनाउंस कर दिया है।सोहम शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का एक टीजर शेयर करते हुए तुम्बाड 2 की अनाउंसमेंट की है। उन्होंने लिखा है- तुम्बाड 2, प्रलय आएगा।करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स की बात करें तो ये एक मिस्ट्री-थ्रिलर है। फिल्म को हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया है जिसमें करीना कपूर एक ब्रिटिश-भारतीय जासूस का रोल निभाया है जो बकिंघमशायर में मारे गए बच्चे की मौत की मिस्ट्री सुलझाती नजर आई हैं।

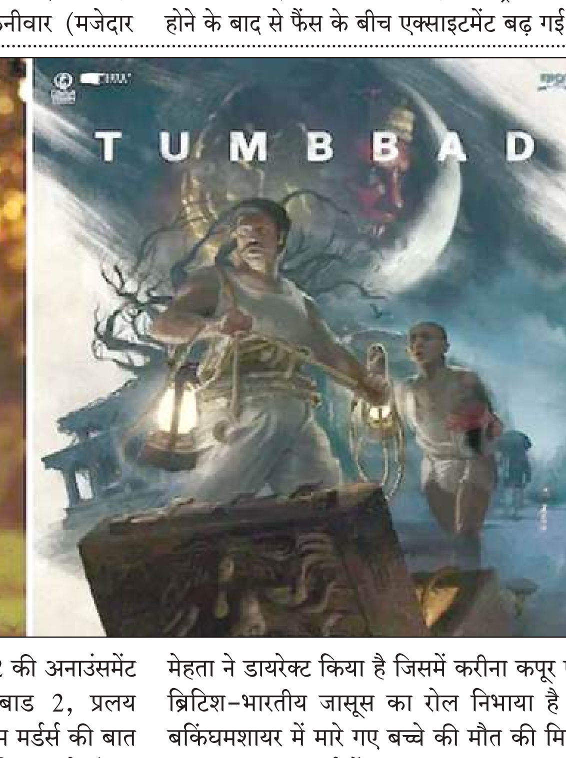

# आज का राशिफल

### मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालांकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

### वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

### मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

### कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आपको व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में ज़ाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

### सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा। आपके काम को देखकर आज बॉस आपसे खुश हो सकता है।

### कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी–मज़ाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है ।

### तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

### वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल–दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

### धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

### मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज खेल–कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

### कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन–साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

### मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

## सोमवार का पंचांग

दिनांक : 16 सितंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 03:12 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा सायं 04:33 तक
योग : सुकर्मा प्रात: 11:41 तक
करण : तैतिल सायं 03:12 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:17 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:19 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:12 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:18 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– कन्या संक्रान्ति रात्रि 07:43 से, संक्रांति पुण्यकाल रात्रि 07:43 से मध्य रात्रि 12:00 तक

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# हमें संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना है : भागवत

**अलवर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों का आह्वान किया है कि हमें संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना हैं।

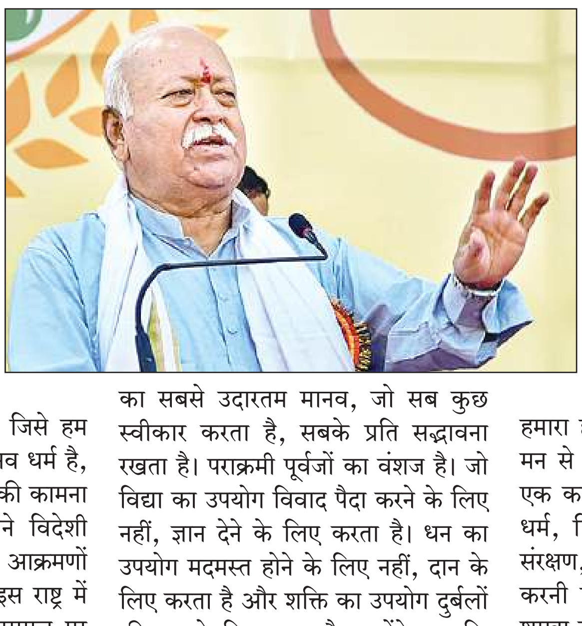

श्री भागवत ने रविवार को राजस्थान के अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एकत्रीकरण समारोह में स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है। यह सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हालांकि हमने विदेशी आक्रांताओं मुगल और अंग्रेजों के आक्रमणों का हर बार प्रतिकार किया है। इस राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है क्योंकि वही इस देश का कर्ताधर्ता पालनहार है।

श्री भागवत ने कहा कि हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सब कुछ स्वीकार करता है, सबके प्रति सद्भावना रखता है। पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है। जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं, ज्ञान देने के लिए करता है। धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं, दान के लिए करता है और शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। उन्होंने कहा कि हिंदू पूजा किसी की भी करते हों, भाषा कोई भी बोलते हों, किसी भी जात–पात में जन्म हों, किसी भी प्रांत के निवासी हों और कोई भी खानपान रीति रिवाज को मानते हों। ये मूल्य जिनके हैं, यह संस्कृति जिनकी है, वे सब हिंदू हैं।

श्री भागवत ने स्वयंसेवकों से कहा कि हमारी स्थिति ऐसी है, उसके लिए इधर–उधर दोष देने की अपेक्षा हमें अपनी कुछ कमियों को ठीक करना है। पहले संघ को कोई जानता नहीं था। अब अब सब जानते हैं। पहले कोई मानता नहीं था, संघ को अब सब लोग मानते हैं। जो हमारा विरोध करने वाले लोग हैं वे भी हमारा होठों से तो विरोध करते हैं, लेकिन मन से तो मानते ही हैं। इसलिए अब हम एक काम कर सकते हैं। अपने पवित्र हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति और हिंदू समाज का संरक्षण, हिंदू राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति हमको करनी है। शताब्दी तक हर बस्ती में एक शाखा लगे ऐसे हम अपने कार्य का विस्तार करेंगे। उन्होंने पांच मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हें समाज में लागू करना है तो पहले अपने जीवन में लागू करना चाहिए।

# हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाएगी भाजपा : प्रधान

**चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और वही मुख्यमंत्री का चेहरा हैं**

**चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रदेश की जनता हरियाणा में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी( भाजपा )की सरकार बनाकर 'हैट्रिक' लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

श्री प्रधान ने रविवार को करनाल में पत्रकारों से कहा कि पांच अक्टूबर को हरियाणा में विधानसभा चुनाव होगा। भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी। विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय व प्रादेशिक नेतृत्व 90 के 90 विधानसभाओं में जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और वही मुख्यमंत्री का चेहरा हैं। गौरतलब है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने रविवार को कहा कि लोगों की मांग और अपनी वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करेंगे। वहीं भाजपा यह चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ने का ऐलान कर चुकी है यानी वही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा हैं।

# पांच साल में दस लाख रोजगार होंगे सृजित : भजनलाल

**जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करवा रही हैं और पांच साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में दस लाख रोजगार सृजित किये जाएंगे।

श्री शर्मा रविवार को जयपुर की बस्सी तहसील स्थित बेनाड़ा धाम में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर की ओर से आयोजित सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपनी मेहनत और लगन से समाज एवं देश का नाम रोशन करती हैं। उनका सम्मान करने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है तथा अन्य लोग भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हम जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा ने कहा कि आपसी भाईचारे की भावना और सर्व समाज को साथ लेकर चलने से ही हम विकसित राजस्थान का संकल्प साकार कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत एवं समृद्ध समाज की नींव शिक्षा पर टिकी है इसलिए राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध करवा रही है। 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा में मैरिट में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को तीन साल तक की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ टेबलेट निःशुल्क दिए जा रहे हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित कम्पनियों के माध्यम से कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम संचालित करने के लिए प्रदेश के सभी संभागों में राजस्थान फिनिशिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम चलाया जाएगा। राज्य में 20 नए आईटीआई और 10 पॉलीटेक्नीक कॉलेज खोले जाएंगे। स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर अकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत विद्यार्थियों की देश–विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

श्री शर्मा ने कहा कि कौशल विकास के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी बनाकर दो साल में लगभग 1.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। अटल इनोवेशन स्टूडियो की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावकों का यह दायित्व है कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर कला, विज्ञान, खेल और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं, साथ ही उन्हें बुजुर्गों की सेवा करने के संस्कार भी दें। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सपनों की उड़ान भरने के लिए संभावनाओं का आसमान खुला है। उन्हें अपनी लगन और मेहनत से अपने लक्ष्यों को हासिल करना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि महान ऋषि हारित ने कृषि के महत्व को समझा और हमें सिखाया कि खेती रोजी–रोटी कमाने का जरिया ही नहीं है बल्कि यह एक पुनीत कार्य है।

# कांग्रेस हमेशा से दलित व गरीब विरोधी : तंवर

**चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद अशोक तंवर ने रविवार को भाजपा चुनावी कार्यालय रोहतक में प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित और गरीब विरोधी रही है और अब फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आरक्षण खत्म करने की बात बोल रहे हैं।

श्री तंवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को पिछले 10 वर्षों में एक सूत्र में पिरोकर नई दिशा देने का काम किया है। श्री मोदी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र की भूमि से एक बार फिर यह बता दिया है कि जब तक भाजपा है तब तक देश के किसान, मजदूर, गरीब और दलित के विरोध में काम कर रही कांग्रेस पार्टी के मंसूबों को पूरा नहीं होने देंगे। विदेशों में जाते ही देश की बदनामी करने लग जाते हैं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी।

उन्होंने श्री राहुल गांधी के अमेरिकी दौरे के दौरान उनके द्वारा दिए गए आरक्षण विरोधी बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विदेश में जाते ही राहुल गांधी और कांग्रेस का ध्यान इस ओर लग जाता है कि किस प्रकार देश की छवि को धूमिल किया जाए, यह बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी यही कहते थे कि आरक्षण के कारण सरकारी सुविधाओं की गुणवत्ता में कमी आएगी। आज अगर अनुसूचित जाति में बैकलॉग किसी की देन है तो वह कांग्रेस पार्टी की इस सोच की देन है।

श्री तंवर ने कहा कि जब तक भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और कार्यकर्ता हैं, तब तक आरक्षण को बेहतर ढंग से लागू करने पर तो चर्चा हो सकती है, पर आरक्षण को हटाने की बात नहीं की जा सकती। उन्होंने सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस पार्टी ने जो व्यवहार किया उस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में जो लोग दलित समाज का होकर मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे उनके साथ जो हुआ वह जगजाहिर है। कांग्रेस के भीतर सिर्फ एक ही परिवार हावी है और इसी कारण कोई स्वाभिमानी कार्यकर्ता उस पार्टी में नहीं रह सकता है। श्री तंवर ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग कुमारी सैलजा के लिए किया गया उस पर किसी कांग्रेस नेता ने टिप्पणी क्यों नहीं की या उसकी निंदा क्यों नहीं की।

# मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करूंगा: विज

**अंबाला, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने रविवार को कहा कि लोगों की मांग और अपनी वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करेंगे। भाजपा यह चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ने का ऐलान कर चुकी है यानी वही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा हैं।

श्री विज ने कहा कि प्रदेश भर से लोग उनसे कहते हैं कि आप सीनियर मोस्ट हो, आप मुख्यमंत्री क्यों नहीं बने? पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की मांग और वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करेंगे, पार्टी बनाती है या नहीं। वह अंबाला छावनी में विधानसभा चुनावों के लिए अपना रिपोर्ट कार्ड मीडिया से साझा कर रहे थे। छह बार अंबाला छावनी से विधायक चुने गए हैं। उल्लेखनीय है कि मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह अचानक नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने से वह नाराज भी हुए थे और नई सरकार के मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए थे। हालांकि बाद में उन्होंने खुद को पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता बताया था और पार्टी के लिए कार्य करते रहने का दावा किया था।

# महिलाओं पर टिप्पणी जयप्रकाश की गंदी सोच दर्शाती है : सुनैना

**चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की महिला प्रकोष्ठ की महासचिव सुनैना चौटाला ने हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश की महिलाओं के संबंध में की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर रविवार को कहा कि यह जयप्रकाश की गंदी सोच को दर्शाता है।

श्रीमती चौटाला ने मांग की कि कांग्रेस सांसद तुरंत माफी मांगें अन्यथा वह महिलाओं के मान–सम्मान के लिए मानहानि का केस करेंगी। इनेलो नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कॉंग्रेस की मानसिकता महिला विरोधी ही नहीं, दलित विरोधी भी है। उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं में बहुत घमंड आ गया है तथा यदि उनकी सरकार आ गई तो महिलाओं एवं दलितों का जीना दुश्वार कर देंगे।

# सडक़ हादसे में महिला की मौत, पति घायल

**हिसार, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** हरियाणा में हिसार जिले के बास क्षेत्र में हिसार– दिल्ली नेशनल हाईवे पर सोरखी गांव में रविवार को एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त जिसमें महिला की मौत हो गई जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहतक निवासी बबीता(40) अपने पति सतबीर के साथ स्कूटी पर सवार होकर गोगामेड़ी धोक मारने की जा रही थी। रास्ते में सोरखी गांव में पहुंची तो हाईवे पर बने एक ब्रेकर के पास उनकी स्कूटी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। बास थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# युवा किसानों को मिलेगा विदेशों में प्रशिक्षण

**जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।** राजस्थान के सौ युवा एवं प्रगतिशील किसान प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजे जायेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने वर्ष 2024–25 की बजट घोषणा में नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के तहत पहले चरण में इन प्रगतिशील युवा किसानों को उन देशों में भेजा जाएगा जहां कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में नवाचार किए जा रहे हैं एवं उच्च तकनीक के प्रयोग से कम जगह और काम लागत में अधिक फसल उत्पादित की जा रही है।

नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम के तहत चयन के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं उनमें सामान्य कृषक के पास कम से कम एक हेक्टेयर और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला कृषकों के पास 0.5 हेक्टर कृषि भूमि का भूस्वामित्व हो, पिछले 10 वर्षों से लगातार खेती कर रहा हो, कृषक द्वारा उच्च कृषि तकनीक जैसे संरक्षित खेती, सूक्ष्म सिंचाई, मल्चिंग, सौर ऊर्जा पंप, ड्रोन, फर्टिगेशन, ऑटोमेशन, फार्म पोंड, डिग्गी अपनाई जा रही हो आदि शामिल है।

इसी प्रकार डेयरी क्षेत्र चयनित होने वाले युवा दुग्ध उत्पादक या पशुपालक के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं उनमें वास्तविक रूप से कम से कम 20 गाय–भैंस की डेयरी या 10 ऊँट या 50 भेड़–बकरी का स्वामित्व रखता हो, पिछले 10 वर्षों से डेयरी या पशुपालन पेशे से जुड़ा हो, उच्च पशुपालन या डेयरी तकनीक उपयोग करता हो, डेयरी क्षेत्र में जिला या राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयन किया गया हो तथा जिसकी अपने क्षेत्र में प्रगतिशील पशुपालक के रूप में पहचान हो।

इन मापदंडों को पूरा करने वाले युवा प्रगतिशील कृषक अपने नजदीकी ई–मित्र केन्द्र के माध्यम से राजकिसान साथी पोर्टल पर 25 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम के तहत पहले चरण में चयनित 100 युवा किसानों में से 80 कृषि क्षेत्र तथा 20 डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र से होंगे। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने वाले कृषकों की उम्र 55 वर्ष से कम हो साथ ही वैध पासपोर्ट होना भी आवश्यक है।

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी को विभीषण बताया, कहा-

# कोई भी हिन्दुस्तानी विदेश जाकर ऐसा नहीं बोल सकता

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कांग्रेस के वरीय नेता और सांसद राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अपने देश के बारे में दूसरे देशों में यह नहीं बोलना चाहिए था। अपने देश के प्रति सब लोग ईमानदार है, कोई भी देशभक्त ऐसा नहीं कह सकता है। राहुल गांधी अपने देश के नहीं विदेशों के नेता हैं। यही कारण है कि विदेशों में जाकर राहुल गांधी हिंदुस्तान के बारे में ऐसा बोलते हैं। कोई हिन्दुस्तानी ऐसा नहीं बोल सकता है तो राहुल गांधी को भी नही बोलना चाहिए। वह विपक्ष के नेता हैं। उन्हें सांसद में बोलना चाहिए। राहुल गांधी घर का भेदी लंका ढाए वाला काम कर रहे हैं।

दरअसल, बीते हफ्ते राहुल की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके दिए बयानों पर जमकर हंगामा मचा रहा। जातिगत जनगणना से लेकर आरक्षण तक के मुद्दे पर विवाद हुआ। भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से उनकी मुलाकात पर सबसे ज्यादा विवाद हुआ। राहुल गांधी ने कहा था कि 'जब भारत एक निष्पक्ष जगह बन जाएगा तो कांग्रेस आरक्षण खत्म करने पर विचार करेगी। राहुल गांधी ने कहा कि भारत अभी निष्पक्ष जगह नहीं है। भारत में 90 फीसदी आबादी दलित, पिछड़ों और आदिवासियों की है, जो खेल में शामिल ही नहीं हैं।'

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को आभार व्यक्त किया है। बताया कि विष्णुपद कॉरिडोर, महाबोधी कॉरिडोर, भुवनेश्वर से कोलकाता एक्सप्रेसवे, ओद्योगिक पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। ऐसे में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की उपयोगिता और बढ़ जाएगी।

बता दें कि रेल मंत्रालय द्वारा गया वासियों को दो और वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी है। गया जंक्शन से पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। गया हावड़ा वंदे भारत और वार-णसी देवघर वंदे भारत को पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया हैं। इस अवसर पर गया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 6 पर कार्यक्रम आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, पर्यावरण मंत्री डॉ प्रेम कुमार समेत कई नेता और रेलवे के अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावे गया जंक्शन पटना रांची वंदे भारत और रांची वाराणसी वंदे भारत का परिचालन पहले से हो रहा है। वहीं पटना टाटा पटना वंदे भारत का भी शुभारंभ रविवार को किया गया है। दो और वंदे भारत के साथ अब गया रेलवे स्टेशन से 5 वंदे भारत ट्रेन का परिचालन होगा।

वहीं पूर्व मध्य रेलवे के सीप-ीआरओ सरस्वती चंद्र ने बताया कि 18 सितंबर से ट्रेन संख्या 22303/22304 हावड़ा गया हावड़ा वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन किया जाएगा। यह ट्रेन गया और हावड़ा से गुरुवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन ही परिचालन होगा। जो दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, पारसनाथ, कोडरमा रुकते हुए गया जंक्शन पहुंचेंगी। वहीं 16 सितंबर से ट्रेन संख्या 22500/22499 वार-ाणसी देवघर वाराणसी वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन किया जाएगा। उक्त ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। यह ट्रेन वाराणसी से डीडीयू, सासाराम, गया, नवादा, किऊल, जेसीडीह, देवघर जंक्शन पहुंचेगी। वहीं उन्होंने कहा कि रेल यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गया और हावड़ा के बीच अत्याधुनिक व विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन का परिचालन का शुभारंभ किया गया है।

# पीएम मोदी ने तीन नई वंदे भारत ट्रेनों की दी सौगात

### बिहार, झारखंड, यूपी के यात्रियों को फायदा

पटना (एजेंसियां)।

आज पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार, झारखंड और यूपी वासियों के तीन नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात दी है। इसको लेकर रेलवे ने सारी तैयारी पूरी कर ली है। यह ट्रेनें गया से हावड़ा, पटना से टाटा और बनारस-देवघर के बीच चलेंगी। प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत कई दिग्गज नेता और रेलवे के वरीय अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। पटना, वाराणसी, दीन दयाल उपाध्याय नगर, धनबाद, टाटानगर, देवघर और हावड़ा स्थित रेलवे जंक्शन पर समारोह का आयोजन किया गया है।

रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल से हावड़ा गया वंदे भारत का संचालन आसनसोल, धनबाद, कोडरमा रूट से होगा। इसी तरह पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में नई टाटानगर और पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस मूरी, बोकारा, गया रूट से होगा। वहीं वाराणसी देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस पं. दीनदयाल उपाध्याय, गया, नवादा के रास्ते चलाई जाएगी। देवघर वाराणसी और गया से हावड़ा के बीच वंदे भारत रविवार को स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाई जाएंगी। इसके बाद 16 सितंबर से दोनों ट्रेनें नियमित रूप से चलेंगी। देवघर-वाराणसी वंदे भारत शाम सात बजे पीडीडीयू जंक्शन पहुंचेगी, जहां स्वागत के बाद हरी झंडी दिखाकर वाराणसी के लिए रवाना की जाएगी।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए गया, नवादा, किउल के रास्ते वाराणसी और देवघर के बीच अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू किया जा रहा है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। देवघर-वाराणसी वंदे भारत और गया-हावड़ा वंदे भारत पहले दिन स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेंगी।

वाराणसी-देवघर वंदे भारत अप और डाउन में मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। गाड़ी संख्या 22500 वाराणसी से 6:20 बजे खुलकर 7:00 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पहुचेगी। यहां से खुलकर 8:15 बजे सासाराम, 9:25 बजे गया, 10:20 बजे नवादा, 11:30 बजे किउल, 13:15 बजे जसीडीह रुकते हुए 13:40 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 22499 देवघर से 15:15 बजे खुलकर 15:22 बजे जसीडीह, 16:40 बजे किउल, 17:48 बजे नवादा, 19:10 बजे गया, 20:18 बजे सासाराम और 21:30 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन आएगी। इसके बाद 22:30 बजे यह ट्रेन वार-ाणसी पहुंचेगी।

गया-हावड़ा वंदे भारत 18 सितंबर से नियमित रूप से चलेगी। यह ट्रेन दोनों तरफ से बृहस्पतिवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। गाड़ी संख्या 22303 हावड़ा से 6:50 बजे खुलकर 8:28 बजे दुर्गापुर, 8:53 बजे आसनसोल, 9:43 बजे धनबाद, 10:13 बजे पारसनाथ एवं 10:58 बजे कोडरमा रुकते हुए 12:30 बजे गया पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 22304 गया से 15:15 बजे खुलकर 16:15 बजे कोडरमा, 17:15 बजे पारसनाथ, 18:00 बजे धनबाद, 18:48 बजे आसनसोल, 19:11 बजे दुर्गापुर रुकते हुए 21:05 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

# जीराइन नदी में डूबे तीन लोग दंपती और एक बच्चा लापता

### बचाव कार्य में देरी से स्थानीयों ने जताई नाराजगी

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के अस्थावां प्रखंड में जीराइन नदी में हुईं दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग डूब गए। इनमें एक 12 वर्षीय बालक और एक दंपती शामिल हैं। घटनास्थल पर स्थानीय प्रशासन की ओर से बचाव कार्य में अत्यधिक देरी के कारण स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश फैल गया है।

पहली घटना अस्थावां थानाक्षेत्र में हुई, जहां मिथिलेश चौधरी का 12 वर्षीय पुत्र आदित्य राज कर्मा पूजा का सामान विसर्जन करने के दौरान जीराइन नदी में डूब गया। आदित्य अपने चचेरे भाई के साथ नदी के किनारे गया था। जहां उसके चचेरे भाई को आसपास के ग्रामीणों द्वारा सुरक्षित निकाल लिया गया। लेकिन आदित्य की जान नहीं बचाई जा सकी।

दूसरी घटना पहले स्थल से लगभग 500 मीटर दूर, सारे थानाक्षेत्र के करकराईंन गांव में हुई। यहां 60 वर्षीय विशेश्वर यादव शौच के दौरान नदी में गए और उनका पैर फिसल गया, जिसके बाद वह डूबने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में उनकी पत्नी गौरी देवी भी नदी में कूद गईं, लेकिन दोनों गहरे पानी में डूब गए।

स्थानीय गोताखोरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन अभी तक किसी का कोई सुराग नहीं मिला है। घटना की सूचना मिलने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई।

कई घंटे बीत जाने के बाद भी न तो एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की टीम पहुंची और न ही एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन बल) की टीम। इस देरी ने स्थानीय लोगों के मन में प्रशासन के प्रति गहरा रोष पैदा कर दिया है।

प्रशासन की नाकामी के खिलाफ आक्रोशित स्थानीय निवासियों ने बिहार शरीफ-बरबीघा मार्ग को जाम कर दिया। वे दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और प्रशासन को लापता व्यक्तियों की खोजबीन में तेजी लाने का दबाव बना रहे हैं। हालांकि घटनास्थल पर बीडीओ, सीओ और संबंधित थानों के थानाध्यक्ष मौजूद हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि वे दिन-रात एक कर जल्द से जल्द लापता व्यक्तियों को बरामद करने के लिए सभी प्रयास करेंगे।

गिरिराज सिंह का बड़ा आरोप

# राहुल, तेजस्वी और ममता हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर रहते हैं चुप

बेगूसराय (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने हाल ही में वक्फ बोर्ड के समर्थन में किए जा रहे प्रचार और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर तीखा बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड के समर्थक समाज में तनाव और अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि आजकल देखा जा रहा है कि दंगाई प्रवृत्ति के लोग वक्फ बोर्ड का सहारा लेकर समाज के सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वे सड़क पर घूम-घूम कर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं और अब सोशल मीडिया का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। लेकिन वे अपने मनसूबे में सफल नहीं होंगे।

भले ही राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जैसे लोग उनका समर्थन कर रहे हों, आम आदमी इस साजिश को समझ चुका है।

इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक आयोजनों के दौरान पथराव और हमलों की घटनाओं की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि जब ताजिया का जुलूस या कोई मुसलमान धार्मिक आयोजन करते हैं, तब हिंदू समुदाय की ओर से कोई प्रतिरोध नहीं किया जाता। लेकिन जब हिंदू अपनी धार्मिक परंपराओं का पालन करते हैं तो उन पर हमला किया जाता है। उन्होंने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि ये नेता इन घटनाओं को चुपचाप देखते हैं और इनका समर्थन करते हैं।

गिरिराज सिंह ने विशेष रूप से राहुल गांधी और ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि वे भारत को बांग्लादेश और पाकिस्तान की दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और ममता बनर्जी जैसे लोग भारत को बांग्लादेश और पाकिस्तान की दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

भागलपुर के एक मुस्लिम युवक द्वारा अयोध्या राम मंदिर को उड़ाने की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि हालांकि युवक की गिरफ्तारी हो चुकी है। लेकिन यह घटना हमारे पूर्वजों की गलतियों का परिणाम है। उनका कहना था कि अगर हमारे पूर्वज चाहे वे नेहरू हों या कोई और, उस समय सभी मुसलमान पाकिस्तान चले जाते और सभी हिंदू भारत में रहते, तो आज ऐसी घटनाएं सामने नहीं आतीं।

इस बयान ने धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों को लेकर एक बार फिर विवाद को जन्म दिया है। साथ ही समाज में मौजूदा धार्मिक और राजनीतिक विभाजन की जटिलताओं को उजागर किया है।

# सीएसआर फंड से टायलेट निर्माण में बीआरबीसीएल में हुआ बड़ा घोटाला, सीबीआई ने तेज की जांच

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद जिले में स्थित भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड (बीआरबीसीएल) के पावर प्लांट में सीएसआर (कारप-ोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) फंड से शौचालय निर्माण में करोड़ों का घोटाला सामने आया है। इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने तेज कर दी है और आरोपियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शौचालय निर्माण घोटाले के मुख्य आरोपी के रूप में बीआरबीसीएल के पूर्व अपर महाप्रबंधक (कमीशनिंग) राकेश कुमार उपाध्याय का नाम सामने आया है। आरोप है कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान इस घोटाले को अंजाम दिया और इसमें कई अन्य छोटे-बड़े अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। सीबीआई की टीम, जो संयुक्त सचिव राजीव रंजन के नेतृत्व में काम कर रही है, ने नबीनगर स्थित पावर प्लांट में 12 घंटे से अधिक समय तक फाइलों की गहन जांच की।

सीबीआई ने अब तक 230 शौचालय निर्माण में घोटाले की जांच की है और इसमें बीआरबीसीएल के तत्कालीन एजीएम आरके उपाध्याय, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश के सिंगरौली स्थित एनटीपीसी पावर प्लांट में पदस्थ हैं, को मुख्य आरोपी बनाया है। इसके अलावा, कोलकाता की कंपनी इंडिकॉन इंटरप्राइजेज और सब-कांट्रैक्टर रोहतास श्री जी इंटरप्राइजेज के सुशील कुमार पांडेय को भी आरोपी बनाया गया है।

जांच में खुलासा हुआ है कि सीएसआर फंड के तहत बनाए गए 230 शौचालयों में से कई का निर्माण हुआ ही नहीं। जो शौचालय बने भी थे, वे भी बेहद खराब गुणवत्ता के थे। कई स्कूलों में निर्धारित संख्या के मुकाबले कम शौचालय बनाए गए। ठेकेदार सुशील कुमार पांडेय ने भी स्वीकार किया है कि इलाके की दुर्गमता के कारण 30-40 शौचालयों का निर्माण संभव नहीं हो पाया। एनटीपीसी की निगरानी शाखा में पहले शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके बाद सीवीओ ने जांच की और मामला सीबीआई को सौंपा गया। 17 फरवरी 2022 को सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की और बाद में केस को एसीबी पटना को ट्रांसफर कर दिया गया। 20 मई 2024 को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। एनटीपीसी ने आरोपी एजीएम की वेतनमान में कटौती भी की है।

राकेश कुमार उपाध्याय पर आरोप है कि उन्होंने अपने भाई उमेश कुमार उपाध्याय के खाते में विभिन्न वर्षों के दौरान कुल 85.5 लाख रुपये की राशि जमा की। सब-कांट्रैक्टर सुशील कुमार पांडेय ने भी सीबीआई को बताया कि उसने उपाध्याय के कहने पर उसके भाई के खाते में 15 लाख रुपये जमा किए और उपाध्याय को पांच लाख रुपये नकद दिए।

हालांकि सीबीआई ने मामले में जांच तेज कर दी है और उम्मीद जताई जा रही है कि इस जांच की आंच बड़े अधिकारियों तक भी पहुंच सकती है। सीबीआई की जांच के नतीजे आने के बाद इस मामले में और भी बड़ी कार्रवाई की संभावना है।

# पांच घरों से लाखों के गहने और नकदी उड़ाई, ग्रामीणों में दहशत

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा जिले में एक बड़ी चोरी की घटना ने क्षेत्रीय प्रशासन और पुलिस को हिलाकर रख दिया है। रहुई थानाक्षेत्र के अब्दुलहिचक गांव में देर रात अज्ञात बदमाशों ने पांच घरों को निशाना बनाकर लाखों के गहने और नकदी चोरी कर ली। इस घटना ने गांव में दहशत और आक्रोश पैदा कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब अधिकांश परिवार अपने घरों से बाहर गए हुए थे। चोर घरों के ताले तोड़कर अंदर घुसे और गोदरेज तथा पेटियों में रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी के दौरान चोरों ने लगभग ढाई लाख रुपये नकदी, 15 लाख रुपये मूल्य के आभूषण, महंगे बर्तन और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया।

पीड़ित परिवारों में से एक शिव शंकर सिन्हा ने बताया कि हम सभी अपने घरों को ताला लगाकर बाहर गए थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाया और हमारी मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी सुबह तब हुई जब ग्रामीणों ने घरों के टूटे ताले देखे। इसके बाद तुरंत स्थानीय थाने को सूचित किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com